RNI: UPHIN/2015/60902

राजधानी से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

www.theachivertimes.com

# द अचीवर टाइम्स

डाक पंजीयन संख्या
एस.एस.पी.एल.डब्लू/एन
पी.439/2015-2017

वर्ष : 9 अंक : 217
पृष्ठ : 8 मूल्य : 3 रुपया
लखनऊ, गुरुवार, 30 नवम्बर, 2023

## एक नज़र

### सुवेंदु अधिकारी ने सीएम ममता बनर्जी पर की विवादित टिप्पणी

**कोलकाता।** पश्चिम बंगाल विधानसभा से निलंबित होने के एक दिन बाद नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर आग बबूला हो गए। ममता बनर्जी पर विवादित बयान देते हुए उन्होंने चोरों की रानी करार दिया। बुधवार को सुवेंदु अधिकारी द्वारा राज्य विधानसभा के परिसर में टीएमसी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया गया। वहीं दूसरी तरफ टीएमसी द्वारा मनरेगा और पीएम आवास योजना के लिए केंद्रीय निधि के कथित गैर भुगतान के खिलाफ प्रदर्शन किया गया । कार्यवाही के दौरान विधानसभा के भीतर तोड़फोड़ की गई। सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्यों ने एक-दूसरे के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। वहीं नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा, भाजपा की रैली में लोगों की भीड़ ये दर्शाती है कि लोग बदलाव चाहते हैं। साथ ही उन्होंने कहा, कार्यक्रम में उमड़ी भीड़ से अहसास हो गया कि अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चनाव के लिए लोगों में जोश है। साथ ही उन्होंने कहा, रैली में गला खराब होने के कारण मैं ज्यादा भाषण में बोल नहीं सकता। लोगों की भीड़ ने इस रैली को ऐतिहासिक बना दिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को सुनने के लिए लोगों में खासा उत्साह था। साथ ही टीएमसी पर हमला करते हुए उन्होंने कहा, जो लोग बाबा साहेब अम्बेडकर की प्रतिमा के नीचे विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, वे सभी चोर हैं। हमने आवाजा उठाकर सरकार को आईना दिखाया है। साथ उन्होंने कहा, जो मंत्री जेल में बंद हैं, वे अभी भी पद पर बने हुए है। कोलकाता में शक्ति प्रदर्शन के दौरान उन्होंने कहा, अभिषेक बनर्जी और ममता बनर्जी चोर है। बात दें सुवेंदु अधिकारी को बुधवार को स्पीकर बिमान बनर्जी के खिलाफ कथित तौप पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने पर निलंबित कर दिया गया था।

### ट्रेन की चपेट में आने से स्कूल जा रही छात्रा की मौत

**जगदीशपुर(अमेठी)।** क्षेत्र के पूरे कुर्मीन मजरे मिश्रौली गांव के समीप से गुजरे लखनऊ-वाराणसी रेलवे ट्रैक पर मंगलवार सुबह स्कूल जा रही छात्रा इंदौर-पटना एक्सप्रेस की चपेट में आ गई। इससे उसकी मौत हो गई। जगदीशपुर थाना क्षेत्र के पूरे कुर्मीन मजरे मिश्रौली निवासी राकेश की पुत्री प्रीति (10) प्राथमिक विद्यालय हुसैनगंज कला कक्षा तीन की छात्रा है।

# देहरादून में मनी दिवाली

## सुरंग से बाहर आए श्रमिकों के परिजनों संग थिरके सीएम धामी, खेला भैलो

एजेंसी

**देहरादून।** उत्तरकाशी की सिलक्यारा टनल से श्रमिकों की सुरक्षित वापसी के बाद आज देहरादून स्थित सीएम आवास में ईगास यानी बूढ़ी दीपावली का उत्सव मनाया गया। वैसे तो दिवाली के 11वें दिन यानी एकादशी को उत्तराखंड में ईगास मनाने का रिवाज है, लेकिन मजदूरों के सुरंग में फंसे होने के चलते सीएम धामी ने आवास पर आयोजित कार्यक्रम स्थगित कर दिया था। वहीं, जब मजदूर सुरक्षित वापस आए हैं तो उन्होंने बुधवार को ही उत्सव मनाया। सीएम धामी भैलो खेलकर लोकगीतों पर जमकर थिरके। इस अवसर पर सीएम आवास में श्रमिकों के परिजन भी मौजूद थे। सीएम ने इन सभी का माल्यार्पण कर और शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया। कार्यक्रम में सांस्कृतिक दलों द्वारा मनमोहक प्रस्तुतियां दी गई। बता दें कि उत्तराखंड के गढ़वाल में सदियों से दिवाली को

बग्वाल के रूप में मनाया जाता है। कुमाऊं के क्षेत्र में इसे बूढ़ी दीपावली कहा जाता है। इस पर्व के दिन सुबह मीठे पकवान बनाए जाते हैं। रात में स्थानीय देवी-देवताओं की पूजा अर्चना के बाद भैला जलाकर उसे घुमाया जाता है और ढोल नगाड़ों के साथ आग के चारों ओर लोक नृत्य किया जाता है। मान्यता है कि जब भगवान राम 14 वर्ष बाद लंका विजय कर अयोध्या पहुंचे तो लोगों ने दिए जलाकर उनका स्वागत किया और उसे दीपावली के त्योहार के रूप में मनाया। कहा जाता है कि गढ़वाल क्षेत्र में लोगों को इसकी जानकारी 11 दिन बाद मिली। इसलिए यहां पर दिवाली के 11 दिन बाद यह ईगास मनाई जाती है। खास बात ये है कि यह पर्व भैलो खेलकर मनाया जाता है। तिल, भंगजीरे, हिसर और चीड़ की सूखी लकड़ी के छोटे-छोटे गठ्ठर बनाकर इन्हें विशेष रस्सी से बांधकर भैलो तैयार किया जाता है। बग्वाल के दिन पूजा अर्चना कर भैलो का तिलक किया जाता है। फिर ग्रामीण एक स्थान पर एकत्रित होकर भैलो खेलते हैं। भैलो पर आग लगाकर इसे चारों ओर घुमाया जाता है। कई ग्रामीण भैलो से करतब भी दिखाते हैं। पारंपरिक लोकनृत्य चांछड़ी और झुमेलों के साथ भैलो रे भैलो, काखड़ी को रैलू, उज्यालू आलो अंधेरो भगलू आदि लोकगीतों के साथ मांगल व देवी-देवताओं की जागर गाई जाती हैं।

**काम करते-करते मलबा गिरने से 41 मजदूर टनल में फंसे**

आपको बता दें कि काम करते-करते दिवाली के दिन अचानक सुरंग में मलबा गिरने से 41 मजदूर अंदर ही फंस गए। उन्होंने अपने जीवन के नौ दिन का गुजारा केवल ड्राई फ्रूट्स और चने खाकर अंदर बह रहे स्रोत के पानी से किया। उनके पास सोने को बिस्तर था न शौचालय की सुविधा। ऑपरेशन सिलक्यारा में सभी मजदूरों की जिंदादिली एक नजीर बन गई। 12 नवंबर की सुबह करीब 5:30 बजे जिस वक्त सुरंग में हादसा हुआ तो मजदूरों की आवाज सुनने के लिए केवल चार इंच का एक पाइप ही माध्यम बचा। पहले सबसे बात हुई तो पता चला कि सभी बच गए, लेकिन फंस गए। इसके बाद उन्हें भूख लगने लगी, लेकिन कोई ऐसा माध्यम नहीं था, जिससे उन्हें भोजन भेजा जा सके।

**मजदूरों ने नहीं हारा हौसला**

20 नवंबर तक उन्हें केवल जरूरी दवाएं, चने और ड्राई फ्रूट ही इस चार इंच के पाइप से प्रेशर के माध्यम से भेजे जाते रहे। सभी मजदूर इससे किसी तरह अपनी भूख शांत कर जिंदादिली से उन पलों का इंतजार करते रहे, जब उन्हें बचाकर बाहर निकाला जाएगा। कई मजदूरों को पेट दर्द की शिकायत भी हुई। बावजूद इसके उन्होंने हौसला नहीं हारा। 20 नवंबर को जैसे ही छह इंच के पाइप को भीतर तक पहुंचाने में कामयाबी मिली तो मजदूरों को भी कुछ राहत मिलनी शुरू हो गई। उन्हें खिचड़ी, केले, संतरे, दाल-चावल, रोटी के अलावा ब्रश, टूथपेस्ट, दवाएं, जरूरी कपड़े आदि भेजे गए।

टनल के भीतर इन 13 दिन में उनकी दिनचर्या तो कुछ बनी, लेकिन बाहर आने की व्याकुलता बरकरार रही। डॉक्टर, मनोचिकित्सक उनका हौसला बढ़ाते रहे। आखिरकार इसी जीवंतता के दम पर वह मजदूर सुरक्षित बाहर निकलने में सफल हो पाए।

**केंद्र सरकार और राज्य सरकार का तालमेल**

इस पूरे ऑपरेशन के दौरान केंद्र सरकार और राज्य सरकार ने भी तालमेल के साथ धैर्य का परिचय दिया। पूरी दुनिया की नजरें 17 दिनों से उत्तराखंड के उत्तरकाशी के सिलक्यारा पर टिकी थीं। मजदूरों को बाहर निकालने के कई प्लान बने और जब-जब फेल हुए तो सरकार असहज जरूर दिखी, लेकिन कहीं न कहीं धैर्य बनाए रखा।

### सीएम ने मजदूरों को सौंपे एक-एक लाख के चेक, रैट माइनर्स को देंगे 50-50 हजार की प्रोत्साहन राशि

**उत्तरकाशी।** मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चिन्यालीसौड़ में भर्ती सिलक्यारा सुरंग से रेस्क्यू कर लाए गए श्रमिकों को एक-एक लाख रुपये सहायता राशि का चेक सौंपे। उन्होंने रेस्क्यू ऑपरेशन को सफल बनाने वाले रैट माइनिंग दल के सदस्यों को भी 50-50 हजार रुपये प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की। बुधवार को सीएम पुष्कर सिंह धामी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चिन्यालीसौड़ पहुंचकर सिलक्यारा सुरंग में 17 दिनों तक फंसे रहे श्रमिकों को सहायता राशि के चेक सौंपे। इस अवसर पर उन्होंने सभी श्रमिकों की बहादुरी की प्रशंसा करते हुए इतने लंबे समय तक धैर्य बनाए रखने की सराहना। की कहा कि हादसे के चलते कोई भी दिवाली नहीं मना पाया था, अब वह दिवाली का जश्न मनाएंगे।

## सुप्रीम कोर्ट से केंद्र के फैसले पर मुहर

# दिल्ली के मुख्य सचिव

## नरेश कुमार के सेवा विस्तार को मंजूरी

एजेंसी

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के मुख्य सचिव नरेश कुमार का कार्यकाल छह महीने और बढ़ाने के केंद्र के फैसले को अपनी सहमति दे दी है। इस मामले में कई सुनवाइयों के बाद मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने बुधवार को केंद्र के फैसले को बरकरार रखा। पीठ ने कहा कि केंद्र सरकार के फैसले को %कानून का उल्लंघन नहीं माना जा सकता। पीठ ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय को मुख्य सचिव का कार्यकाल बढ़ाने का अधिकार है। जो संविधान की राज्य सूची की सातवीं अनुसूची की प्रविष्टि 1, 2 और 8 (पुलिस, सार्वजनिक व्यवस्था और भूमि) से संबंधित सभी मुद्दों का निपटारा करता है। इनमें कहा गया है कि ये विषय दिल्ली सरकार के विधायी और कार्यकारी दायरे से परे हैं और इसलिए, प्रथम दृष्टया, केंद्र के पास मुख्य सचिव का कार्यकाल बढ़ाने की अपेक्षित शक्ति है।

गौरतलब है कि इससे पहले, मंगलवार को केंद्र ने अदालत को यह बताया था कि वह कुमार का कार्यकाल बढ़ाना चाहता है। इस पर पीठ ने पूछा था कि ऐसा करने के लिए क्या केंद्र के पास आवश्यक शक्ति है। साथ ही आश्चर्य जताते हुए केंद्र से यह भी पूछा था कि क्या उसके पास केवल एक व्यक्ति है। उसके पास दिल्ली के सीएस पद के लिए कोई अन्य आईएएस अधिकारी नहीं है।

# प्यार के लिए पाकिस्तान पहुंची अंजू भारत वापस लौटी

## नसरुल्लाह से शादी करके बन गई थी फातिमा

एजेंसी

**अलवर।** अलवर से पाकिस्तान गई अंजू अचानक भारत वापस आ गई है। उसकी एक तस्वीर भी सामने आई है। करीब छह महीने पहले वह भारत से पाकिस्तान पहुंची थी। शुरुआत में कहा गया कि वह सिर्फ घूमने वहां गई है, लेकिन फिर उसने अपने पाकिस्तानी दोस्त नसरुल्लाह से शादी कर ली थी।

नसरुल्लाह के प्यार में पाकिस्तान गई अंजू भारत वापस लौट आई है। अंजू बुधवार को अटारी-वाघा बॉर्डर के रास्ते भारत में दाखिल हुई। फिलहाल, अभी वह बीएसएफ के कैंप में है। वहीं से उसकी पहली तस्वीर सामने आई है। बता दें कि अंजू राजस्थान में अलवर जिले के भिवाड़ी में अपने पति अरविंद और दो बच्चों के साथ रहती थी। वह टूरिस्ट वीजा पर पाकिस्तान घूमने गई थी, लेकिन बाद में पता चला कि वह खैबर पख्तूनख्वा में रहने वाले नसरुल्लाह से मिलने गई है। दरअसल, नसरुल्लाह और अंजू के बीच अफेयर चल रहा था। पाकिस्तान जाने के बाद अंजू ने नसरुल्लाह के साथ निकाह भी कर लिया था। अंजू और नसरुल्लाह के निकाह की तस्वीर भी सामने आई थी।

**साल 2020 में फेसबुक पर हुई दोस्ती**

दरअसल, साल 2020 में अंजू और नसरुल्लाह की मुलाकात फेसबुक पर हुई थी। नसरुल्लाह पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के ऊपरी दीर जिले का रहने वाला है। फेसबुक पर जब दोनों की दोस्ती कुछ और आगे बढ़ी तो दोनों ने एक-दूसरे का कॉन्टैक्ट नंबर ले लिया। दोनों की बातचीत वॉट्सएप पर होने लगी। करीब दो साल तक यह बातचीत चलती रही। इसी बीच अंजू और नसरुल्लाह ने एक-दूसरे से मिलने की इच्छा जाहिर की, जब नसरुल्लाह ने भारत आने में असमर्थता जताई तो अंजू पाकिस्तान आने को तैयार हो गई।

**21 जून को वीजा का आवेदन**

अंजू ने पासपोर्ट भी बनवा लिया, लेकिन अड़चन थी वीजा की। अंजू ने पाकिस्तान जाने के लिए 21 जून को वीजा का आवेदन किया था। अंजू ऑटो मोबाइल कंपनी में काम करती थी, जबकि उसका पति अरविंद इंडो कंपनी में काम करता है। अंजू के पति अरविंद के मुताबिक, उनका परिवार मूल रूप से यूपी के बलिया का रहने वाला है। जबकि अंजू का परिवार मध्यप्रदेश के ग्वालियर से है। अंजू और अरविंद की शादी साल 2007 में हुई थी। अरविंद का धर्म क्रिश्चियन है, जबकि अंजू हिंदू है। अंजू ने शादी के बाद अपना धर्म बदल लिया था।

**अरविंद के पास हैं बच्चे**

दरअसल, अंजू के बच्चे अरविंद के पास हैं और उन्होंने साफ कहा है कि अंजू को मिलने नहीं देंगे। इस पूरे मामले को लेकर अरविंद पुलिस के पास भी जा चुके हैं और अंजू से पूछताछ भी हो सकती है। हाल ही में नसरुल्लाह ने खुलासा किया था कि अंजू ने बच्चों पर उन्हें पहले झूठ बोला था। नसरुल्लाह ने कहा था कि एक कंपनी के प्रॉडक्ट का प्रचार करने के दौरान चार साल पहले उनकी फेसबुक के जरिए मुलाकात हुई थी। उन्होंने कहा कि साल 2018 में पहली बार मुलाकात हुई थी। हमें एक-दूसरे के देश में जाने के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। मैंने पाकिस्तान के गृह मंत्रालय से पूरी जानकारी ली।

**अंजू और भारतीय पति अरविंद में हो सकता है विवाद**

नसरुल्लाह ने बताया कि इस पूरे प्रासेस में मुझे एक साल लग गया। इसके बाद जनवरी 2022 में अंजू को एनओसी दे दी गई। इसके बाद अंजू को पाकिस्तानी दूतावास से वीजा मिल गया। चार साल के दौरान हमने हर दिन एक-दूसरे से बात की। नसरुल्लाह ने दावा किया कि अंजू ने पहले शादी का प्रस्ताव रखा था। नसरुल्लाह ने कहा कि सीमा हैदर और अंजू के मामले की तुलना न की जाए। नसरुल्लाह ने माना कि अंजू ने उससे बच्चों को लेकर झूठ बोला था। अंजू ने बताया था कि उसका केवल एक ही बच्चा है।

नसरुल्लाह ने बताया कि बाद में अंजू ने खुलासा किया कि उसकी एक बड़ी बेटी भी है। नसरुल्लाह ने कहा कि अंजू अकेले पाकिस्तान आई और वाघा बॉर्डर से खैबर पख्तूनख्वा तक पहुंच गई। नसरुल्लाह ने दावा किया कि अंजू का उसके पति अरविंद से 10 साल से विवाद चल रहा है। अरविंद अभी अंजू को तलाक नहीं दे रहा है। हम एक-दूसरे से प्यार करते थे और इसी वजह से अंजू ने इस्लाम धर्म स्वीकार कर लिया।

नसरुल्लाह ने बताया कि उन्हें काफी गिफ्ट भी मिले हैं। नसरुल्लाह ने कहा कि अंजू यह सोचकर नहीं आई थी कि वह पाकिस्तान में इतने लंबे समय तक रहेगी। इसलिए उसे जाना पड़ा है। अंजू के दस्तावेज तैयार हैं और भारत यात्रा के बाद वह वापस पाकिस्तान लौट आएगी। बच्चों को पाकिस्तान लाने पर नसरुल्लाह ने कहा कि यह अंजू के हाथ में है कि वह क्या करती है।

# मल्लिकार्जुन को आगे ला रही कांग्रेस

## सोनिया के सामने नेताओं ने माना, खरगे हैं सोलिल्लादा सरदारा

एजेंसी

**नई दिल्ली।** सोनिया गांधी ने कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर लिखी गई पुस्तक, मल्लिकार्जुन खरगे, पॉलिटिकल एंगेजमेंट विद कम्पैशन, जस्टिस एंड इनक्लूसिव डेवलपमेंट का बुधवार को विमोचन किया। नई दिल्ली के जवाहर भवन में आयोजित समारोह में सोनिया गांधी के अलावा विपक्ष के कई नेताओं ने खरगे की नेतृत्व क्षमता पर पूरा भरोसा जताया है। राजनीतिक जानकारों के मुताबिक, पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में मतदान होने के बाद और 2024 के लोकसभा चुनाव की रणनीति के बीच कांग्रेस पार्टी, मल्लिकार्जुन खरगे को खामोशी से आगे ला रही है। सोनिया गांधी की मौजूदगी में विपक्षी नेताओं ने माना कि खरगे ही %सोलिल्लादा सरदारा% (हार न मानन वाला लीडर) हैं। कांग्रेस पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने खरगे पर लिखी गई पुस्तक के विमोचन समारोह में उन सभी प्रोटोकॉल को फॉलो किया, जो पार्टी के शीर्ष पद पर आसीन व्यक्ति के लिए करने होते हैं। जैसे, समारोह आरंभ होने से पहले सबसे पहले मंच पर मल्लिकार्जुन खरगे पहुंचे। उसके बाद सबसे आखिर में खरगे ने ही अपना संबोधन दिया। समारोह की समाप्ति पर मंच से नीचे उतरने के लिए खरगे ही सबसे पहले अपनी कुर्सी से उठे। उनके पीछे सोनिया गांधी रहीं। कांग्रेस पार्टी की पूर्व अध्यक्ष ने कहा, राजनीतिक जीवन एवं राष्ट्र की लोकतांत्रिक यात्रा में खरगे का पचास साल का सफर शानदार रहा है। वे अपनी विचारधारा पर चलते रहे। उन्होंने एक बार भी समझौता नहीं किया।

वे सदैव मूल्यों की राजनीति करते रहे हैं। इस लंबी यात्रा में उन्होंने अमिट छाप छोड़ी है। राष्ट्र की सेवा में खरगे ने बड़ा मुकाम हासिल किया है। जन सेवा में खरगे का इतना लंबा सफर, प्रेरणादायक है। सामान्य परिवार से आने वाले खरगे, सांप्रदायिकता से लड़े, धर्मनिरपेक्षता की राह पर चले और भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाई। उनका विश्वास सभी के लिए अनुकरणीय है। आरजेडी सांसद मनोज झा ने कहा, खरगे एक ऐसे शख्स हैं, जो एक एक व्यक्ति की सुनते हैं। संसद में विपक्षी रणनीति पर चर्चा के दौरान उनकी खरगे से पहली मुलाकात हुई थी। तब देखा, वे सभी की सुनते हैं। आज गणतंत्र और खरगे की यात्रा, लगभग समानांतर सी हैं। सीताराम येचुरी ने कहा, खरगे की सबसे बड़ी खासियत है कि उनके पास नफरत नहीं है। इंडिया गठबंधन में उनकी पूरी विश्वसनीयता है।

उनके नेतृत्व में जुड़ेगा भारत, जीतेगा इंडिया, यह मुहिम पूरी होगी। खरगे, सभी लोगों को साथ लेकर आगे बढ़ेंगे। समारोह को पूर्व केंद्रीय मंत्री टीआर बालू ने भी संबोधित किया। मल्लिकार्जुन खरगे पर लिखी गई इस किताब में विपक्षी दलों के नेताओं ने भी अपनी बात कही है। लोकसभा की पूर्व स्पीकर सुमित्रा महाजन और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने किताब में खरगे की तारीफों के पुल बांधे हैं। सोनिया गांधी, पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, पूर्व पीएम मनमोहन सिंह, पूर्व उप राष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू, राहुल गांधी व शरद पवार सहित शीर्ष नेताओं ने इस किताब में खरगे की कार्यशैली की प्रशंसा की है। सुमित्रा महाजन ने लिखा, खरगे ने हमेशा युवा नेताओं को आगे बढ़ाया है। सोनिया गांधी ने कहा है, कमजोर लोगों को सशक्त बनाने के खरगे के प्रयास सराहनीय हैं।

# बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा और सड़क पर फोकस, राम के जरिए धर्म को भी साधने की कोशिश

एजेंसी

**लखनऊ।** लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी योगी सरकार ने अनुपूरक बजट में सड़क, बिजली और किसानों के साथ-साथ प्रदेश भर में राममय माहौल बनाने के लिए खजाना खोल दिया है। कुल 28760.67 करोड़ रुपये के इस बजट का करीब तीन चौथाई हिस्सा इन्हीं चार सेक्टरों पर खर्च होगा। लगभग 10 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान ऊर्जा क्षेत्र के लिए किया गया है। इसमें किसानों को निजी नलकूपों से मुफ्त सिंचाई के लिए 900 करोड़ शामिल है। 4250 करोड़ रुपये से बदहाल सड़कों की सूरत बदली जाएगी। अयोध्या में बन रहे राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पहले पूरे प्रदेश का माहौल राममय बनाने की तैयारी है। इसके लिए बजट में 'रामोत्सव' की घोषणा की गई है, जिसपर 100 करोड़ खर्च होंगे। वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने बुधवार को विधानसभा में वित्त वर्ष 2023-24 के लिए अनुपूरक बजट पेश किया। इस बजट में चुनाव का अक्स साफ दिखाई दिया। इसमें 19046.39 करोड़ रुपये राजस्व खर्च और 9714.28 करोड़ रुपये पूंजी खर्च के लिए रखे गए हैं। नई योजनाओं के लिए 7421.21 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। सरकार ने किसानों पर खास इनायत बरती है। मुफ्त सिंचाई के लिए बिजली सब्सिडी के रूप में 900 करोड़ रुपये बजट में दिए गए हैं। खाद-बीज वितरण के लिए सहकारी समितियों को दस-दस लाख का ब्याज मुक्त ऋण दिया जाएगा। गन्ना किसानों और सहकारी चीनी मिलों के लिए भी प्रावधान किया गया है। प्रदेश के बुनियादी ढांचे और सड़कों की सूरत बदलने को लेकर सरकार की गंभीरता बजट में साफ तौर पर दिखाई दी। कानपुर और लखनऊ मेट्रो की गति जारी रहे, इसके लिए 231 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। गंगा एक्सप्रेसवे के लिए 518 करोड़ की व्यवस्था की गई है। पूर्वांचल विकास निधि को 475 करोड़ और बुंदेलखंड विकास निधि के लिए 125 करोड़ रुपये दिए गए हैं।

**रामोत्सव और श्रीराम अवतरण कॉरिडोर से बनेगा राममय माहौल**

अयोध्या में राममंदिर में भगवान श्रीराम के प्राणप्रतिष्ठा समारोह से आम लोगों को राम मंदिर आंदोलन की तरह जोड़ने की योजना है। घर-घर लोगों को राममंदिर से भावनात्मक रूप से जोड़ने के लिए बजट में 'रामोत्सव' की घोषणा की गई है। इसके तहत मकर संक्राति से लेकर होली तक 100 करोड़ रुपयों से विभिन्न सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। पूरे प्रदेश में राम मंदिर, वाल्मीकि मंदिर, हनुमान मंदिर आदि में भजन-कीर्तन, रामचरितमानस, रामकथा और अखंड रामायण का पाठ कराया जाएगा। इसमें स्थानीय कलाकारों का सहयोग लिया जाएगा। जगह-जगह भजन मंडलियों को तैनात किया जाएगा। काशी, मथुरा, विंध्यवासिनी धाम के बाद श्रीराम अवतरण कॉरिडोर का भी एलान किया गया है।

बस्ती में श्रीराम अवतरण कॉरिडोर का निर्माण श्रीराम जन्मभूमि से प्रभु श्रीराम पुत्रेष्टि यज्ञ स्थली तक और चौरासी कोसी परिक्रमा मखौड़ाधाम बस्ती तक होगा। इसके लिए प्रतीक प्रावधान किया गया है।

# अपराध नियंत्रण के परिपेक्ष्य में कटनी पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन की अहम बैठक

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

**मध्य प्रदेश कटनी।** कटनी पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन ने कंट्रोल रूम में अपराध समीक्षा एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा की जानकारी के लिए शहर के थाना एवं चौकी प्रभारी की पुलिस कंट्रोल रूम में बैठक ली, बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा माधव नगर थाने में लंबित अपराधों की समीक्षा की, एवं थाना प्रभारी को लंबित अपराधों की सूची तैयार कर प्राथमिकता से निराकरण करने हेतु निर्देशित किया गया, साथ ही विगत वर्षों के लंबित गंभीर अपराधों एवं संपत्ति संबंधित अपराधों के निराकरण हेतु राजपत्रित अधिकारियों के परिपेक्ष में निराकरण के निर्देश भी दिए, इसके अलावा गुम इंसान व बालक/ बालिकाओं के दस्तयाबी हेतु अभियान चलाकर उनकी घर वापसी के लिए जमीनी प्रयास करने के निर्देश दिए गए, एवं लंबित मार्गो की समीक्षा कर उनके शीघ्र निराकरण हेतु पीएम रिपोर्ट व एफ एल एल रिपोर्ट को अतिशीघ्र प्राप्त कर प्रकरणों के निकल करने के निर्देश थाना एवं चौकी प्रभारी को दिए गए, इसके अलावा माननीय न्यायालय द्वारा संबंध वारंट के निकाल कर तमिल का प्रतिशत शो करने हेतु थाने के संबंध कार्य में लगे कर्मचारियों को अधिक से अधिक तमिल करने हेतु निर्देशित किया गया पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन द्वारा रात्रि चोरी हुआ नकबजनी रोकने हेतु सघन अगस्त करने व अधिक से अधिक रात्रि अगस्त प्वाइंट लगाने के लिए थाना प्रभारी को निर्देशित किया गया, दिन के समय में शहर के प्रमुख बाजार जहां भीड़भाड़ हमेशा मौजूद रहती है सराफा, गोलबाजार, ए.टी.एम के पास लगातार पुलिस पार्टीयो के भ्रमण करने के भी निर्देश दिए, एवं डायल 100 कंट्रोल रूम से इवेंट प्राप्त होते ही घटनास्थल पर पहुंचने व क्विक रिस्पांस कर पीड़ित को सहायता पहुंचाने के लिए डायल 100 में लगे कर्मचारियों को निर्देशित किया, साथ ही अवैध शराब बनाने व परिवहन करने वालों पर कार्यवाही एवं अवैध मादक पदार्थों के व्यापार में लगे कारोबारियों पर पूर्व की तरह ही लगातार कार्यवाही जारी रखना के सभी थाना प्रभारी एवं चौकी प्रभारीयों को निर्देश दिए, थाना प्रभारी को क्षेत्र में पुलिस का प्रभाव बढ़ाने व अपराध पर नकेल कसने और क्षेत्र का भ्रमण करने बाजार मुख्य चौराहा पर पैदल भ्रमण कर पुलिस की उपस्थिति दर्ज करने के निर्देश बैठक में दिए गए, जिससे अपराधिक प्रवृत्ति के हौसले पस्त रहें, व अपराध करने की मंशा कोई भी असामाजिक तत्व न करें, इसके अलावा सड़क दुर्घटना को रोकने व शहर के प्रमुख प्वाइंट पर चेकिंग लगाने बेरिकेडस लगाने ब्रेकर रेडियम लाइट के प्रयोग करते हुए तेज गति वाहनों ओवरलोडिंग वाहनों तीन पहिया वाहनों बिना हेलमेट के वाहन चालकों पर चालानी कार्यवाही करने के भी निर्देश दिए।

# गोष्ठी का आयोजन अभिषेक प्रभारी राजकीय कृषि बीज भण्डार तेलियानी के द्वारा कराया गया

द अचीवर टाइम्स निखिल मिश्रा

**फतेहपुर।** कृषि सूचना तंत्र के सुदृढीकरण एवं कृषक जागरूकता कार्यक्रम के अन्तर्गत कल बुधवार को विकास खण्ड स्तरीय रबी% गोष्ठी एवं कृषि निवेश मेला, का आयोजन विकास खण्ड परिसर तेलियानी में किया गया। जिसमें कृषि विभाग व संबंधित विभागों के द्वारा स्टल लगाकर किसानों को कृषि यन्त्रों व कृषि निवेशों के साथ-साथ विभागीय योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। गोष्ठी की अध्यक्षता अभिषेक त्रिवेदी संयोजक पंचायत प्रकोष्ठ भाजपा फतेहपुर। के द्वारा की गई। अभिषेक त्रिवेदी ने किसानों के लिए चलाई जा रही सरकार की विभिन्न योजनाओं का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाने व वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाने की अपील की तथा उप-सम्भागीय कृषि प्रसार अधिकारी रंजीत कुमार चौरसिया ने कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं को विस्तार से बताया तथा कृषि यन्त्रों की बुकिंग व पीएम किसान सम्मान निधि योजना के बारे में जानकारी प्रदान की केवीके वैज्ञानिक थरियांव, डॉ जितेन्द्र सिंह ने कृषि वैज्ञानिक पद्धतियों व विभिन्न कृषि परिस्थितिकी से सम्बंधित पहलुओं पर चर्चा की वहीं कृषि वैज्ञानिक डॉ शिवमंगल सिंह ने प्राकृतिक खेती के बारे मे किसानों को विस्तार से बताया, डॉ प्रेमदान पाल ने मृदा के स्वास्थ्य व उर्वरता को बनाए रखने के लिए किसानों को फसल चक्र अपनाने व कृषि अवशेषों के प्रबन्धन की जानकारी प्रदान की एनएफएसएम सलाहकार कुंवरसेन गंगवार ने किसानों को फसल बीमा से सम्बंधित जानकारी प्रदान की व किसानों के प्रश्नों का समाधान किया। गोष्ठी में डॉ साधना वैश्य प्रभारी केवीके (थरियांव) न्याय पंचायत प्रभारी- कु0 माधवी,अमित कुमार, चन्द्रशेखर गुप्ता,पुरूषोत्तम नरायण बीटीएम ओंकारेन्द्र सिंह परिहार, एटीएम हंसराज सिंह, वीरेंद्र कुमार व विभिन्न क्षेत्रों से आये प्रगतिशील किसान व अन्य लोग उपस्थित रहे। गोष्ठी का आयोजन अभिषेक प्रभारी राजकीय कृषि बीज भण्डार तेलियानी, के द्वारा कराया गया।

## एक नज़र

### मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में हुई उद्योग बन्धु की बैठक

द अचीवर टाइम्स निशान्त शुक्ला

**हरदोई।** विकास भवन स्थित स्वर्ण जयंती सभागार में मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरुरानी की अध्यक्षता में उद्योग बन्धु की बैठक हुई। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि निवेश मित्र पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों का निस्तारण ससमय कराया जाए। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के अंतर्गत लक्ष्य के अनुरूप पात्र आवेदकों को लाभान्वित कराया जाए। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के अंतर्गत प्राप्त प्रस्तावों को धरातल पर उतारने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाए। हस्ताक्षरित एमओयू को जीबीसी रेडी के स्तर पर लाया जाए। इस अवसर पर उपायुक्त उद्योग दुर्गेश कुमार, उद्योग प्रतिनिधि व संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

### टैंपो चालक ने मारी मोटर साईकिल सवार को टक्कर*

भारासैनी पुलिया चौराहे पर आय दिन होते रहते जानलेवा हादसे

द अचीवर टाइम्स सुधांशु अवस्थी

**जनपद सीतापुर।** थाना मछरेहटा अंर्तगत ग्राम सटलिया ग्राम पंचायत जटपुरवा अरविंद पाल पुत्र राम किशुन व धीरज पाल पुत्र विश्राम पाल एक शादी समारोह से करीब 12 बजे रात्रि में वापस आ रहे थे वापस आते समय भारासैनी पुलिया चौराहा पर टैंपो से भिड़ंत हो गई। भारसैनी पुलिया चौराहा जलालपुर रोड़ आय दिन यहां होते रहते है जानलेवा हादसे स्थानीय लोगों की माने तो विक्रम टैंपो चालक मौके से फरार हो गया स्थानीय लोगों की मदद से सामूदायिक स्वास्थ्य केंद्र मछरेहटा लाया गया जहां पर डॉक्टरों ने सीतापुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया जहां पर अरविंद पाल पुत्र रामकिशुन को गहरी चोट आई और धीरज पुत्र विश्राम का पैर कई जगह से टूट गया था जिला अस्पताल के डॉक्टरों ने धीरज और अरविंद को लखनऊ रेफर कर दिया लखनऊ के डॉक्टरों ने अरविंद पाल को मृत घोषित कर दिया अरविंद पाल की उम्र 28 वर्ष थी अरविन्द पाल के 2 बच्चे है वहीं धीरज पाल की उम्र 19 वर्ष जो की अविवाहित है अरविंद पाल की मौत की खबर मिलने से अरविंद पाल के परिजनों का रो रो कर बुरा हाल हो गया।

### नगर आयुक्त संतोष कुमार शर्मा के निर्देशन में नगर टीम द्वारा नगर क्षेत्र में निरक्षित गोवंशों को पड़कर चिनौर रोड पर स्थित दाउदपुर में पहुंचाया गया

**द अचीवर टाइम्स फसाद खान शाहजहांपुर ।** महानगर वासियों के सुविधा एवं निश्चित गौवंशों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नगर आयुक्त महोदय संतोष कुमार शर्मा द्वारा नगर क्षेत्र के मुख्य मार्गो का मोहल्ला में आवारा घूमने वाले निरक्षित गोवंशों को पड़कर दाउदपुर गौशाला में भेजने के निर्देश दिए गए जिसके अनुपालन में आज दिनांक 29 11 2023 को सहायक अभियंता जलकर प्रेमचंद आर्य के नेतृत्व में नगर निगम टीम द्वारा नगर क्षेत्र के कलेक्ट्रेट करने वाले चौराहे के आसपास के विभाग रामलीला मैदान व अन्य क्षेत्र में मौजूद निरक्षित गोवंशों को दो कैंसिल से कल नो गवर्नमेंटसन को पड़कर चिनार रोड पर स्थित दाउदपुर गौशाला में सुरक्षित पहुंचाया गया इसके अतिरिक्त नगर आयुक्त महोदय द्वारा इस अभियान को आगे भी जारी रखने के दिए गए निर्देश

# बहन से परेशान होकर भाई ने लगाई शासन-प्रशासन से न्याय की गुहार

- भाई ने कलयुगी बहन पर प्रताड़ित करने का लगाया आरोप।
- पीड़ित अब आला अधिकारियों से इंसाफ की आस लगाये हुए है।

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

**लखनऊ।** थाना ठाकुरगंज स्थित जल निगम रोड हरीनगर अंतर्गत कैटल कॉलोनी में रहने वाले हसीब नामक युवक ने अपनी सगी छोटी बहन सोफिया पर पिता के मकान को अपने नाम कराने को लेकर अनेक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। पीड़ित के मुताबिक बहन सोफिया पिछले कई वर्षो से अपनी बुजुर्ग मां को भड़का कर आए दिन परिवार में झगड़े फसाद कराती रहती है व पीड़ित हसीब की पत्नी को भी कई बार पीट चुकी है हसीब का आरोप है कि बहन सोफिया द्वारा उसको व उसके अन्य भाइयों को पूर्व में कई झूठे मुकदमे दर्ज कराकर व घर के अंदर अपने पति संग मिलकर मारपीट कर चुकी है। जिसकी सूचना कई बार थाना ठाकुरगंज को दी गई है। पुलिस ने परिवार का मामला देखते हुए कई बार समझा बुझा कर मामला शांत कराया है वहीं बहन सोफिया द्वारा पुलिस को गुमराह कर झूठी सूचना के आधार पर अपनी बुजुर्ग मां के जरिए पूर्व में कई मुकदमे दर्ज कराए हैं। पीड़ित एक छोटी सी चाय की दुकान चला कर अपने परिवार का पालन पोषण कर रहा है और साथ ही अपने 2 छोटे बच्चो को स्कूल में पढ़ा रहा है। वहीं पीड़ित ने अपनी कलयुगी बहन से आहत होकर शासन प्रशासन से इंसाफ की गुहार लगाई है। पीड़ित हसीब आय दिन थाना चौकी और कोर्ट के चक्कर काटते हुए परेशान हो चुका है। अब आलाधिकारियों से न्याय की आस लगाए है कि उसके साथ उसकी बहन द्वारा उसे पर जुल्म किया जा रहा है। आल्हा अधिकारियों से लगाई न्याय की गुहार।

# सहवाजपुर 40 फिट गहरी नदी किनारे सड़क एक तिहाई भाग कट जाने से ग्रामीणों को दे रही मौत की दावत

## नायक टाईगर फोर्स भारत संघ की टीम को ग्रामीणों ने दी सूचना

- तत्काल मौके पर पहुंचे स्थिति देखकर मामले का निस्तारण हेतु दिया आश्वासन।

द अचीवर टाइम्स फसाद खान

**शाहजहांपुर।** भबलखेड़ा छेत्र के ग्राम सहबाजपुर में ग्रामवासियों ने नायक टाईगर फोर्स भारत संघ को नदी के किनारे आने जाने का राश्ता जो सड़क थी बिलकुल बाड़ आने पर जल उफान से एक तिहाई भाग कट चुका है जो की बिलकुल नदी से 10 मीटर पर प्राथमिक विद्यालय है जिसमे जल पहुंचने की आशंका जताई आए दिन लगातार ट्राली पलटना या बाइक फिसलना कई घटना घट चुकीं जो की सारी समस्या विधायक मानवेंद्र सिंह भी बताई गई विधायक ने एक भी ना सुनी नदी की मरम्मत हेतु पत्थर ना लगाकर बोरियों में गांजा भरकर खानापूर्ति कर मानक पूरे कर आर्थिक व्यवस्था ने बंदरवांट कर लिया गया तत्काल प्रभाव नायक टाईगर फोर्स भारत संघ की टीम द्वारा मामले को गंभीरता से संज्ञान में लेते हुए सहबाजपुर पहुंचकर जनहित हेतु ग्रामवासियों से मिलकर उनकी समस्या को देखते हुए उनसे रूबरू हुए नायक टाईगर फोर्स भारत संघ की टीम ने ग्रामीणों को मामले का निस्तारण कराने हेतु आश्वासन दिया इस बीच मौजूद रहे राष्ट्रीय अध्यक्ष संजीत कुमार आजाद,फसाद खान,अपूर्व दिवेदी , शक्ति कनौजिया एवं सैकड़ों ग्रामवासी

# हिंदू देवी देवताओं पर शोसल मीडिया गाली पोस्ट करने वाले युवक को मितौली पुलिस ने किया गिरफ्तार भेजा जेल

द अचीवर टाइम्स रमेश चंद्र

**लखीमपुर खीरी।** थाना मितौली पुलिस द्वारा, सोशल मीडिया के माध्यम से अभद्र धार्मिक टिप्पणी करने के वांछित अभियुक्त जमशाद पुत्र रियाज को गिरफ्तार किया गया। पकड़े गए आरोपी को जेल भेज दिया गया है। पुलिस अधीक्षक खीरी गणेश प्रसाद साहा के निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक खीरी के निकट पर्यवेक्षण में संपूर्ण जनपद में अपराध की रोकथाम व वांछित/वारंटी अभियुक्तों की गिफ्तारी हेतु चलाया गया। अभियान के अन्तर्गत क्षेत्राधिकारी मितौली महोदय के कुशल मार्गदर्शन में आज दिनांक 29.11.2023 को थाना मितौली पुलिस टीम द्वारा सोशल मीडिया पर हिंदू देवी देवताओं को गाली देकर किए गए पोस्ट से संबंधित मु0अ0सं0 543/2023 धारा 295ए भादवि व 67 आई0टी एक्ट में वांछित अभियुक्त जमशाद पुत्र रियाज निवासी कस्बा व थाना मितौली जनपद खीरी को घटना में प्रयुक्त 01 अदद मोबाइल फोन सहित गिरफ्तार किया गया है। अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

**गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण–**

1.जमशाद पुत्र रियाज निवासी कस्बा व थाना मितौली जनपद खीरी

**बरामदगी**

घटना में प्रयुक्त 01 अदद मोबाइल फोन

**गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम–**

1.निरीक्षक दिनेश कुमार तिवारी थाना मितौली।2.उ0नि0 परितोष पाण्डेय थाना मितौली। 3.हे0का0 रामशंकर तिवारी थाना मितौली

### बरेली जंक्शन पर मालगाड़ी के पहिये पटरी से उतरे, रोजा से बुलाई गई दुर्घटना राहत ट्रेन

**बरेली।** बरेली जंक्शन पर मंगलवार सुबह उस वक्त खलबली मच गई, जब मालगोदाम यार्ड में लूप लाइन पर शंटिंग के दौरान मालगाड़ी के पहिये पटरी से उतर गए। रोजा से आई दुर्घटना राहत ट्रेन से करीब चार घंटे बाद पहियों को पटरी पर लाया जा सका। बरेली जंक्शन के मालगोदाम यार्ड में मंगलवार सुबह लूप लाइन पर शंटिंग के दौरान मालगाड़ी का एक डिब्बा पटरी से उतर गया। घटना के बाद शाहजहांपुर के रोजा जंक्शन से दुर्घटना राहत ट्रेन बुलाई गई। चार घंटे की मशक्कत के बाद डिब्बे के पहियों को पटरी पर लाया जा सका। अधिकारियों ने बताया कि घटना की जांच के लिए तीन सदस्यों की कमेटी गठित की गई है। जानकारी के मुताबिक मालगोदाम यार्ड में लूप लाइन पर सुबह करीब सात बजे कर्मचारी मालगाड़ी में कुछ अन्य डिब्बे जोड़ रहे थे। उसी समय एक डिब्बा पटरी से उतर गया। रेलवे के अधिकारियों ने बताया कि मालगाड़ी का डिब्बा पटरी से उतरने के कारण कोई भी ट्रेन का संचालन प्रभावित नहीं हुआ है।

# मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में हुई सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा बैठक

द अचीवर टाइम्स निशान्त शुक्ला

**हरदोई।** विकास भवन स्थित स्वर्ण जयंती सभागार में मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरुरानी की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड की बैठक हुई। मुख्य विकास अधिकारी ने मंडी सचिव की अनुपस्थिति पर नाराजगी जताते हुए एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए। उन्होंने पशुपालन विभाग को लक्ष्य के अनुरूप अंडा उत्पादन बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आईजीआरएस के माध्यम से प्राप्त शिकायतों का ससमय गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। श्रम विभाग को कन्या विवाह सहायता योजना के लंबित आवेदनों के जल्द निस्तारण के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार के सभी लंबित आवेदनों के निस्तारण के निर्देश उद्योग विभाग को दिए। उन्होंने कहा कि समस्त विभाग फ्लैगशिप स्कीमों से संबंधित सूचनाएं अपने विभागीय पोर्टल पर ससमय फीड कराना सुनिश्चित करें। कार्यदायी संस्थाएं कार्य प्रगति संबंधी सूचना संबंधित पोर्टल पर फीड कराना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी अरविन्द कुमार व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

# खीरी पुलिस ने अंतर्राज्यीय चोरी करने वाले आरोपी किया गिरफ्तार लाखों की नगदी बरामद

द अचीवर टाइम्स रमेश चंद्र

**लखीमपुर खीरी।** अन्तर्राज्यीय शातिर चोरों के गिरोह द्वारा शहर में की जा रही ताबड़-तोड़ चोरियों का पुलिस ने किया सफल अनावरण। चोरी करने वाले एक अभियुक्त को 2,88,000 रुपये (दो लाख अठ्ठासी हजार रुपये ) की नगदी , जेवरात समेत किया गिरफ्तार। चोरी की घटनाओं मे प्रयुक्त स्विफ्ट कार रजि0 नं0 क्ष्32स्नस्0133, पिट्ठू वैग व दो अदद आला नकब सहित किया बरामद। एसपी गणेश प्रसाद साहा के निर्देशन व अपर पुलिस अधीक्षक के निकट पर्यवेक्षण में संपूर्ण जनपद में अपराध की रोकथाम व वांछित/वारंटी अभियुक्तों की गिफ्तारी हेतु चलाया गया। जिसके अन्तर्गत आज दिनाँक 29.11.2023 को समय 02.50 बजे थाना कोतवाली सदर पुलिस व क्राइम ब्रांच द्वारा संयुक्त चेकिंग व गस्त के दौरान रवही नहर पुल से एक नफर अभियुक्त आलम उर्फ कल्लू पुत्र अबूसहमा निवासी ग्राम भदेवा थाना थानगांव जनपद सीतापुर स्थायी पता मो0 आजादनगर कस्बा व थाना तम्बौर जनपद सीतापुर के साथ गिरफ्तार किया गया है । अभियुक्त के कब्जे से थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0-894/23 धारा-457/380/411/413 भादवि से सम्बन्धित चोरी किये नगदी 25,000 रुपया, मु0अ0सं0-1033/23 धारा-457/380/411/413 भादवि से सम्बन्धित चोरी गयी नगदी 55,000/-रुपये ,मु0अ0सं0-1116/2023 धारा-457/380/411/413 भादवि से सम्बन्धित चोरी गयी नगदी 1,00,000/-रुपये ,मु0अ0सं0-1121/2023 धारा-457/380/411/413 भादवि0 से सम्बन्धित चोरी गयी नगदी 1,08,000 रुपये व मु0अ0सं0-1156/2023 धारा-457/380/411/413 भादवि से सम्बन्धित जेवरात 9 सिक्का सफेद धातु, दो जोड़ी पायल,एक जोडी खड़वा बच्चे के सफेद धातु तथा चोरी की घटना में प्रयुक्त की गयी एक कार स्विफ्ट वीडीआई नम्बर क्ष्32 स्नस् 0133 तथा आला नकब, पिट्ठू वैग व एक इलेक्ट्रानिक तराजू बरामद हुआ है । अभियुक्त आलम उर्फ कल्लू उपरोक्त को विधिक कार्यवाही पूर्ण कर न्यायालय भेजा जा रहा है ।

गिरफ्तार अभियुक्त का विवरणः-

1.आलम उर्फ कल्लू पुत्र अबूसहमा निवासी ग्राम भदेवा थाना थानगांव जनपद सीतापुर स्थायी पता मो0 आजादनगर कस्बा व थाना तम्बौर जनपद सीतापुर

## अभियुक्तगणों का अपराध करने का तरीका

**यह गैंग विभिन्न शहरो में चार पहिया वाहन व मोटर साईकिलों से घूमफिर कर रात्रि में ताला बंद घरो को चिन्हित कर उनमें नकब लगाकर केवल जेबरात व नकदी चोरी करते है इस गैंग का मुख्य सरगना कासिम है । गिरफ्तार अभियुक्त आलम उर्फ कल्लू थाना थानगांव जिला सीतापुर का हिट्रीशीटर है । इस गैंग में 1. इमरान पुत्र मो0 इसराइल उर्फ मुन्ना निवासी मो0 अजीजनगर थाना मडियावं जनपद लखनऊ 2. इकरार पुत्र उस्मान निवासी अजीजनगर छोटा खुदान थाना मडियावं जनपद लखनऊ 3. सलमान पुत्र मो0 नसीम निवासी कस्बा व थाना तम्बौर जनपद सीतापुर 4.कासिम पुत्र कबीर निवासी समसेरीपुरवा थाना थानगांव जनपद सीतापुर हाल पता मो0 नई बस्ती कस्बा व थाना तम्बौर जनपद सीतापुर 5. अच्छन पुत्र वशीर निवासी भदेवा थाना थानगांव जनपद सीतापुर 6. आलम उर्फ कल्लू पुत्र अबूसहमा निवासी ग्राम भदेवा थाना थानगांव जनपद सीतापुर स्थायी पता मो0 आजादनगर कस्बा व थाना तम्बौर जनपद सीतापुर है । इस गैंग के सदस्यों द्वारा चोरी करने से पहले दिन मे रियायसी कालोनियों मे पहले मोटरसाइकिल से रैकी की जाती है और उसके बाद रात्रि मे चार पहियाँ/दो पहियाँ वाहनों से अपने साथियों के साथ आकर पुनः उन घरों की दो वार रैकी करते थे । अगर ताला बंद मिलता है तो देर रात 01.00 से 04.00 बजे के बीच घर का ताला तोडकर चोरी कर लेते है । सभी सदस्य लोहे की मजबूत राड से ताला तोडने माहिर है । चोरी करते समय चार पहिया वाहन को चिन्हित घर से थोड़ी दूर पर खड़ी करते है ।**

## बरामदगी का विवरण -

**1.मु0अ0सं0-894/23 धारा-457/380/411/413 भादवि से सम्बन्धित चोरी किये नगदी 25,000 रुपये। 2.मु0अ0सं0-1033/23 धारा-457/380/411/413 भादवि से सम्बन्धित चोरी गयी नगदी 55,000/-रुपये । 3.मु0अ0सं0-1116/2023 धारा-457/380/411/413 भादवि से सम्बन्धित चोरी गयी नगदी 1,00,000/-रुपये। 4.मु0अ0सं0-1121/2023 धारा-457/380/411/413 भादवि0 से सम्बन्धित चोरी गयी नगदी 1,08,000 रुपये। 5.मु0अ0सं0-1156/2023 धारा-457/380/411/413 भादवि से सम्बन्धित जेवरात 9 सिक्का सफेद धातु,दो जोड़ी पायल,एक जोडी खड़वा बच्चे के सफेद धातु। 6.चोरी की घटना में प्रयुक्त की गयी एक कार स्विफ्ट वीडीआई नम्बर UP32 FS 0133। 7. दो अदद आला नकब। 8. एक अदद इलेक्ट्रानिक तराजू।**

## गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम का विवरण ङ्क

**1. व0उ0नि0 श्री सुनीत कुमार थाना कोतवाली सदर खीरी। 2. उ0नि0 श्री जयप्रकाश यादव थाना कोतवाली सदर खीरी। 3.उ0नि0 श्री संचित यादव थाना कोतवाली सदर खीरी। 4.उ0नि0 श्री अजीत कुमार सिंह थाना कोतवाली सदर खीरी। 5.हे0का0 विजय शर्मा थाना कोतवाली सदर खीरी। 6.हे0का0 अरविन्द कुमार थाना कोतवाली सदर खीरी। 7.का0 विकास सिंह चौहान थाना कोतवाली सदर खीरी। 8.का0 अमरजीत थाना कोतवाली सदर खीरी। 9.का0 हेमेन्द्र थाना कोतवाली सदर खीरी। 10.म0का0 रीता चौहान थाना कोतवाली सदर खीरी। 11.हे0का0 आशीष सिंह चौहान सर्विलांस/स्वाट टीम जनपद खीरी। 12.का0 महताब आलम सर्विलांस /स्वाट टीम जनपद खीरी। 13.का0 देवेन्द्र कुमार यादव सर्विलांस /स्वाट टीम जनपद खीरी। 14.का0 योगेश तोमर सर्विलांस /स्वाट टीम जनपद खीरी**

# सुधरेगी यूपी की बिजली व्यवस्था

## अनुपूरक बजट में मिले 9193 करोड़, बेहतर किए जाएंगे तार से लेकर ट्रांसफार्मर तक

संवाददाता

**लखनऊ।** प्रदेश में इस वर्ष बिजली की अधिकतम खपत 28 हजार मेगावाट का आंकड़ा पार कर गई थी। आने वाली गर्मी में करीब 30 हजार मेगावाट तक अधिकतम बिजली खर्च हो सकती है।

प्रदेश की बिजली व्यवस्था सुधारने के लिए 9193 करोड़ की अतिरिक्त व्यवस्था की गई है। इससे विभिन्न परियोजनाओं को गति मिलेगा। तार से लेकर ट्रांसफार्मर तक में सुधार होगा। वितरण प्रणाली सुधरने से उपभोक्ताओं को भरपूर बिजली मिलेगी। प्रदेश में इस वर्ष बिजली की अधिकतम खपत 28 हजार मेगावाट का आंकड़ा पार कर गई थी। आने वाली गर्मी में करीब 30 हजार मेगावाट तक अधिकतम बिजली खर्च हो सकती है। इसके मद्देनजर सरकार की ओर से सभी तैयारियां की जा रही है। अनुपूरक बजट में भी इसकी झलक दिखाई पड़ रही है। सरकार की ओर से प्रदेश के सभी जिलों में वितरण प्रणाली दुरुस्त करने के लिए 1500 करोड़ और प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों एवं नोएडा व मऊ में वितरण प्रणाली सुधारने के लिए 1028 करोड़ की अतिरिक्त व्यवस्था की गई है। इसी तरह आत्मनिभर भारत योजा के तहत मिले ऋण के पुनर्भुगतान के लिए 288 करोड़, पावर कारपोरेशन की वर्ष 2023-24 के लिए प्रतिपूर्ति अनुदान के लिए 1300 करोड़, वर्ष 2020-21 के लिए देय राजस्व प्रतिपूर्ति अनुदान के सापेक्ष अवधेश भुगतान के लिए 574 करोड़, डिस्काम की हानियों की फडिंग के लिए 3200 करोड़, पावर कारपोरेशन को विद्युत कर के सापेक्ष अनुदान के लिए 200 करोड़, ओबरा सी तापीय विद्युत परियोजना की स्थापना के लिए 100 करोड़, जवाहरपुर तापीय विद्युत परियोजना की स्थापना के लिए उत्पादन निगम को अंशपूजी के रूप में 75 करोड़ मिलेंगे। घाटमपुर तापीय विद्युत परियोजना के लिए 150 करोड़, दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना एवं सौभाग्य योजना के तहत एसजीएसटी एवं वैट की भांति लेबस सेस एवं राज्यके लिए 148 करोड़, प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) में किफायती आवास निर्माण की परियोजनाओं के बाह्य विद्युतीकरण के लए 19 करोड़, रिवैम्प्ड डिस्ट्रीव्यूशन सेंटर स्कीम के तहत हानियों में कमी के लिए अंशपूजी के रूप में 511 करोड़ और रिवैम्प्ड डिस्ट्रीव्यूशन सेंटर स्कीम के तहत स्मार्ट मीटरिंग के कार्यों के लिए 100 करोड़ की व्यवस्था की गई है।

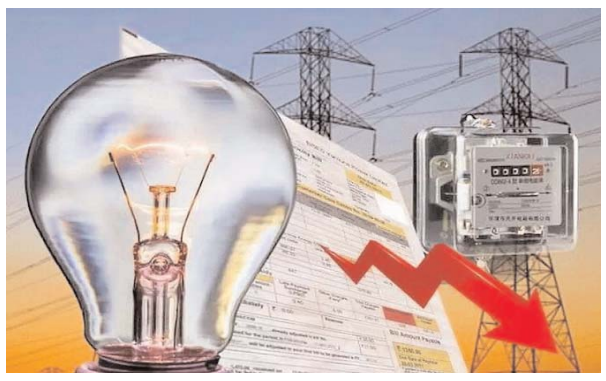

**नगर निगमों जलकल के बकाया बिजली बिल के लिए 1000 करोड़**

प्रदेश के नगरीय निकायों, मार्ग प्रकाश और जलकल के बकाया बिजली बिलों के लिए 1000 करोड़ का प्रावधान किया गया है। ये राशि पावर कारपोरेशन को दी जाएगी।नगरीय निकायों के कर्मचारियों को प्रशिक्षण के लिए नगरीय प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान की स्थापना की जाएगी। इसके लिए 12 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके अतिरिक्त छह योजनाओं के लिए सीड मनी का इंतजाम किया गया है। शेष खर्च अनुदान की बचत से किया जाएगा। अटल आवासीय विद्यालयों की स्थापना के लिए 84.48 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

### पीएम ऊषा योजना समेत राज्य विवि के लिए 222 करोड़

प्रदेश में उच्च शिक्षण संस्थानों में मूलभूत सुविधाओं समेत अन्य कामों के लिए प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (पीएम ऊषा) योजना के तहत सरकार ने 20 करोड़ समेत राज्य विश्वविद्यालयों के कुल 222 करोड़ का प्रावधान किया है। इसमें प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज की स्थापना के लिए 157 करोड़ का अतिरिक्त प्रावधान किया गया है।

### प्रदेश के 16 शहरों में खुलेंगे आवासीय संस्कृत विद्यालय शिक्षा के लिए जारी होंगे 1551 करोड़

**लखनऊ।** प्रदेश में संस्कृत विद्यालयों के पुनरुद्धार व विकास में जुटी सरकार ने अनुपूरक बजट में इसके लिए भी व्यवस्था कर दी है। पांच धार्मिक शहरों में आवासीय समेत 11 अन्य (कुल 16) राजकीय संस्कृत माध्यमिक विद्यालयों की स्थापना हो सकेगी। शासन ने पांच धार्मिक शहरों नैमिषारण्य (सीतापुर), प्रयागराज, अयोध्या, मथुरा व चित्रकूट में नए आवासीय राजकीय संस्कृत विद्यालय खोलने का निर्णय लिया था। यहां पर विद्यालय के साथ-साथ 100-100 बेड के छात्रावास की भी व्यवस्था होगी, ताकि यहां पढ़ने वाले विद्यार्थियों को आवासीय सुविधा के लिए भटकना न पड़े। खास यह कि यहां से पढ़कर निकलने वाले विद्यार्थी अपने शहर में ही रोजगार भी पा सकेंगे। इसी तरह 11 शहरों वाराणसी, रायबरेली, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, शामली, जालौन, अमेठी, मुरादाबाद, एटा, हरदोई में भी नए राजकीय संस्कृत माध्यमिक विद्यालयों की स्थापना की जानी है। उत्तर प्रदेश माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद की ओर से इन विद्यालयों के लिए जमीन भी चिह्नित कर ली गई है। शासन की ओर से पांच करोड़ रुपये का बजट प्रावधान होने के बाद इन विद्यालयों के निर्माण कार्य को गति मिलेगी। बजट जारी होने के बाद शासन निर्माण एजेंसी तय करेगा और निर्माण कार्य शुरू होंगे। आगे आवश्यकतानुसार बजट में और वृद्धि की जाएगी। परिषद की ओर से इन 16 विद्यालयों में कक्षा छह से 12 (प्रथमा से उत्तर मध्यमा) तक की पढ़ाई होगी। इन विद्यालयों में लगभग पांच-पांच बच्चों की प्रवेश क्षमता होगी।

## एक नज़र

### सिलक्यारा सुरंग बचाव कार्य: बेटे को मिली नई जिंदगी तो मां बोली, हमने फिर से मनाई दिवाली

**लखनऊ।** श्रावस्ती के एक श्रमिक संतोष कुमार की मां ने सिलक्यारा सुरंग से सुरक्षित निकाले गए अपने बेटे से फोन पर बात की और बचाव कार्य के लिए केंद्र सरकार का आभार जताया। उत्तरकाशी की सिलक्यारा सुरंग से 17वें दिन सुरक्षित निकाले गए श्रमिकों के घरों में मंगलवार रात दिवाली मनाई गई। बचाव कार्य के बाद सभी श्रमिकों को हेलीकॉप्टर से इलाज के लिए ऋषिकेश एम्स लाया गया है। इस दौरान उनकी परिजनों से बात करवाई गई। श्रावस्ती के एक श्रमिक संतोष कुमार की मां ने कहा कि हमारी संतोष से फोन पर बात हुई है, अभी वह अस्पताल में है। आज हमने दिवाली मनाई है। हम हम केंद्र सरकार और बचाव कर्मियों का धन्यवाद करते हैं।

**सभी श्रमिकों को एक-एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता का ऐलान**

सुरंग में 41 मजदूर 400 घंटे तक फंसे रहे। उत्तराखंड सरकार ने सभी मजदूरों को एक-एक लाख रुपये आर्थिक सहायता देने का ऐलान किया है।

**पीएम मोदी ने ने दी बधाई**

बचाव कार्य पूरा होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रमिकों से बात की और कहा कि इतने दिनों तक खतरे में रहने के बाद सुरक्षित बाहर आने पर मैं आपको बधाई देता हूं। यह मेरे लिए खुशी की बात है। मैं इसे शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकता। ईश्वर की कृपा है कि आप सभी सुरक्षित हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा जारी बातचीत के एक वीडियो के अनुसार, पीएम मोदी ने बचाए गए लोगों से कहा कि 17 दिन का कम समय नहीं है। आप सभी ने बहुत साहस दिखाया और एक-दूसरे को प्रोत्साहित किया। पीएम मोदी ने कहा कि वह ऑपरेशन के बारे में जानकारी लेते रहते थे और लगातार मुख्यमंत्री के संपर्क में थे।

### अनियंत्रित बाइक पलटी, तीन लोग घायल

**लखनऊ।** रायबरेली जिले के मिल एरिया थाने के अमावा गांव निवासी राजेन्द्र मौर्या, शैलेंद्र मौर्या व ज्ञानेन्द्र मौर्या एक बाइक से बुधवार को फुरसतगंज से घर जा रहे थे। रास्ते में इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी के पास अचानक सड़क पर आए मवेशी को बचाने के चक्कर में बाइक अनियंत्रित होकर पलट गई। दुर्घटना में तीनों गंभीर रुप से घायल हो गए। मौके पर पहुंचे लोगों ने तीनों को सीएचसी पहुंचाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने हालात नाजुक देखकर जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

### अस्पताल के आसपास निजी एंबुलेंस मिली तो होगी कार्रवाई, अनाधिकृत लोगों के प्रवेश पर भी लगेगी रोक

**लखनऊ।** प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में निजी एंबुलेंस के प्रवेश पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। सभी प्रभारी चिकित्साधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि परिसर के आसपास निजी एंबुलेंस मिलने पर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसी तरह अनाधिकृत व्यक्ति के परिसर में प्रवेश करने पर भी पाबंदी लगाई गई है। इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग के सचिव रंजन कुमार ने सभी मंडलीय निदेशकों, चिकित्सा अधीक्षकों, मुख्य चिकित्साधिकारी एवं सभी अस्पतालों के प्रभारी को निर्देश भेज दिया है। भेजे गए निर्देश में कहा गया है कि राजकीय चिकित्सालयों के प्रभारी चिकित्साधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि चिकित्सालय परिसर अथवा परिसर के निकट अवैध निजी एम्बुलेंस का प्रवेश नहीं होना चाहिए। इलाज के लिए आने वाले मरीजों को निजी चिकित्सालयों अथवा निजी एम्बुलेंस द्वारा किसी अन्य स्थानों पर ले जाने की घटना भी नहीं होनी चाहिए। ऐसे में राजकीय चिकित्सालयों के प्रभारी चिकित्साधिकारी यह सुनिश्चित करेंगे कि चिकित्सालय परिसर में चिकित्सालयों के तैनात स्टॉफ के अतिरिक्त कोई भी अनधिकृत व्यक्ति प्रवेश न करें। अस्पताल के सभी स्टाफ निर्धारित ड्रेस में रहें। सीएमओ सभी पीएचसी, सीएचसी के प्रभारियों से हर दिन वीडियो कांफ्रेसिंग करके स्थिति की जानकारी लेते रहेंगे।

### उपकरणों की भरमार, फिर भी मरीज लाचार

**लखनऊ।** कोविड कॉल में संयुक्त जिला अस्पताल के मैटरनिटी विंग को एल-2 हॉस्पिटल में तब्दील कर बड़े पैमाने पर जीवन रक्षक उपकरण खरीदे गए थे। इस प्रकोप समाप्त होने के बाद यह उपकरण बेकार पड़े हैं। एक ओर बड़ी संख्या में उपकरण अस्पताल के एक वार्ड में मौजूद हैं तो वहीं दूसरी ओर अस्पताल आने वाले मरीजों को संसाधन की कमी बताकर रेफर कर दिया जाता है। मार्च-2020 में कोविड का प्रकोप शुरू हुआ था। मरीजों की संख्या बढ़ी तो संयुक्त जिला चिकित्सालय के मेटर्निटी विंग को लेबल-2 कोविड अस्पताल में तब्दील कर दिया गया। कोविड अस्पताल में मरीजों के जीवन की रक्षा हो सके, इसके लिए शासन की ओर से पर्याप्त मात्रा में आधुनिक उपकरणों की खरीद हुई। उपकरण कोविड अस्पताल को मुहैया कराए गए। इस दौरान लेबल-2 अस्पताल में 50 बेडों पर पाइप लाइन से ऑक्सीजन आपूर्ति की व्यवस्था की गई। बड़ों के लिए 16 व बच्चों के लिए दो वेंटीलेटर लगाए गए। बड़ी मात्रा में आधुनिक संसाधनों से भी लैश कर दिया गया।

**केविड के बाद से वार्ड बंद पड़ा**

कोविड के दौरान इन संसाधनों का प्रयोग हुआ। इसके बाद से यह वार्ड बंद पड़ा था। पिछले दिनों शासन के निर्देश पर इसे डेंगू अस्पताल में तब्दील कर दिया गया। हालांकि, डेंगू के भी जिले में कंट्रोल रहने से इस अस्पताल के प्रयोग की नौबत कम ही आई। लोगों का मानना है कि यदि इस विंग को अन्य मरीजों के लिए खोल दिया जाए तो जिले की 22 लाख आबादी को आधुनिक स्वास्थ्य सुविधा आसानी से मिल सके, और उन्हें गंभीर अवस्था में दूसरे जिलों का चक्कर नहीं लगाना पड़े।

## पीपीएस से आईपीएस बने 25 अधिकारियों को मिली तैनाती

संवाददाता

**लखनऊ।** डीजीपी मुख्यालय में एडीजी कार्मिक राजा श्रीवास्तव द्वारा जारी किये गये आदेश के मुताबिक केस्को में तैनात प्रदीप कुमार को एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स में एसपी बनाया गया है। राम सुरेश को 27वीं वाहिनी पीएसी सीतापुर से विशेष सुरक्षा बल, मथुरा का सेनानायक बनाया गया है।

लंबे इंतजार के बाद पीपीएस से आईपीएस बने अधिकारियों को उनके पद के अनुरूप तैनाती प्रदान की गयी है। बता दें कि बीते सितंबर माह में 26 पीपीएस अधिकारियों को आईपीएस के पद पर प्रोन्नत किया गया था, जिनमें से 25 अधिकारियों को एसपी के पद पर बुधवार को तैनाती दी गयी है। डीजीपी मुख्यालय में एडीजी कार्मिक राजा श्रीवास्तव द्वारा जारी किये गये आदेश के मुताबिक केस्को में तैनात प्रदीप कुमार को एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स में एसपी बनाया गया है। राम सुरेश को 27वीं वाहिनी पीएसी सीतापुर से विशेष सुरक्षा बल, मथुरा का सेनानायक बनाया गया है। एटीसी सीतापुर में तैनात मोहम्मद तारिक को एसपी रूल्स एवं मैन्युअल बनाया गया है। विजिलेंस में एएसपी निधि सोनकर को यूपी 112 भेजा गया है। एटीएस में तैनात सुशील कुमार को मुरादाबाद की बीआर आंबेडकर अकादमी का एसपी बनाया गया है। मिर्जापुर स्थित 39वीं वाहिनी पीएसी में तैनात देवेंद्र भूषण को विशेष सुरक्षा बल, गोरखपुर का सेनानायक बनाया गया है। एएनटीएफ में तैनात आशुतोष द्विवेदी को प्रयागराज पुलिस कमिश्नरेट में पुलिस उपायुक्त बनाया गया है। सुल्तानपुर में तैनात विपुल कुमार श्रीवास्तव को झांसी में एसपी रेलवे बनाया गया है। प्रतापगढ़ में तैनात विद्या सागर मिश्रा और प्रयागराज कमिश्नरेट में तैनात रवि शंकर निम को गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट में पुलिस उपायुक्त बनाया गया है। गोरखपुर में एएसपी सुरक्षा घनश्याम को डीजीपी मुख्यालय में एसपी स्थापना (लीगल एंड पॉलिसी) बनाया गया है। एडीजी जोन गोरखपुर के स्टाफ आफिसर आनंद कुमार को विशेष सुरक्षा बल, लखनऊ का सेनानायक बनाया गया है। मैनपुरी में तैनात राजेश कुमार को भ्रष्टाचार निवारण संगठन में एसपी बनाया गया है। लखनऊ कमिश्नरेट में एएसपी साइबर क्राइम डॉ. महेंद्र पाल सिंह को एसपी एएनटीएफ (ऑपरेशन) और बसंत लाल को कानपुर में एसपी एलआईयू बनाया गया है। बाराबंकी में तैनात आशुतोष मिश्रा को पुलिस मुख्यालय में एसपी बनाया गया है। गौतमबुद्धनगर में तैनात डॉ. राजीव दीक्षित को मेरठ में एसपी ईओडब्ल्यू बनाया गया है। बहराइच में तैनात कुंवर ज्ञानंजय सिंह को गाजियाबाद कमिश्नरेट में पुलिस उपायुक्त बनाया गया है। गोरखपुर में तैनात अरुण कुमार सिंह को डीजीपी मुख्यालय में एसपी कानून-व्यवस्था बनाया गया है। एटा में तैनात विनोद कुमार पांडेय को वाराणसी में एसपी एलआईयू बनाया गया है। वाराणसी में तैनात नीरज कुमार पांडेय को अभिसूचना मुख्यालय में एसपी बनाया गया है। बुलंदशहर में तैनात सुरेंद्र नाथ तिवारी को सीबीसीआईडी, लखनऊ में एसपी बनाया गया है।

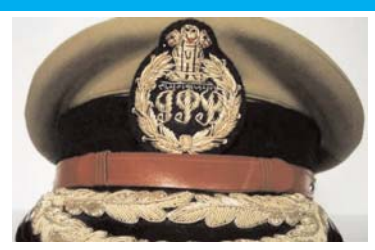

**इनको वर्तमान जगह पर तैनाती**

प्रशिक्षण मुख्यालय में तैनात हरगोविंद को उनकी तैनाती की जगह एसपी बनाया गया है। इसी तरह डीजीपी मुख्यालय में तैनात डॉ. दुर्गेश कुमार को डीजीपी का स्टाफ अफसर बना दिया गया है। अयोध्या में एएसपी सुरक्षा पंकज को एसपी बना दिया गया है। वह जनवरी 2024 तक अयोध्या में एसपी सुरक्षा के पद पर तैनात रहेंगे।

## अखिलेश यादव ने कहा, चार दिन के सत्र में अनुपूरक बजट लाने का क्या औचित्य

संवाददाता

**लखनऊ।** नेता विरोधी दल अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार में सिर्फ चार दिन के सत्र और विधानसभा में अनुपूरक बजट पेश करने की आलोचना करते हुए कहा कि यह सरकार जनता के सवाल उठाने पर रोक लगाना चाहती है। विपक्ष के सवालों से बचना चाहती है। उन्होंने कहा कि जब सरकार पिछले बजट की धनराशि ही खर्च नहीं कर पा रही है तो फिर अनुपूरक बजट लाने की क्या जरूरत थी। विधान भवन में पत्रकारों से रूबरू अखिलेश यादव ने कहा कि यह अजीब बात है कि समाजवादी पार्टी सन् 2017 से सरकार से बाहर है। जवाब इनको देना चाहिए पर आज भी यह सवाल समाजवादी पार्टी से कर रहे हैं। अखिलेश ने कहा पूरे उत्तर प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था खराब है चाहे वह जिला अस्पताल हो या पीएसी या सीएससी हो या फिर मेडिकल कॉलेज हो। सरकार जानबूझकर कर सरकारी अस्पतालों को खत्म कर रही है ताकि प्राइवेट नर्सिंग होम को बढ़ावा मिले। आरोप लगाया कि सरकार प्राइवेट अस्पतालों को बढ़ावा देना चाहती है।अखिलेश ने कहा कि अस्पतालों में दवाओं की कमी है। भाजपा के एक पूर्व सांसद अपने पौत्र को पीजीआई में इलाज के लिए लाये थे। पीजीआई में इलाज नहीं मिला। उन्होंने कहा आप राजधानी लखनऊ में कहीं चले जाइए। इमरजेंसी में आपको एडमिशन नहीं मिलेगा।

## बेकाबू ट्रक ने रोडवेज बस और फिर कार में मारी टक्कर, नौ घायल

संवाददाता

**लखनऊ।** रायबरेली शहर क्षेत्र में बुधवार की सुबह बेकाबू ट्रक ने पहले रोडवेज बस और फिर कार में जोरदार टक्कर मार दी। पैदल चल रहे लोगों को भी टक्कर मार दी। हादसे में नौ लोग घायल हो गए। टक्कर इतनी तेज थी कि बस पलट गई। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रायबरेली डिपो की बस सांगीपुर (प्रतापगढ़) से सवारियां लेकर परशदेपुर रोड होते हुए रायबरेली आ रही थी जबकि सरिया लदा ट्रक लखनऊ से प्रयागराज जा रहा था। लखनऊ-प्रतापगढ़ हाईवे पर सिविल लाइंस चौराहा के पास ट्रक ने रोडवेज बस में टक्कर मार दी। इससे बस पलट गई। बस के बाद ट्रक ने कार सवार और पैदल चल रहे लोगों को भी टक्कर मार दी। इससे अफरातफरी मच गई। सूचना पर एसडीएम सदर मिथलेश त्रिपाठी, सीओ अमित सिंह मौके पर पहुंचे। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे में कार और बस क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी ने बताया कि हादसे में मिल एरिया थाना क्षेत्र के राही गांव निवासी राजेश कुमार यादव (42), रामजीपुरम निवासी बृजेश बहादुर सिंह (55), गोरा बाजार निवासी हरदेव (50), गोरा बाजार की रहने वाली उर्मिला (45), तेलियाकोट निवासी मनोज सिंह (35), सुनील (35), गोरा बाजार निवासी हर्षित (21), बस्तेपुर निवासी संगमलाल मिश्रा (62), मध्य प्रदेश के शिवपुर जिले के कराल थाना क्षेत्र के गोरस निवासी रामनारायण (22) और प्रतापगढ़ जिले के अठेहा निवासी मनोज (32) गंभीर रूप से घायल हुए हैं। पूरे घटनाक्रम की जांच कराई जा रही है। बस पर पांच यात्री सवार थे। बाकी कार और पैदल चल रहे लोग घायल हुए हैं।

## डीएलएड प्रशिक्षुओं ने परखी बच्चों की शैक्षिक क्षमता

संवाददाता

**लखनऊ।** निपुण भारत मिशन के तहत बेसिक स्कूलों में बच्चों को निपुण किए जाने का काम चल रहा है। इसके लिए शिक्षकों, संकुल शिक्षकों के अलावा एआरपी (अकादमिक रिसोर्स पर्सन) को भी जिम्मेदारी सौंपी गई है। एआरपी एवं शिक्षक संकुल को आवंटित हुए स्कूल में कक्षा-तीन तक के विद्यार्थी निपुण हुए या नहीं, इसकी जानकारी के लिए डायट के डीएलएड प्रशिक्षु लगाए गए हैं। 29 नवंबर से 8 दिसंबर के बीच जिले के 1019 विद्यालयों में पहुंच कर निपुण लक्ष्य एप के माध्यम से आकलन करेंगे कि बच्चों का शैक्षिक स्तर क्या है। बता दें कि बच्चों के शैक्षिक रिपोर्ट से न केवल तुरंत अध्यापक व बच्चे भी अवगत होंगे, बल्कि बच्चों के शैक्षिक स्तर का पूरा डाटा सीधे परियोजना तक पहुंचेगा। गत माह निपुण असेसमेंट टेस्ट के जरिए भी विद्यार्थियों का ज्ञान परखा गया था।

### एप में टेक्निकल समस्या से प्रशिक्षु रहे परेशान

प्रशिक्षुओं के निपुण लक्ष्य एप में जिओ फेसिंग से लैस होने की वजह से विद्यालय पहुंचने पर एप द्वारा आकलन किया जा सकता था। प्रशिक्षुओं द्वारा शिकायत की गई कि विद्यालयों में होने के बाद भी लोकेशन सही न होना बता रहा है।

जिले में तैनात सभी एआरपी (एकेडमिक रिसोर्स पर्सन) को दस-दस स्कूल निपुण किए जाने के लिए लक्ष्य दिया गया था। अब लक्ष्य को लेकर पड़ताल शुरू हो गई है। विद्यालयों में पढ़ने वाले कक्षा एक से तीन तक के विद्यार्थी निपुण हुए या नहीं, इसकी पड़ताल के लिए ब्लॉकवार चयनित स्कूलों में 29 नवंबर से डायट के 58 डीएलएड प्रशिक्षुओं को भेजा जाएगा। स्मार्टफोन, टैबलेट के माध्यम से संबंधित स्कूल में नामांकित बच्चों के शैक्षिक स्तर का पता लगातार निपुण लक्ष्य एप पर विवरण अपलोड करेंगे। अमेठी और बहादुरपुर ब्लॉक के 116 स्कूलों में बच्चों का शैक्षिक आकलन किया। प्रशिक्षु की रिपोर्ट के आधार पर स्कूल व बच्चों को निपुण घोषित करते हुए कमजोर बच्चों को शिक्षित कर हिंदी व गणित में दक्ष बनाया जाएगा।

**सर्वे के बाद साफ होगी स्थिति**

डीएलएड प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षित कर संबंधित स्कूल में नामांकित बच्चों के शैक्षिक स्तर का पता लगातार निपुण लक्ष्य एप पर विवरण अपलोड करेंगे। अमेठी और बहादुरपुर ब्लॉक के 116 स्कूलों में बच्चों का शैक्षिक आकलन किया। प्रशिक्षु की रिपोर्ट के आधार पर स्कूल व बच्चों को निपुण घोषित करते हुए कमजोर बच्चों को शिक्षित कर हिंदी व गणित में दक्ष बनाया जाएगा।

**हिंदी विषय के आकलन में हुई परेशानी**

निपुण लक्ष्य एप की ओर आकलन करने पर हिंदी विषय के आकलन में प्रशिक्षुओं व शिक्षकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। बच्चे द्वारा निर्धारित समय में पढ़ने के बाद भी एप द्वारा निपुण न दिखाने की बात सामने आई।

**कंट्रोल रूम के जरिये समस्या समाधान**

प्रशिक्षुओं को आकलन में कोई व्यवहारिक व तकनीक दिक्कत न हो, इसके लिए डीसी प्रशिक्षण अभिनव पांडेय के नेतृत्व में एसआरजी व अन्य टीम ने आने वाली समस्याओं का समाधान देने का प्रयास कर रहे हैं।

आंकलन की जिम्मेदारी दी गई है। डीएलएड प्रशिक्षु की टीम स्कूलों का सर्वे करके रिपोर्ट देगें। रिपोर्ट के आधार पर स्कूल व बच्चों का निपुण घोषित किया जाएगा।

**- संजय कुमार तिवारी, बीएसए**

## डेंगू काबू में, सपा का काम अफवाहें फैलाना : उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक

संवाददाता

**लखनऊ।** डेंगू पूरी तरह से काबू में है। हमें डेंगू सहित सभी बीमारियों की गंभीरता का अंदाजा है। स्वास्थ्य महकमा प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को उच्च कोटि की चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध करा रहा है।

डेंगू पूरी तरह से काबू में है। हमें डेंगू सहित सभी बीमारियों की गंभीरता का अंदाजा है। स्वास्थ्य महकमा प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को उच्च कोटि की चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध करा रहा है। साल 2017 से पहले अस्पतालों की जो हालत थी, विपक्ष को उसकी तुलना आज की तस्वीर से करनी चाहिए। आज का न्यू उत्तर प्रदेश विकास के पथ पर अग्रसर है। बुधवार को विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सदन में कहा कि वर्ष 2017 से पहले किसी सरकार ने संचारी रोग अभियान को लेकर कोई कदम नहीं उठाया था। हमारी सरकार ने 13 विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर प्रदेश में साल भर में तीन बार व्यापक स्तर पर अभियान चलाकर बीमारियों पर काबू पाया। विपक्ष को प्रदेश की भौगोलिक स्थिति, संचारी रोग अभियान, विकास कार्यों की कोई जानकारी नहीं है।

**शोर मचाना सपा नेताओं के डीएनए में**

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि शोर मचाना और नियमों का उल्लंघन करना समाजवादी पार्टी के डीएनए में है। मच्छरनजित रोगों को पूरी तरह समाप्त करने के लिए हमारी सरकार काम कर रही है। कहा कि वे खुद प्रतिदिन 3-4 अस्पतालों का निरीक्षण करते हैं। विपक्ष पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि उनके मंत्री पांच साल में पांच अस्पताल नहीं पहुंच सके थे। यह लोग जनता को गुमराह कर हथियार के बल पर शासन चलाते थे। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आज भाजपा शासनकाल में प्रदेश में कानून का राज स्थापित है। पिछली सरकार में सपा के लोग अस्पतालों और चिकिसकों से वसूली करते थे। विपक्ष की पीड़ा बुखार-बीमारियां नहीं, गरीब जनता नहीं बल्कि सत्ता का लालच है। उन्होंने कहा कि राजकुमार को ये होश नहीं कि लोकतंत्र में जनता सर्वोपरि होती है।

**बड़े जिलों का रखते थे ध्यान**

सपा शासन में ब्लड सेपरेटर मशीन केवल बड़े जिलों में उपलब्ध होती थी। हमारी सरकार ने सभी जनपदों में ब्लड सेपरेटर मशीनें उपलब्ध कराई। सपा शासन में कुछ ही जिलों में डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध थी। भाजपा सरकार ने हर जिले में डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध कराई। समाजवादी पार्टी की सरकार में गोरखपुर में इंसेफेलाइटिस का कहर था। हमारी सरकार ने संचारी रोग अभियान चलाकर शत-प्रतिशत इस रोग पर काबू पाया।

**हर जिले में एलाइजा मशीन**

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि डेंगू की रोकथाम के लिए हमने प्रत्येक जिले में एलाइजा मशीन उपलब्ध कराई है। सर्विलांस पोर्टल के माध्यम से प्रत्येक डेंगू के केस को दर्ज कर मॉनिटरिंग की जा रही है। समाजवादी पार्टी के नेता अनर्गल प्रचार करके आम जनमानस के बीच अफवाहें फैलाने का काम करते हैं।

## राज्यपाल ने वापस किया गुण्डा नियंत्रण (संशोधन) विधेयक 2021, दोबारा पेश किया जाएगा

संवाददाता

**लखनऊ।** उप्र गुण्डा नियंत्रण (संशोधन) विधेयक 2021 को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने वापस कर दिया है। बुधवार को विधानसभा में राज्यपाल के संदेश सहित पुनर्विचार के लिए यह विधेयक प्राप्त हुआ, जिसे सदन के पटल पर रखा गया। सूत्रों के मुताबिक राज्य सरकार कुछ बदलावों के साथ नया विधेयक लेकर आएगी। बता दें कि प्रदेश में कमिश्नरेट की स्थापना के बाद राज्य सरकार ने उप्र गुण्डा नियंत्रण (संशोधन) विधेयक 2021 सदन में पेश किया था। दोनों सदनों से विधेयक पारित होने के बाद इसे राज्यपाल की अनुमति के लिए भेजा गया था, जिसे राजभवन द्वारा वापस कर दिया गया है। सूत्रों के मुताबिक पहली बार कमिश्नरेट का गठन होने पर गुण्डा एक्ट के तहत जिला बदर करने का अधिकार पुलिस कमिश्नर को दिया गया था। तत्पश्चात कुछ अन्य जिलों में भी कमिश्नरेट गठित हुआ, जिसके बाद कैबिनेट बाई सर्कुलेशन के जरिए इसमें संशोधन किया गया और गुण्डा एक्ट लगाने का अधिकार कमिश्नर के अधीनस्थ डीसीपी, एडीसीपी और जेसीपी को दे दिया गया। जबकि अपीलीय अधिकारी कमिश्नर को बना दिया गया। इस तरह कमिश्नर को गुण्डा एक्ट के तहत जिला बदर करने और अपीलीय अधिकारी होने की दोनों शक्तियां प्राप्त हो गयी, जो नियमों के मुताबिक उचित नहीं है। इसी वजह से राज्यपाल ने इस विधेयक को वापस कर दिया है। बता दें कि जिलों में गुण्डा एक्ट लगाने का अधिकार डीएम को होता है, जबकि अपील सुनने का अधिकार मंडलायुक्त के पास होता है।

# सम्पादकीय

## चिंता का सबब बनता नशे का फैलता जाल

मादक पदार्थों का सेवन मानवता के प्रति अब सबसे बड़े अपराध का रूप धारण कर चुका है। भारत में मादक पदार्थों के सेवन की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है। चिंता का विषय यह है कि यह प्रवृत्ति अब केवल शहरी क्षेत्रों तक सीमित नहीं है बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी नशे का जाल फैलता जा रहा है। ग्रामीण इलाकों में अफीम, चरस, गांजा, हेरोइन आदि के अलावा इंजेक्शन के जरिये लिए जाने वाले मादक पदार्थों का भी इस्तेमाल होने लगा है। रईसजादे युवक-युवतियों की रेव पार्टियां तो नशे का भयावह आधुनिक रूप है, जहां राजनीतिक संरक्षण के चलते प्रायः पुलिस भी हाथ डालने से बचती है। हालांकि कभी-कभार रेव पार्टियों पर छापा मारकर नशे में मदमस्त लड़के-लड़कियों को गिरफ्तार किया जाता रहा है, जिससे पता चलता रहा है कि देश का कोई भी महानगर ऐसा नहीं है, जहां ऐसी रेव पार्टियां रईसजादों की रोजमर्रा की जीवनशैली का हिस्सा न हों। रेव पार्टियां वास्तव में धनाढ्य बिगड़ैल युवाओं की नशे की पार्टियों का ही आधुनिक रूप हैं। कोकीन हो या अन्य ऐसे मादक पदार्थ, जिनमें गंध नहीं आती, रसूखदार परिवारों के बिगड़े युवाओं का मनपसंद नशा बनते जा रहे हैं। इस बात से बेखबर कि ये तमाम मादक पदार्थ सीधे शरीर के तंत्रिका तंत्र पर हमला करते हैं और शरीर को भयानक बीमारियों की सौगात देते हैं, ऐसे युवा चंद पलों के मजे के लिए इनके गुलाम बन जाते हैं। युवाओं को मादक पदार्थों के करीब लाने में इंटरनेट की भूमिका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत में नशीले पदार्थों का सेवन करने वालों में करीब चालीस फीसदी कॉलेज छात्र हैं, जिनमें लड़कियों की संख्या भी काफी ज्यादा है। देश के अनेक कॉलेजों में तो अब स्थिति यह है कि बहुत से कॉलेजों के अंदर ही आसानी से नशीले पदार्थ उपलब्ध हो जाते हैं। स्कूल-कॉलेजों के छात्र अक्सर अपने साथियों के कहने या दबाव डालने पर या फिर मॉडर्न दिखने की चाहत में इनका सेवन आरंभ करते हैं। कुछ युवक मादक पदार्थों से होने वाली अनुभूति को अनुभव करने के लिए, कुछ रोमांचक अनुभवों के लिए तो कुछ मानसिक तौर पर परेशानी अथवा हताशा की स्थिति में इनका सेवन शुरू करते हैं।

### नशे के तौर पर दवाओं का उपयोग

मानव जीवन की रक्षा के लिए बनाई जाने वाली कुछ दवाओं का उपयोग भी लोग अब नशा करने के लिए करने लगे हैं। देश में नशे के फैलते जाल का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि मादक पदार्थ न सिर्फ मानव शरीर को खोखला बनाते हैं बल्कि इनका उपयोग युवा पीढ़ी की क्षमताओं को नष्ट कर उनकी सृजनशीलता को भी मिटा रहा है तथा देश के सामाजिक व आर्थिक ढ़ांचे को पंगु बना रहा है। एक बार मादक पदार्थों की लत लग जाए तो व्यक्ति इनके बिना रह नहीं पाता। यही नहीं, उसे पहले जैसा नशे का प्रभाव पैदा करने के लिए और अधिक मात्रा में मादक पदार्थ लेने पड़ते हैं। इस तरह व्यक्ति इनका गुलाम बनकर रह जाता है। अधिकांश लोगों में गलत धारणाएं विद्यमान हैं कि मादक पदार्थों के सेवन से व्यक्ति की सृजनशीलता बढ़ती है। इससे व्यक्ति में सोच-विचार की क्षमता, एकाग्रता तथा यौन सुख बढ़ता है लेकिन वास्तविकता यही है कि नशे के शिकार लोगों की सोच-विचार की क्षमता और इसकी स्पष्टता खत्म हो जाती है तथा उनके कार्यों में भी कोई तालमेल नहीं रहता। इनके सेवन से कुछ समय के लिए संकोच की भावना जरूर मिट जाती है लेकिन अंततः इससे शरीर की सामान्य कार्यक्षमता में गिरावट आती है। दरअसल नशीली दवाएं या नशीले पदार्थ ऐसे रासायनिक पदार्थ हैं, जो हमारे शरीर की कार्यप्रणाली को बदल देते हैं।

### नशे के आदी होने पर होती हैं दिक्कतें

कोई भी रसायन, जो किसी व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक कार्यप्रणाली में बदलाव लाए, मादक पदार्थ कहलाता है और जब इन मादक पदार्थों का उपयोग किसी बीमारी के इलाज या बेहतर स्वास्थ्य के लिए दवा के तौर पर किया जाए तो यह मादक पदार्थों का सही उपयोग कहलाता है लेकिन जब इनका उपयोग दवा के रूप में न होकर इस प्रकार किया जाए कि इनसे व्यक्ति की शारीरिक या मानसिक कार्यप्रणाली को नुकसान पहुंचे तो इसे नशीली दवाओं का दुरुपयोग कहा जाता है। मादक पदार्थों के सेवन का आदी हो जाने पर व्यक्ति में प्रायः कुछ लक्षण प्रकट होते हैं, जिनमें खेलकूद और रोजमर्रा के कार्यों में दिलचस्पी न रहना, भूख कम लगना, वजन कम हो जाना, शरीर में कंपकंपी छूटना, आंखें लाल, सूजी हुई रहना, दिखाई कम देना, चक्कर आना, उल्टी आना, अत्यधिक पसीना आना, शरीर में दर्द, नींद न आना, चिड़चिड़ापन, सुस्ती, आलस्य, निराशा, गहरी चिन्ता इत्यादि प्रमुख हैं। सुई के जरिये मादक पदार्थ लेने वालों को एड्स का खतरा भी रहता है।

### भारत मादक द्रव्यों की तस्करी का सरल मार्ग

देशभर में नशे का व्यापार तेजी से फलने-फूलने के पीछे सबसे बड़ा कारण यही है कि नशे के सौदागरों के लिए मादक पदार्थों की तस्करी सोने का अंडे देने वाली मुर्गी साबित हो रही है। विश्व की कुल अर्थव्यवस्था का 15 फीसदी हिस्सा यही व्यापार रखता है। भारत से मादक पदार्थों की तस्करी अफगानिस्तान, पाकिस्तान, चीन, बर्मा, ईरान आदि देशों के जरिये होती रही है और अवसर मिलते ही ये मादक पदार्थ तस्करी के जरिये पश्चिमी देशों में पहुंचा दिए जाते हैं। हालांकि भारत इस अवैध व्यापार में तस्करों के लिए केवल एक पड़ाव का काम करता है लेकिन इसके दुष्प्रभावों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता क्योंकि इस अवैध व्यापार का तस्करी, आतंकवाद, शहरी क्षेत्र के संगठित अपराध तथा आर्थिक एवं व्यावसायिक अपराधों से काफी करीबी रिश्ता है। इंटरनेशनल नारकोटिक्स कंट्रोल बोर्ड की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भौगोलिक स्थिति के कारण भारत नशीली दवाओं की तस्करी के लिए सबसे अच्छा रास्ता बन गया है।

### कानून काफी मगर बच जाते हैं अपराधी

हालांकि नशे के अवैध व्यापार पर लगाम कसने के लिए हमारे यहां अन्य देशों के मुकाबले बहुत कड़े कानून हैं, फिर भी अपराधी अक्सर कानून की कुछ खामियों की वजह से बच निकलते हैं। यही कारण है कि मादक पदार्थों का अवैध व्यापार भारत में निरंतर फल-फूल रहा है। आज युवा पीढ़ी जिस कदर मादक पदार्थों के शिकंजे में फंस रही है, उसके मद्देनजर समाज का कर्तव्य है कि वह युवा वर्ग का मार्गदर्शन करते हुए उसे उचित मार्ग दिखलाए और गलत मार्ग पर चलने से रोके। ऐसे कार्यों को केवल सरकार के ही भरोसे छोड़ देना उचित नहीं, समाज को भी इस दिशा में ठोस पहल करनी होगी।

# विपरीत परिस्थितियों में साहसिक निर्णय लेने वाले नेता थे चन्द्र शेखर

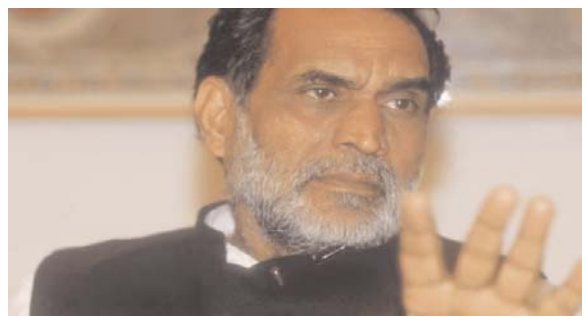

चंद्रशेखर जी की विपरीत परिस्थितियों में साहसिक निर्णय लेने की परख उस वक्त भी देखने में आई, जब प्रथम खाड़ी युद्ध शुरू हुआ और देश के सामने विदेशी मुद्रा का भारी संकट था। ऐसी विकट परिस्थिति आ गई थी कि जरूरी वस्तुओं के आयात के लिए भी विदेशी मुद्रा भंडार लगभग खत्म होने के कगार पर पहुंच गया था।

8 जुलाई को पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की पुण्यतिथि है। उनको याद करते हुए एक ऐसे राजनीतिक शख्सियत का चेहरा सामने आता हैं, जो बिना राजनीतिक नफा-नुकसान की परवाह किए, देशहित में दूरगामी परिणामों को ध्यान में रखते हुए देश के सामने अपनी बेबाक राय रखने के लिए जाने जाते हैं। यारों के यार तो वे थे ही, अपने निजी सरोकारों के निभाने में भी उनका कोई जबाब नहीं था। चंद्रशेखर जी की विपरीत परिस्थितियों में साहसिक निर्णय लेने की परख उस वक्त भी देखने में आई, जब प्रथम खाड़ी युद्ध शुरू हुआ और देश के सामने विदेशी मुद्रा का भारी संकट था। ऐसी विकट परिस्थिति आ गई थी कि जरूरी वस्तुओं के आयात के लिए भी विदेशी मुद्रा भंडार लगभग खत्म होने के कगार पर पहुंच गया था। जीवनरक्षक दवाओं के आयात के लिए भी एक हफ्ते का विदेशी मुद्रा शेष था। पेट्रोलियम पदार्थों के आयात के लिए भी विदेशी मुद्रा की लगभग वैसी ही स्थिति थी। तब केंद्र में चंद्रशेखर जी की अल्पसंख्यक सरकार कांग्रेस के सहयोग से चल रही थी। देश के सामने रिजर्व बैंक का सोना गिरवी रखकर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से **लोन** लेने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा था।

तत्कालीन आई एम एफ के चेयरमैन भारत पर कर्ज के एवज में मनमानी शर्तें थोपने पर आमादा थे। यह मानकर कि यह सरकार अल्पसंख्यक है और ज्यादा दिन चलेगी नहीं। आई एम एफ चेयरमैन ने बातचीत के सिलसिले में ही एक बार यहां तक हिदायत दे दिया कि, अगर हम कर्ज देने से मना कर दिए, तब आप क्या करेंगे? चन्द्रशेखर जी का सीधा जबाब था कि- एक तो शर्तों के मुताबिक आप ऐसा कर नहीं सकते, दूसरा अगर आप ऐसा करते हैं, तो मैं इस मीटिंग से उठकर सीधे आकाशवाणी (तब टीबी का नेटवर्क इतना बड़ा नहीं था) जाऊंगा और देशवासियों से अपील करूंगा कि आईएमएफ से कर्ज मिलने की संभावनाएं खत्म हो चुकी है। आप सभी देशवासियों से अपील करता हूं कि आप आने वाले कठिन समय का मुकाबला करने के लिए तैयार रहें। जब कभी बातचीत के दौरान चंद्रशेखर जी पूछा जाता था कि, देश का सोना गिरवी रखते हुए आपको यह नहीं लगता था कि इससे देश की बदनामी होगी? चंद्रशेखर जी का बेबाक जबाब होता था कि- आखिर अपने घर की बहू-बेटियों के लिए सोने के गहने-जेवरात किस लिए दान दिए जाते हैं? उसके पीछे असली मकसद यहीं होता है कि- किसी विपरीत परिस्थिति में वे अपना गहना-जेवर गिरवी रखकर अपना जीवन निर्वाह करें। महज श्रृंगार के लिए ही गहने-जेवर नहीं होते हैं। यह एक ठेठ गवई मन के सोच का ही नतीजा है, जो प्रधानमंत्री बनने के बाद भी चंद्रशेखर जी के पूरे व्यक्तित्व में आजीवन बरकरार रहा।

### चंद्रशेखर जी का याराना

चंद्रशेखर जी की यारबाजी भी राजनीति में खासा चर्चा में रहीं। वे बदनामी की परवाह किए बिना इन रिश्तों को निभाते थे। पूरे देश और दुनिया में इसकी लंबी फेहरिस्त हैं। इनमें अंतरराष्ट्रीय हथियार व्यवसायी अदनान खशोगी से लेकर चर्चित स्व चंद्रास्वामी और उनके ही जिले के कोयलांचल में बाहुबली विधायक रहे सूरजदेव सिंह तक शामिल हैं। उनके साथ अपने रिश्तों को सार्वजनिक तौर पर स्वीकार करने में भी उन्हें कभी गुरेज नहीं था। यही नहीं उनके राजनीतिक जीवन में दो-तीन बयानों की वजह से भी उनका खासा नुकसान हुआ, पर उसकी वे परवाह नहीं करते थे।

एक ऐसा ही वाकया है- जब इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्री काल में **ऑपरेशन ब्लू स्टार** के तहत सिखों के पवित्र धार्मिक स्थल अमृतसर के गुरुद्वारा साहिब में सेना भेजने का निर्णय लिया गया। चंद्रशेखर जी ने इंदिरा गांधी की सरकार के इस फैसले को दुर्भाग्यपूर्ण कहा। उस वक्त पंजाब में जिस तरह की आतंकवादी घटनाएं बढ़ रही थीं, उसके मद्देनजर इंदिरा गांधी की इस सैन्य करवाई को एक तरह से व्यापक जन समर्थन प्राप्त था। इस बयान की वजह से ही राजनीतिक रूप से जागरूक बलिया संसदीय क्षेत्र से चंद्रशेखर जी को चुनाव हारना पड़ा। पर उसका दुष्परिणाम यह भी हुआ कि **ऑपरेशन ब्लू स्टार** की घटना से आहत प्रधानमंत्री पद पर रहते हुए इंदिरा गाँधी को अपने अंगरक्षक सिख सिपाहियों ने उन्हें गोलियों से भून दिया। चंद्रशेखर जी के लिए कभी भी निजी रिश्तों के मामले में राजनीतिक विचारधारा उनके आड़े नहीं आई।भाजपा नेताओं में अटल बिहारी वाजपेयी से उनके निजी और प्रगाढ़ सम्बन्ध थे, तो शरद पवार और मुलायम सिंह यादव और लालू प्रसाद यादव से भी उनके वैसे ही सम्बन्ध रहे हैं। गाहेबगाहे चंद्रशेखर जी इनकी ऐसी मदद करते थे, जो कोई सोच भी नहीं सकता है। अटल बिहारी वाजपेयी को भले वे अपना गुरुदेव मानते थे, पर नीतिगत मामलों उनकी जोरदार तरीके से आलोचना करने में भी कभी संकोच नहीं करते थे। इसकी कई मिशालें लोकसभा में हुई तब की हुई बहसों में भी देखा जा सकता है।

### जब सोनिया गांधी मदद मांगने पहुंचीं

अटल बिहारी वाजपेयी सरकार से जयललिता के समर्थन वापसी के बाद सोनिया गांधी अपनी सरकार बनाने की गर्ज से मदद मांगने के लिए चंद्रशेखर जी के पास पहुंची। तब चंद्रशेखर जी विश्वासमत का सामना कर रही, वाजपेयी सरकार के खिलाफ **वोटिंग** के दौरान तटस्थ रहने का मन बना चुके थे। चंद्रशेखर जी वाजपेयी सरकार के उदारीकरण-निजीकरण और वैश्विकीकरण के नीतियों के मुखर आलोचक थे। इन नीतियों के विरोध करने के लिए चंद्रशेखर को संघ के स्वदेशी जागरण मंच पर जाने में भी कोई गुरेज नहीं था। पर वे अपनी इस समझ पर भी कायम रहें कि भाजपा कोई स्वतंत्र राजनीतिक दल नहीं, बल्कि संघ की एक राजनीतिक ईकाई मात्र है। वाजपेयी सरकार आर्थिक नीतिगत मामलों पर उन नीतियों को बड़ी तत्परता से लागू कर रही थी, जिसे नरसिम्हा राव-मनमोहन सिंह ने आगे बढ़ाया था। चंद्रशेखर जी ने कांग्रेस-भाजपा की उन नीतियों का कभी समर्थन नहीं किया, इसलिए वे ऐसी परिस्थिति में कांग्रेस को भी समर्थन नहीं कर सकते थे। पर उनके सामने दुविधा यह थी कि अपने दरवाजे आई विधवा और कांग्रेस की प्रमुख नेता सोनिया गांधी को समर्थन देने से मना कैसे करें?

दूसरे दिन वे सोनिया गांधी के घर गए और उन्हें बताया कि क्यों उनकी सरकार बनाने में वे मदद नहीं कर सकते है। चंद्रशेखर जी के इस मनाही से यह सबक सीखा जा सकता है कि अपने दरवाजे पर मदद मांगने के लिए आए अपने दुश्मन को भी कभी **ना** नहीं करना चाहिए।

### मौजूदा परिदृश्य में चंद्रशेखर जी

आज मुलायम सिंह यादव और लालू प्रसाद यादव भले रिश्तेदार हैं। पर इन दोनों प्रतिष्ठित परिवारों के बीच राजनीतिक वजहों से कभी वह घनिष्ठता नहीं आई जिसको निभाने के लिए चंद्रशेखर जी कुख्यात होने तक की जोखिम उठाने से परहेज नहीं करते थे। लालू जी बीमार हैं, चारा घोटाला मामले में अभी जमानत पर भी हैं। आप कल्पना करें कि चंद्रशेखर जी इस वक्त होते तो क्या करते?

पहला काम तो वे खुद कई बार जेल जाकर लालू जी से मिलते। दूसरा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कहते कि लालूजी को देश-विदेश जहां कहीं बेहतर स्वास्थ्य सुबिधा उपलब्ध हो, उसकी व्यवस्था करें। पर अभी तक मुलायम सिंह के पारिवारी जनों में से किसी की लालूजी से मिलने की सूचना नहीं है। हालांकि मुलायम सिंह इस वक्त खुद भी अस्वस्थ है। जब वे स्वस्थ थे, तब एक सांसद ने उन्हें सलाह दी थी कि लालू जी से इस वक्त जेल में जाकर आपको मिलना चाहिए। तब मुलायम सिंह ने लालू प्रसाद से मिलने से मना कर दिया था। शायद मुलायम सिंह जी को इस बात का मलाल

# राम कृपा से मिला पहला ब्रेक

### साधु संतों का आशीर्वाद

मशहूर संगीतकार और अपनी गायकी से हर किसी का दिल जीतने वाले कैलाश खेर का आज जन्मदिन है। आज लगभग हर कोई कैलाश खेर के गाने सुनता है और उनके कई गानों ने तो जमकर धूम मचाई। 7 जुलाई 1973 को उत्तर प्रदेश के मेरठ शहर में मेरा जन्म हुआ। एक तरह से संगीत विरासत में मिला। मेरे पिता मेहर सिंह खेर गांव में पूजा पाठ करवाते थे और मंदिरों में भजन गाया करते थे। ब्राह्मण परिवार में पैदा हुआ तो बचपन से ही यज्ञ हवन और पूजा पाठ देखता आया हूं। मेरे पिता जी मंदिरों में भजन कीर्तन गाया करते थे। संगीत मैंने बचपन में उन्हीं से सीखा। उन दिनों फिल्मी गीत क्या होता था, मुझे पता ही नहीं था क्योंकि कभी फिल्मी गाने सुने ही नहीं। बचपन में गुरुकुल में रहा। शुरू से ही आध्यात्मिक माहौल में पला बढ़ा हूं। पत्राचार माध्यम से पढ़ाई की। संगीत भारती, गंधर्व महाविद्यालय का भी छात्र रहा लेकिन मेरा मानना है कि संगीत एक ऐसी चीज है जो आपको कोई भी संस्थान नहीं सिखा सकता। संगीत जन्म से आता है, बस आपको उसे पालना पोसना आना चाहिए।

दिल्ली में एक पारिवारिक मित्र मंजीत सिंह रहते थे। उनका एक्सपोर्ट और इंपोर्ट का बिजनेस था। उनके साथ अपना बिजनेस शुरू किया, जिससे काफी नुकसान हुआ। उन दिनों मैं डिप्रेशन में भी चला गया। जिंदगी से तंग आकर सुसाइड करना चाहता था। इन सब से किसी तरह से निकलने के बाद पैसे कमाने सिंगापुर और थाईलैंड भी गया। मन नहीं लगा तो छह महीने में वापस भी लौट आया। इस बार सीधे ऋषिकेश गया। यहां साधु-संतों संग संगत जमी। खूब गाना बजाना होने लगा। अपने मुंह कहना बड़ी बात होगी लेकिन मेरे गाने को सुनकर बड़ा से बड़ा संत झूम उठता था। सबने आशीर्वाद दिया कि एक दिन मेरा सितारा जरूर बुलंद होगा। कोई आपके काम की तारीफ कर दे, इससे बढ़िया हौसला अफजाई दुनिया में दूसरी नहीं है। बस इसी हौसले को लेकर मैं मुंबई चला आया।

### मुंबई का पहला झटका

ये बात ठीक 20 साल पहले की है। ऋषिकेश से मैं यहां विले पार्ले स्थित एक संन्यास आश्रम का पता लेकर निकला था। ऋषिकेश के एक महामंडलेश्वर स्वामी ने ये पता दिया था तो मैं तो फुल कॉन्फिडेंस में था कि मुंबई में पैर रखने की जगह मिल गई फिर तो सब कुछ हो ही जाएगा। यहां आकर महामंडलेश्वर स्वामी विश्वेश्वर आनंद से मिला तो उन्होंने मेरे सपनों को हकीकत की जमीन पर ला दिया। बोले- यहां तो रुकने की व्यवस्था नहीं हो पाएगी। अब मुंबई में रहने की जगह तलाशना भी कम संघर्ष नहीं है। वह भी तब जब जेब में ज्यादा पैसे न हों। एक सस्ते से लॉज में 50 रुपये प्रतिदिन पर रहना शुरू किया। आप समझ सकते हैं संघर्ष के दिनों में 50 रुपये क्या मायने रखते हैं, वह भी 20 साल पहले।

### राम कृपा से राम ने दिया पहला ब्रेक

मुंबई मायानगरी है। इसलिए भी क्योंकि यहां बिना मेहनत के किसी को कुछ नहीं मिलता और मेहनत अगर आपने छोड़ी नहीं तो कामयाबी मिलनी पक्की है। मैंने भी यहां दिन रात खूब मेहनत की। खूब साउंड स्टूडियोज के चक्कर काटे। लेकिन आप मानेंगे नहीं ये उन दिनों की बात है जब कोई भी संगीतकार मुझसे मिलने तक को तैयार नहीं होता था। लेकिन प्रभु राम की कृपा हुई और मेरी मुलाकात संगीतकार राम संपत से हो गई। उन्होंने मुझे यहां पहला ब्रेक एक विज्ञापन गीत गाने के लिए दिया। पहली कमाई मिली पांच हजार रुपये। मेरे लिए तो यही बहुत बड़ी रकम थी। चेहरे पर पहली बार चिंता की रेखाएं कुछ कम हुई। माता पिता का आशीर्वाद अब जाकर फलीभूत होना शुरू हुआ। इसके बाद विज्ञापन गीतों (ऐड जिंगल्स) की लाइन ही लग गई।

### अल्लाह के बंदे ने दिलाई पहली बड़ी शोहरत

मुंबई में धीरे-धीरे मेरी आवाज को लोग पहचानने लगे थे। बात साल 2003 की है। संगीतकार विशाल शेखर फिल्म **वैसा भी होता है** के लिए संगीत दे रहे थे। विशाल का फोन आया तो मैंने पहले यही समझा कि विशाल भारद्वाज ने फोन किया है। खैर हम मिले। विशाल शेखर ने मुझसे **अल्लाह के बंदे** गीत गवाया। फिल्म तो नहीं चली लेकिन अकेले इस गाने ने घर-घर पहचान बना दी। इसके बाद **स्वदेस** का गाना 'यूं ही चला चल हो' या **मंगल पांडे** का गाना 'मंगल मंगल हो' सबने मेरी मदद की और सिलसिला चल निकला। इन दोनों फिल्मों में गुणी संगीतकार ए आर रहमान ने मेरी आवाज के साथ कामयाब प्रयोग किए। रहमान साहब की मां करीमा बेगम मुझे अपना छोटा बेटा मानती थीं। मैं जब भी उनके घर जाता वह अपने हाथ से खाना बनाकर खिलाती थीं।

### पहला सोलो अलबम 'कैलासा'

थोड़ा पीछे जाकर अगर अपने संघर्ष के दिनों की कुछ बातें साझा करना चाहूं तो मेरा पहला अलबम साल 2006 में सोनी म्यूजिक कंपनी ने **कैलासा** रिलीज किया। मैंने अपने संघर्ष के दिनों में कई म्यूजिक अलबम बनाए लेकिन उस समय कोई भी म्यूजिक कंपनी मेरे अलबम को रिलीज नहीं करना चाह रही था। और जैसे ही गाने हिट हुए तो यही कंपनियां मुझे बुला बुलाकर गाने देने लगीं। गाने के वीडियो में भी मैं दिखा और मेरा

# दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बीजेपी

## बीजेपीआखिर मुस्लिमों के लिए बड़ा दिल दिखाते हुए उन्हें टिकट क्यों नहीं देती?

जहां तक संसद में भाजपा का एक भी सदस्य ना होने की बात है तो संसद में भाजपा के मुस्लिम सदस्यों की मौजूदगी हमेशा बेहद कम ही रही है। नकवी तीन बार राज्यसभा के सदस्य रहे जबकि एक बार वह रामपुर से चुनाव जीतकर लोकसभा भी पहुंचे। भाजपा भले दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी हो लेकिन इसके बारे में कुछ लोग प्रचारित करते हैं कि यह मुस्लिमों के खिलाफ रहती है। भाजपा के विरोधी यह भी कहते हैं कि भगवा पार्टी मुसलमानों को चुनाव में टिकट नहीं देती और उन्हें मंत्री भी नहीं बनाती। यह आरोप तब और लगाये जाने लगे जब भाजपा के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी को केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा देना पड़ा। देखा जाये तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आठ साल के अब तक के कार्यकाल में यह पहला मौका है, जब मुस्लिम समुदाय से ताल्लुक रखने वाला एक भी सदस्य उनकी मंत्रिपरिषद का हिस्सा नहीं है। यही नहीं, संसद के दोनों सदनों में भाजपा के 395 सदस्य हैं लेकिन इनमें से एक भी सदस्य मुस्लिम समुदाय का नहीं है।

जहां तक नकवी के केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफे की बात है तो हम आपको बता दें कि पिछले महीने 15 राज्यों की 57 राज्यसभा सीटों पर चुनाव हुआ था। जिन 57 सदस्यों का राज्यसभा में कार्यकाल खत्म हो रहा था उनमें नकवी के अलावा भाजपा सांसद एमजे अकबर और सैयद जफर इस्लाम भी शामिल थे। भाजपा ने इन तीनों ही मुस्लिम नेताओं को दोबारा राज्यसभा का उम्मीदवार नहीं बनाया। हम आपको याद दिला दें कि वर्ष 2014 का लोकसभा चुनाव जीतने के बाद मोदी जब पहली बार प्रधानमंत्री बने थे तो उनकी मंत्रिपरिषद में मुस्लिम समुदाय के प्रतिनिधि के तौर पर नजमा हेपतुल्लाह और मुख्तार अब्बास नकवी को शामिल किया गया था। नजमा हेपतुल्लाह को अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय का कैबिनेट मंत्री और नकवी को राज्यमंत्री बनाया गया था। 2016 में जब नजमा हेपतुल्लाह को मणिपुर का राज्यपाल बनाया गया तब नकवी को पदोन्नत कर कैबिनेट मंत्री बनाया गया था। वर्ष 2016 में ही मध्य प्रदेश से राज्यसभा के सदस्य एमजे अकबर को विदेश मंत्रालय में राज्यमंत्री बनाया गया था। हालांकि एक महिला पत्रकार द्वारा लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों के बाद उन्हें मंत्रिपरिषद से इस्तीफा देना पड़ा था। मोदी के नेतृत्व वाली सरकार में वह पहले मंत्री थे जिन्हें इस प्रकार पद छोड़ना पड़ा। एमजे अकबर के इस्तीफे के बाद नकवी ही अभी तक केंद्रीय मंत्रिपरिषद में मुस्लिम समुदाय के प्रतिनिधि थे।

उधर, जहां तक संसद में भाजपा का एक भी सदस्य ना होने की बात है तो संसद में भाजपा के मुस्लिम सदस्यों की मौजूदगी हमेशा बेहद कम ही रही है। अब लंबे अरसे बाद ऐसा हो रहा है कि संसद में भाजपा का कोई मुस्लिम सदस्य नहीं होगा। भाजपा के मुस्लिम नेताओं की बात करें तो नकवी तीन बार राज्यसभा के सदस्य रहे जबकि एक बार वह रामपुर से चुनाव जीतकर लोकसभा भी पहुंचे। नजमा हेपतुल्लाह दो बार राज्यसभा की सदस्य बनीं। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की मंत्रिपरिषद के सदस्य रहे शाहनवाज हुसैन दो बार लोकसभा के सदस्य चुने गए। पहली बार उन्होंने किशनगंज से जीत दर्ज की और दूसरी बार वह भागलपुर से चुनाव जीतकर लोकसभा के सदस्य बने। वह फिलहाल, बिहार सरकार में उद्योग मंत्री हैं। भाजपा के संस्थापक सदस्य रहे सिकंदर बख्त भी दो बार राज्यसभा के सदस्य रहे। वह अटलजी की सरकार में कैबिनेट मंत्री थे। बाद में उन्हें केरल का राज्यपाल बनाया गया था। वह भाजपा के पहले तीन महासचिवों में से एक थे। राज्यों की भाजपा सरकारों में मुस्लिम मंत्रियों की बात करें तो बिहार में जहां शाहनवाज हुसैन मंत्री हैं, वहीं उत्तर प्रदेश में दानिश आजाद अंसारी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंत्रिपरिषद में राज्य मंत्री हैं। योगी सरकार के पिछले कार्यकाल में राज्यमंत्री रहे मोहसिन रजा को इस बार दोबारा मौका नहीं मिला। इसके अलावा वर्तमान में केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान भी भाजपा के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ चुके हैं। हम आपको याद दिला दें कि इस साल के शुरू में जब उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव हो रहे थे तब भाजपा ने एक भी मुस्लिम उम्मीदवार नहीं उतारा था। इस बारे में जब केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से सवाल पूछा गया कि भाजपा का मुसलमानों के साथ क्या रिश्ता है तो उन्होंने कहा था कि सरकार और एक जिम्मेदार राजनीतिक दल के नाते उसका जो रिश्ता होना चाहिए वही रिश्ता है। उन्होंने कहा था कि चुनाव जीतने के बाद अगर उनके कल्याण में कोई भेदभाव हो तो आरोप लगाया जा सकता है। देखा जाये तो भाजपा ने सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास के मूलमंत्र पर आगे बढ़ते हुए सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अल्पसंख्यक वर्ग तक तेजी से पहुँचाया है और मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक के अभिशाप से मुक्ति दिलायी है, इसीलिए इस समुदाय के वोट उसे लगातार मिल रहे हैं। हाल ही में उत्तर प्रदेश के रामपुर और आजमगढ़ संसदीय सीटों के उपचुनाव में भी भाजपा की जीत हुई जबकि यह दोनों सीटें अल्पसंख्यक बहुल हैं। भाजपा लगातार यह साबित करने में जुटी है कि मुस्लिमों का कल्याण सिर्फ चुनावों में टिकट देकर, इफ्तार की दावत करके या तुष्टिकरण करके नहीं बल्कि योजनाओं का लाभ उन तक पहुँचाने से होगा। बहरहाल, यह सही है कि राजनीति में सभी वर्गों की पर्याप्त भागीदारी होनी चाहिए लेकिन यह भी गलत है कि किसी सांसद को जाति या धर्म के चश्मे से देखा जाये। संसद के सदस्य जनता के प्रतिनिधि होते हैं ना कि किसी धर्म विशेष के।

# जिला विज्ञान क्लब,लखीमपुर खीरी के तत्वावधान में प्रतियोगिता आयोजित

# युवाओं ने चुनाव में होने वाले अपव्यय को रोकने की बताई जरूरत

❖ प्रभारी डीएम के अध्यक्षता में जनपदीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता का हुआ आयोजन।
❖ प्रदर्शनी में छात्रों ने दिखाई अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा, डीएम ने किया शुभारंभ।

संवाददाता

**लखीमपुर खीरी।** विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद उप्र द्वारा विद्यार्थियों में विज्ञान के अति अभिरूचि उत्पन्न करने के प्रयास के तहत जिला विज्ञान क्लब के तत्वावधान में सनातन धर्म सरस्वती विद्या मंदिर बालिका इण्टर कॉलेज में जनपदीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इस प्रतियोगिता में नवीन नवाचारी विषयों जैसे ड्रोन तकनीकी, रोबोटिक्स, नैनो तकनीक हाइड्रोजन फ्यूल, आर्टीफिशियल इन्टेलीजेन्स (ढ्ढ) स्पेस टेक्नोलोजी जैसे विषय परिषद द्वारा निर्धारित किये गये। तत्क्रम में जनपद के विभिन्न अँचलों से आये बाल वैज्ञानिकों ने अपनी वैज्ञानिक अभिरूचि व नवाचारी मॉडल का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि प्र. डीएम अनिल कुमार सिंह ने बाल वैज्ञानिकों को शुभाशीष देते हुये कहा कि आप भविष्य के आधार हो। उन्होंने सभी मॉडलों का अवलोकन किया और सभी बाल विज्ञानियों को विज्ञान के क्षेत्र में नित नवीन प्रयोग5 करते रहनेके लिए प्रेरित किया उन्होंने विज्ञान के मूल भूत सिधान्तो को अमल में लाने पर जोर दिया । कहा कि विज्ञान को रूचि के साथ पढ़े। वैज्ञानिक सोच को विकसित करने का प्रयास करें। आसपास व दुनिया में हो रहे बदलाव विज्ञान की ही देन है। उन्होंने छात्र छात्राओं से कहा कि सभी छात्र विज्ञान के क्षेत्र में बढ़ने के लिए तीन सवालों की खोज में लगे रहे, कैसे, क्या और क्यों। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डा प्रदीप कुमार विसेन वैज्ञानिक अधिकारी कृषि विज्ञान केंद्र थे। उन्होंने सभी छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुये कहा कि आप नवीन नवाचारों प्रयोग करते रहें। निर्णायक मंडल के सदस्य डा. जेएन सेठ,अवकाश प्राप्त प्रोफेसर सत्येन्द्र पाल सिंह,सहायक प्रोफेसर युवराज दत्त महाविद्यालय ,सुमित शुक्ला प्रवक्त डाइट खीरी व सुरेश कुमार पटेल प्रवक्ता राजकीय पॉलीटेक्निक रहे। जिन्होंने अपने नीर-क्षीर विवेक का परिचय देते हुये परिणाम घोषित किये। प्रतियोगिता में प्रथम ~विशेष वर्मा ~वायरलेस डाटा ट्रांसमिशन , एलपीएस लखीमपुर। द्वितीय - शशांक शुक्ला, स्मार्ट लॉक, कृषक समाज इंटर कॉलेज गोला। तृतीय- रूपक वर्मा, सोलर ट्रेकिंग सिस्टम, पं दीन दयाल उपाध्याय यूपी बोर्ड सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज। सांत्वना ~ लक्ष्य गुप्ता,-ढ्ढ. क्क्कुह्यद्गस्र स्रश्चस्द्गद्य÷, पं दीन दयाल उपाध्याय सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज (सीबीएसई) और शुभि दीक्षित हाइड्रोजन फ्यूल सरस्वती बालिका इण्टर कालेज रहे। प्रथम पुरस्कार प्राप्त प्रतिभागी को नकद 5000, द्वितीय व तृतीय को क्रमश~ 3000 व 2000 रु सांत्वना पुरस्कार क्रमश 1000, 1000 रुपये मुख्य / विशिष्ट अतिथि ने पुरस्कृत किया। प्रबंध समिति की सदस्या श्रीमती नूतन गुप्ता जी ने भी अपने पास से सभी विजयी प्रतिभागियों को नकद धनराशि देकर पुरस्कार किया। पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ महेंद्र प्रताप सिंह व विशिष्ट अतिथि वैज्ञानिक प्रदीप कुमार बिसेन रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्या शिप्रा बाजपेई ने की। जिला विद्यालय निरीक्षक लखीमपुर खीरी डॉ महेंद्र प्रताप सिंह ने जनपद के विभिन्न अंचलों से आए सभी प्रतिभागियों को शुभाशीष दिया वह विज्ञान के क्षेत्र में सतत रूप से प्रयास करके देश को5 आगे से आगे बढ़ाने के लिए आशीर्वाद दिया जनपदीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता में जनपद से चयनित 15 सर्वश्रेष्ठ विज्ञान मॉडल मण्डल स्तर पर माह दिसंबर में लखनऊ में प्रतिभाग करेंगे। मण्डल से चयनित मॉडल राज्य स्तर पर प्रतिभाग करेंगे। राज्य स्तर परत सर्वश्रेष्ठ चयनित मॉडल को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् उप्र द्वारा रु0 50,000 का नकद पुरस्कार दिया जायेगा। जिला समन्वयक (विज्ञान क्लब) सुनील कुमार मिश्र ने बताया कि के जनपदीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिताग में वायरलेस द्वारा होस्मिशन, स्मार्ट लोक, सोलर ट्रेकिंग सिस्टम आर्टिफिशयल इन्टेलिजेन्स, हाइड्रोजन फ्यूल इलेकट्रिक वेहिकल, इलेक्डोप्लेटिंग चार्जिंग स्टेशन, ड्रोन तकनीकी आदि विषयों पर जनपद के विभिन्न अंचल से नवाचाएँ मॉडल ने प्रतिभाग किया। सुनील कुमार मिश्र, समन्वयक जिला विज्ञान क्लब, खीरी।

## एक नज़र

### बदायूं के कस्वा उझनी के राजा ने जनपद का नाम रोशन किया

**संवाददाता, बदायूं।** बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट नोएडा में होने वाले इंटरनेशनल स्टंट शो में टीम एल एस टी के राजा, सूरज शेखर ने प्रतिभाग किया और जीत अर्जित की प्रतिस्पर्धा में अनेकों जनपद के प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया लेकिन बदायूं के युवा राजा सूरज शेखर ने बेहतरीन प्रदर्शन किया।

### थाना बिनावर एस एच ओ ने चलाया वाहन चेकिंग अभियान

**संवाददाता, बदायूं।** वाहन चेकिंग अभियान के तहत बिनावर थाना क्षेत्र में मलगांव फाटक पर दिन मंगलवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. ओपी सिंह के दिशा निर्देशों का पालन करते हुए बिनावर एस एच ओ अरविंद कुमार ने पुलिस बल के साथ जबरदस्त सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान दो पहिया वाहनों की डिक्की व हेलमेट समेत अन्य कागजात की सघन जांच की गयी। इस क्रम में उन्होंने वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग करने के साथ-साथ ड्राइवरी लाइसेंस, व आवश्यक कागजात रखने की अपील किया। जबकि चार पहिया वाहन चालकों को भी सीट बेल्ट पहन ने की हिदायत दिया।

### राष्ट्रीय लोक अदालत में पारिवारिक मामलों के वादों के निस्तारण के लिए हुई जागरूकता बैठक

संवाददाता

**उरई जालौन।** उच्च न्यायालय इलाहाबाद हाईकोर्ट के हाईकोर्ट के दिशा निर्देश पर राष्ट्रीय लोक अदालत समिति की बैठक मंगलबार को प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय मनोज कुमार गौतम के विश्राम कक्ष में हुई जिसमें राष्ट्रीय लोक अदालत में वादों को सुलह समझौता कराकर निस्तारण के लिए जागरूकता बैठक संपन्न हुई। अपर प्रधान न्यायाधीश अमृता शुक्ला ने बताया कि 9 दिसंबर को होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में पारिवारिक मामलों के वादों एवं प्री लिटिगेशन वादों को चिन्हित करते हुए अधिक से अधिक मामलों में समझौता कराए जाने एवं जन जागरूकता पैदा करने के लिए बैठक संपन्न हुई बैठक में प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय मनोज कुमार सिंह गौतम अपर प्रधान न्यायाधीश अमृता शुक्ला अनुश्रवण राष्ट्रीय लोक अदालत समिति के सदस्य केके प्रजापति परामर्शदाता सुलेखा मंजू सेंगर सहित अन्य लोग मौजूद रहे!

### उत्तराखंड में मशीनें नहीं आई काम, बुंदेली चूहा सुरंग खोदाई पद्धति ने बचाई मजदूरों की जान

**झांसी।** उत्तराखंड के सिलक्यारा में सुरंग में 17 दिन से फंसे 41 मजदूरों को बाहर लाने में बुंदेली चूहा सुरंग खोदाई पद्धति कारगर साबित हुई। झांसी के जांबाजों ने विरासत में मिली इस पद्धति (रैट माइनिंग) का ऐसा जौहर दिखाया कि 21 घंटे में हाथ से ही 15 मीटर तक सुरंग खोद डाली। जबकि सुरंग को खोदने में बड़ी-बड़ी मशीनें पूरी तरह फेल हो गईं। अभियान के बाद अब बुंदेलखंड की चूहा सुरंग खोदाई पद्धति एक बार फिर चर्चा में है। बुंदेलखंड में सुरंग खोदाई की यह तकनीक डेढ़ हजार साल से भी ज्यादा पुरानी है।

**झांसी और कालिंजर किला है चूहा पद्धति का गवाह**

मजदूरों की जान बचाने वाली चूहा सुरंग खोदाई पद्धति मशीनरी के आने के बाद भले ही विलुप्त हो गई। झांसी और कालिंजर का किला इस बात का गवाह है कि यह तकनीक दुनिया को बुंदेलखंड से ही मिली है। इतिहासविद डॉ. चित्रगुप्त बताते हैं कि 1500 साल से भी पहले से यहां के किलों में चूहा पद्धति से बनाई गई सुरंग मौजूद हैं।

**मंदिरों में खोदी जाती थीं सुरंग**

इतिहास और पुरातत्वविद चित्रगुप्त बताते हैं कि भारत और खासकर बुंदेलखंड में लोगों की धार्मिक आस्थाएं बहुत ही प्रबल होती हैं। यही कारण है कि मंदिर जैसे पवित्र स्थान पर कोई भी काम ऐसा नहीं किया जाता था, जिसमें पैर का इस्तेमाल होता हो। झांसी सहित पूरे बुंदेलखंड में मंदिरों के अंदर सुरंग बनाई गई थीं। इनको हाथ से बनाया गया था। जिसे चूहा खोदाई पद्धति कहा जाता है। बुंदेलखंड के पवा जैन मंदिर, करगुवां जैन मंदिर, कुंडलपुर जैन मंदिर समेत कई अन्य मंदिर सुरंग में ही थे।

**ऐसे हुआ बुंदेलखंड में चूहा सुरंग खोदाई पद्धति का उदय**

इतिहासकारों का कहना है कि बुंदेलखंड में चूहा सुरंग खोदाई पद्धति इसलिए प्रचलित थी क्योंकि, यहां दोमट् मिट्टी पाई जाती है। साथ ही काली मिट्टी और लाल मिट्टी भी अच्छी खासी मात्रा में है। ऐसे में हाथ से खुदाई का प्रचलन आम हो गया। आधुनिक दौर में फावड़ा, कुदाल, सब्बल जैसे औजार इस्तेमाल होने लगे हैं। लेकिन, इससे पहले कुशल चूहा सुरंग खोदाई पद्धति कारीगर अंगुलियों से ही सुरंग का निर्माण करते रहे हैं।

## सफाई के नाम पर अपनी बदहाली पर आसू बहाता वार्ड नंबर 22

द अचीवर टाइम्स मुकेश राजपूत

**उन्नाव।** नगर पालिका परिषद उन्नाव जहां एक तरफ लाखों करोड़ों रुपए खर्च कर एवं सैकड़ो कर्मचारियों को नगर को स्वच्छ बनाने हेतु वेतन पर रखकर समूचे नगर को स्वच्छ वा साफसुथरा बनाने का लगातार प्रयत्न कर रही है ताकि नगर साफ सुथरा एवं मनमोहक लगे एवं क्षेत्रीय निवासियों को गंदगी से संबंधित समस्या एवं बीमारियों से दूर रख सके, परंतु नगर पालिका के अंतर्गत आने वाला वार्ड नंबर 22 सफाई के नाम पर अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है और जिम्मेदार कर्मचारियों कान्हा तो उसे क्षेत्र के साफ सफाई से कुछ लेना देना है और ना तो वहां की जनता के स्वास्थ्य (जिंदगी)से मामला वार्ड नंबर 22 के सिविल लाइन के अंतर्गत गणेश मंडपम से लेकर सुभाष स्कूल तक आने वाली गली का है जिसकी हकीकत फोटो में साफ प्रदर्शित होती है ना तो रोड का पता है ना तो नालियों का और, सिर्फ खुली, गंदी, बदबूदार नालियों का और उसमें बह रहें गंदे, प्रदूषित मलवे जिसके चलते कई घरों के मुख्य गेट के तो हालात ऐसे हैं की घर से किसी काम के लिए तैयार होकर निकले तो पहले कीचड़ से बचकर निकले, जिसके कारण निकलने वाले आमजन को गंदी बदबू (जिससे कि स्वास्थ्य संबंधी बीमारियां उत्पन्न होती हैं), वा फिसल कर गिरने एवम उससे होने वाली हानि आदि चीजों का ख्याल कर कर मजबूरी में निकलना होता है, संबंधित मार्ग से आसपास में ही दो स्कूल पढ़ते हैं जिसके चलते सैकड़ो बच्चों का आवागमन होता है बाकी क्षेत्रीय जनता तो रोज ही संबंधित समस्या का सामना करती हैं, पर बावजूद उसके जिम्मेदार कर्मचारियों को इन सब बातों से कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि किसी ने कहावत सही कही है जनता त्रस्त जिम्मेदार मस्त।

## संदिग्ध अवस्था मे फंदे से झूलते मिला युवती का शव

द अचीवर टाइम्स सुधांशु अवस्थी

**जनपद सीतापुर।** थाना मछरेहटा अंतर्गत ग्राम पंचायत राठौरपुर मे संदिग्ध परिस्थितियों मे युवती का शव फंदे से झूलता मिला । विमला देवी उर्फ बबली उम्र लगभग चौबीस वर्ष निवासी बैकुंठपुर थाना कमलापुर की शादी लगभग तीन साल पूर्व मोहित पुत्र चौधरी लाल निवासी राठौरपुर थाना मछरेहटा से हुई थी । शादी के कुछ दिन बाद ही ससुराल मे वाद विवाद हो गया कि मायके पक्ष वालों ने दहेज एक्ट के तहत मुकदमा दायर कर दिया था जो अभी चल रहा है । मृतका बबली कुछ महीने पहले न्यायालय से पति मोहित के साथ ससुराल आ गई थी । मंगलवार देर रात बबली ने अपने कमरे में फांसी लगा ली ढ्ढ सुबह परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पुलिस क्षेत्राधिकारी सुशील कुमार यादव नायब तहसीलदार अजय कुमार मय फोर्स पहुंचे और कमरे खुलवाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल मौत का कारण अभी पता नही चल पाया है मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने बाद ही कार्यवाही अमल में ला पाएगी स्थानीय पुलिस। लेकिन मृतका के भाई अनूप कुमार पुत्र वीरेंद्र कुमार निवासी बैकुंठपर थाना कमलापुर ने स्थानीय थाने मछरेहटा में प्रार्थना पत्र दिया है जिसमे आरोप लगाते हुए कहा है मेरी बहन के पति मोहित व ससुर चौधरी व सास कमलादेवी जेठ रमेश व जेठानी दहेज के लिए उत्पीड़ित करते थे और मारपीट भी करते है थे जिसका मुकदमा कोर्ट में चल रहा था कोर्ट में पेशी पर से बहला फुसलाकर उनके पति मोहित अपने घर ले आए और उसके बाद भी मार पीट करते थे और दहेज में चार पहिए की गाड़ी व 50000 नगद मांगे थे जिसकी मांग पूरी न हो पाई जिसके चलते आज सुबह करीब 6 बजे पति मोहित व ससुर चौधरी व सास कमला देवी व जेठ रमेश व जेठानी ने मार कर फांसी पर लटका दिया है और सूचना दी की तुम्हारी बहन ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

## थाना कोतवाली एट पुलिस ने पैदल गस्त कर जनता को दिलाया सुरक्षा का एहसास

❖ शांति व्यवस्था को मद्देनजर थाना क्षेत्र में थाना कोतवाली निरीक्षक संजय गुप्ता की है कड़ी निगरानी।

संवाददाता

**एट जालौन।** पुलिस कप्तान डॉ ईराज राजा जालौन के आदेशानुसार एवं अपर पुलिस अधीक्षक असीम चौधरी के निर्देशन में व क्षेत्राधिकारी राम सिंह यादव कुशल मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी निरीक्षक संजय गुप्ता के नेतृत्व में आज नगर पंचायत एट में थाना एट थाना पुलिस द्वारा पैदल गस्त कर कस्वा एवं क्षेत्र वासियों को सुरक्षा का एहसास दिलाया बताते चलें यह पुलिस गस्त कोतवाली थाना परिसर से प्रारंभ होकर कोटरा मोड, आगे हाईवे वृज से पुनः वापस आकर पेट्रोल टैंक , कोच बस स्टैंड होते हुए नवीन गल्ला मंडी इत्यादि नगर पंचायत की प्रमुख जगहों पर पैदल गस्त करते हुए पुनः थाना पेरिस पर संपन्न हुआ ज्ञात हो गस्त के दौरान थाना प्रभारी निरीक्षक संजय गुप्ता ने शरारती तत्वों को सख्त चेतावनी देते हुए कहां कि किसी भी व्यक्ति ने थाना क्षेत्र के अंतर्गत शांति व्यवस्था बिगाड़ने की जरा भी कोशिश की तो उस पर सख्त कार्यबाही की जाएगी और गस्त के दौरान लोगो से सम्बाद कर कहा अगर थाना क्षेत्र में कहीं जुआ शराब अवैध कार्य होता है या कोई करता है तो उसकी सूचना आप लोग थाना पुलिस को दीजिए पुलिस हमेशा आप लोगों की समस्याओं के लिए तत्पर और साथ है इस मौके पर थाना कोतवाली प्रभारी निरीक्षक संजय गुप्ता व उपनिरीक्षक रुद्र कुमार तिवारी उप निरीक्षक शिव शंकर सिंह एवं उप निरीक्षक रामनिवास व हेड कंस्टेबल ब्रजेश कुमार, कॉ विकास कुमार हे कॉ शैलेन्द्र कुमार, ,, कॉ प्रवेन्द्र कुमार, कॉ धर्मपाल महिला कांस्टेबल बंदना एवं नेहा आदि थाना परिवार मौजूद रहा

## 5 दिन पहले पति हुआ लापता नहीं लगा अभी तक सुराग

❖ पेट्रोल पंप से घर लौटते वक्त लापता हुआ फौजी, 5 दिन से नहीं लगा कोई सुराग परिजनों ने पुलिस को तहरीर देकर की कार्रवाई की मांग ।

संवाददाता

**बदायूं।** बदायूं के फैजगंज वेहटा थाना क्षेत्र के मोहकमपुर निवासी भारतीय थल सेना में सैनिक हैं। बीते दिनों फैजगंज वेहटा थाना क्षेत्र के आसफपुर बिसौली मार्ग पर खुद का पैट्रोल पंम्प हैं। वीते दिनों फौजी अपने पेट्रोल पंप पर गया था जहां से घर लौटते वक्त उसका अब तक कोई सुराग नहीं लगा है। फौजी की गायब होने से परिजन लगातार परेशान हैं। परिजनों को लगातार अनहोनी की आशंका सता रही है। फौजी की पत्नी ने पेट्रोल पंप के साझेदार फौजी के मौसेरे भाई समेत दो लोगों के खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज कराया है, एसएसपी डॉओपी सिंह के निर्देश पर थाना पुलिस के अलावा एसओजी , व सर्विलांस की की टीम फौजी की खोजबीन में जुटी हुई है।

## आरक्षण बचाओ समिति एवं भारतीय बौद्ध महासभा ने संयुक्त रूप से मनाया संविधान दिवस

➤ संवैधानिक मूल्यों की शपथ, संविधान को बचाने का लिया संकल्प।

संवाददाता

**उरई,जालौन।** पूरे देश में गत रविवार को संविधान दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस वर्ष संविधान दिवस का मुख्य आकर्षण सुप्रीम कोर्ट परिसर में अंबेडकर प्रतिमा की स्थापना थी। वहीं मैत्री बुद्ध बिहार बघौरा उरई में राष्ट्रीय संविधान दिवस कार्यक्रम का आयोजन आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति एवं भारतीय बौद्ध महासभा के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। सहयोगी संगठन के रूप में लोक माता अहिल्याबाई होलकर एवम लक्ष्य के पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूज्य भंते जी बुद्ध रत्न ने की, मुख्य अतिथि डॉ रामाधीन बाबूजी, विशिष्ट अतिथि रामौतार सिंह गौतम प्रदेश सचिव, रमाकांत दोहरे मण्डल अध्यक्ष, राम कुमार गौतम मंडल सचिव, उपस्थित रहे, कार्यक्रम का संचालन राजेन्द्र सिंह पाल जिला अध्यक्ष ( एबीएसएस) ने किया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में वीरेन्द्र प्रताप सिंह बौद्ध के द्वारा संविधान की प्रस्तावना का वाचन करवाकर बाबा साहेब डॉ बी आर अम्बेडकर को याद किया गया। इस अवसर पर विषय- ÷बर्तमान में भारतीय संविधान की महत्ता , चुनौतियां एवं समाधान÷ पर उपस्थित बुद्धिजीवियों ने अपने विचार रखे तथा एबीएसएस की कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए डॉ अवधेश कुमार गौतम को जिला महासचिव एवं एड अजीत सिंह को जिला संयोजक अधिवक्ता संघ सर्व सम्मति से मनोनीत किया गया। इस अवसर पर भंते ज्ञान ज्योति , ब्रजलाल खांबरी (पूर्व सांसद) , शिवराम कुशवाहा (पूर्व विधायक) , कमल सिंह दोहरे,सुन्दर सिंह शास्त्री, डॉ अमित कुमार, सन्त कुमार शिरोमणि जिला संयोजक,जितेन्द्र बाबू दोहरे , अरविन्द कुशवाहा, अरविन्द खाबरी, प्रेम नारायण सिंह पाल,सुशील चौधरी,लल्लू राम जाटव,रामविहारी बौद्धाचार्य ,मुन्ना लाल जाटव, महेन्द्र दोहरे,दिनेश पाल, सुभाष चन्द्र, शैलेन्द्र कुमार, बलवंत राय, दयाराम गौतम,चंद्रशेखर अहिरवार , हरिश्चन्द्र बाबू ,सुनील पाल,प्रमोद कुमार कुशवाहा एडवोकेट, शिवेन्द्र पाल, मूलचंद्र, डॉ अवधेश कुमार , ब्रजेंद्र कुमार दोहरे, डॉ शत्रुघन सिंह राजपूत जिला अध्यक्ष लक्ष्य, रविन्द्र गौतम जिला अध्यक्ष भारतीय बौद्ध महासभा, अनिल कुमार, सुन्दर लाल,राम सनेही , मिस्टर सिंह बौद्ध, विजय शंकर, गजराज सिंह,आदि उपस्थित रहे।

## वाइक तथा टैम्पो टकराया बगरैन पुलिस ने घायल वाइक सवार को भेजा अस्पताल

संवाददाता

**बगरैन।** विसौली आवला रोड पर भवानीपुर गांव के मोड के पास विसौली से आ रहे टैम्पो यूपी 24 टी 0598 ने अंगथरा बगरैन से विसौली जा रहे आशिक पुत्र आतिफ निवासी अंगथरा थाना वजीरगंज वाइक सवार यूपी 25 टी 0372 को सामने से टक्कर मार दी , जिसमे वाइक सवार आशिक घायल होकर रोड पर गिर गया , वाइक सवार को टक्कर मार कर भाग रहे टैम्पो को वहा से गुजर रहे एक पुलिस अधिकारी ने देख , पुलिस अधिकारी ने ओवर टेक कर टैम्पो को पकड लिया , तथा बगरैन पुलिस के चालक को हवाले कर दिया , बगरैन पुलिस ने आनन फानन मे घायल आशिक को 108 एम्बूलेंस से विसौली अस्पताल भिजवाया , तथा क्षतिग्रस्त वाइक को अपने कब्जे मे लेकर चौकी भिजवाया , तथा टैम्पो मे दहेज का सामान बरेली जा रहा था , जिसे दूसरी गाडी मे लोड कर भिजवा दिया गया , तथा टैम्पो को पुलिस चौकी पर खडा करा दिया गया , प्रत्यक्ष दर्शीयो द्वारा वाइक सवार फोन पर वात कर रहा था न हेल्मेट लगाया हुआ था , गनीमत रही सिर मे ज्यादा चोट नही आयी ।

# वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सम्पन्न हुआ दीनदयाल गौ विज्ञान अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र का लोकार्पण

❖ गाय के संवर्धन से देश को विश्व पटल पर अग्रणी बनाएगा- मोहन भागवत।

संवाददाता

**मथुरा।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ0 मोहन भागवत ने दीनदयाल गऊ ग्राम परखम में दीनदयाल गौ विज्ञान अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र का लोकार्पण करते हुए हजारों की संख्या में उपस्थित स्वयंसेवक और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि दीनदयाल जी ने एक अन्तोदय का मंत्र दिया था, जिसका अर्थ है कि समाज के अन्तिम लाइन में खड़े व्यक्ति की उन्नति होती है। वही देश की उन्नती में अग्रसर होता है। उन्होंने कहा कि इस बार मैं यहाँ आया हूँ गाय के संवर्धन का यह प्रकल्प देश को विश्व पटल पर अग्रणी बनाएगा। यह प्रकल्प की प्रेरणा हमें प्राचीन काल से मिलती है, चाहें वह गाय के रूप में हो, नदी के रूप में हो, धरती के रूप में हो यह हमारी भारत माता है। हम इन सभी के कृतज्ञ हैं। इनसे प्रेरणा लेकर कार्य करना ही मानव जीवन है। यही हमारी परम्परा और आत्मा है जो सभी को स्वच्छ रखती है। निरंतर गौ सेवा से हमने इसे प्रत्यक्ष पाया है। पर्यावरण का संकट खेती करने वाला कर्जा लेता है उसका उपाय गौ सेवा है। संघ प्रमुख ने कहा कि देशी गाय के दूध की महिमा पूरा विश्व समझता है। बड़ी संख्या में गौ संवर्धन और गौशाला का निर्माण हो रहा है, लेकिन हम अपनी श्रद्धा को भूल गए हैं। भारत का उत्थान कब होता है, जब धर्म का स्थान होता है। पूरे विश्व को उसकी भाषा में समझाना के लिए आयुर्विज्ञान केन्द्र पंचगव्य संस्थान यह महत्वाकाँक्षी योजनाएँ हैं जो विश्व को भारत ने दी हैं। यह एक संकल्प है जिसके लिए हमें सतत प्रयास करते रहना है जिसके लिए हमें अपने प्राणों की भी चिंता नहीं करनी है। भारत की भूमि को गौरवान्वित करने का उपकरण है। हम सभी को भी गौ सेवा में हाथ बटाना है। गौ को माता कहना है तो उनके पुत्र का कर्तव्य भी हमें निभाना है। कर्तव्य के लिए सेवा करेंगें उसे अपने पास रखेंगें तभी गौ सेवा का संकल्प पूर्ण होगा। यहाँ गौ सेवा के लिए आश्रय स्थल भवन बनने जा रहा है जिससे गाय की सेवा में कोई कमी नहीं रहेगी। उन्होंने कहा मैं जब भी दीनदयाल धाम आता हूँ, मुझे यहाँ आनन्द की अनुभूति होती है। इस परिसर का प्रकल्प हर बार पांच कदम आगे रहता है। सन् 1983 में प्रथम बार मैं नगला चन्द्रभान आया था। जब दीनदयाल जी छोटे से घर का भूमि पूजन था। मेरे साथ नाना जी देशमुख,भाऊ राव देवरस, अटल बिहारी वाजपेई जी थे बारिश आ जाने के बावजूद भूमि पूजन का कार्य भीगते हुए सम्पन्न किया गया। सन् 2009 में सरकार्यवाह रहते हुए दूसरी बार यहाँ आया, तब प्रकल्पों का थोड़ा कार्य शुरू हो चुका था। कार्यक्रम की प्रस्तावना समिति के मंत्री हरीशंकर ने कहा कि दीनदयाल धाम की स्थापना सन् 1988 में भाऊ राव देवरस ने की थी। स्व0 ओमप्रकाश जी की प्रेरणा से यहाँ गौशाला का निर्माण हुआ। इस अनुसंधान केन्द्र का 07 मई 2023 को श्री शंकर लाल जी ने भूमि पूजन कर शुभारम्भ किया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की गौ संवर्धन गतिविधि के अ.भा. प्रमुख शंकर लाल ने कहा कि यह केन्द्र भारत ही नहीं अपितु पूरे विश्व के लिए गौ माता की सेवा का अनूठा प्रकल्प बनेगा। देशी गायों का पालन करने से भारत स्वालम्बी जगतगुरू भारत और रोग मुक्त भारत बनेगा। गौ माता के घी से बुद्धि तीक्ष्ण होती है। गाय के दूध से कुपोषण खत्म होती है। आने वाले समय में नशामुक्त भारत बनाने में गाय की अहम भूमिका रहेगी जिससे भारत जगतगुरू भारत बनेगा। आर्शीवचन देते हुए हंस फाउंडेशन की मंगलमाता ने कहा कि आज कलयुग में गौ माता के लिए सोचा जा रहा है। गौ माता की सेवा लिए यह विशाल अनुसंदान केन्द्र खोला गया है। हमारे समाज की पुरानी परम्परा है गणेश जी मूर्ति बनाने के लिए गाय के गोबर का प्रयोग किया जाता है। आने वाली जनरेशन को बताना है कि माँ जन्म देती है और गाय पालती है गाय का दूध अमृत है। साध्वी ऋतंभरा ने कहा कि गौ माता वात्सल्य जननी है। गौ महिमा साधारण व्यक्ति के बिना व्यक्त नहीं की जा सकती। गौ माता कचरे से भूख मिटाती है तो दिल को दर्द होता है। धरती को माता कहते हैं, लेकिन रासायनिक खाद्य से गोद को छलनी किया जा रहा है। लेकिन इस अनुसंधान केन्द्र के निर्माण से इन सब चीजों पर कुछ हद तक अंकुश लगेगा। सारे विश्व का कल्याण इस अनुसंधान केन्द्र से होगा।

## आयुक्त करेगी कलक्ट्रेट सभागार में राजनैतिक दलो बैठक

संवाददाता

**आगरा।** उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अनूप कुमार ने अवगत कराया है कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार अर्हता एक जनवरी-2024 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत को आलेख्य प्रकाश मतदेय स्थलों एवं तहसील मुख्यालय तथा जिला निर्वाचन कार्यालय, आगरा में किया जा चुका हैं। उन्होंने आगे यह भी अवगत कराया है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा आयुक्त को रोल प्रेक्षक (मतदाता सूची) नियुक्त गया हैं। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने यह भी बताया है कि उक्त के सन्दर्भ में आयुक्त/रोल प्रेक्षक (मतदाता सूची) की अध्यक्षता में समस्त जिलाध्यक्ष/जिला मंत्री/शहर अध्यक्ष, (राष्ट्रीय/राज्यीय) तथा मान्यता प्राप्त राजनैतिक दल से विचार-विमर्श एवं सहयोग हेतु 2 दिसम्बर को पूर्वान्हः 11 बजे से कलक्ट्रेट सभागार, आगरा में बैठक आयोजित की गई है।

## एक नज़र

### व्यावसायिक परीक्षा स्व0 केंद्रों पर होगी आयोजित

संवाददाता

**आगरा।** राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान ने जनपद में संचालित समस्त राजकीय/निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के संचालकों को सूचित किया है कि अखिल भारतीय व्यावसायिक परीक्षा एक दिसम्बर से छ दिसम्बर तक स्वकेन्द्र के रूप में पूर्व की भांति आयोजित होगी। जिसकी सूचना सभी संस्थानों के ई-मेल पर भेजी जा चुकी है तथा एससीवीटी पोर्टल के सर्कुलर पर भी उपलब्ध है। उन्होंने आगे यह भी अवगत कराया है कि उक्त परीक्षा में सप्लीमेंट्री, लेफ्टओवर प्रशिक्षार्थियों के साथ-साथ अक्टूबर-2023 की परीक्षा का बहिष्कार करने वाले प्रशिक्षार्थी भी सम्मिलित किए जायेंगे, किन्तु उनके लिए यह अंतिम अवसर होगा तथा ऐसे प्रशिक्षार्थियों से परीक्षा शुल्क नहीं लिया जायेगा। प्रशिक्षार्थीयों के परीक्षा में सम्मिलित न होने पर सम्पूर्ण उत्तरदायित्व सम्बन्धित संस्थान का होगा। प्रयोगात्मक परीक्षा की बिल ऑफ मैटेरियल ई-मेल के माध्यम से उपलब्ध करा दी गई है।

### आईटीआई अप्रेन्टिशिप मेले का आयोजन 30 नवम्बर को

संवाददाता

**आगरा।** राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान ने अवगत कराया है कि राजकीय आईटीआई बल्केश्वर, परिसर में 30 नवंबर को अप्रेन्टिशिप मेले का आयोजन प्रातः 10 बजे से किया जा रहा है। मेले में अप्रेन्टिसशिप के लिए ऐसे प्रशिक्षार्थी जिन्होने राजकीय ब निजी आई0टी0आई0 से इलैक्ट्रीशियन, फिटर, टर्नर, मैके0 डीजल, वैल्डर, इलैक्ट्रोनिक्स मैकेनिक, मैकेनिक मोटर व्हीकल, इन्स्ट्रूमेन्ट मैकेनिक, पेन्टर, व्यवसाय में परीक्षा उत्तीर्ण की हो, एवं 10वीं व 12वीं उत्तीर्ण हो, अप्रेन्टिसशिप हेतु शिशिक्षु मेले में सम्मिलित हो सकते हैं। उन्होंने यह भी अवगत कराया है कि इस मेले में प्रशिक्षार्थियों के चयन हेतु अप्रेन्टिसशिप मेले में आमंत्रित है। मेले में चयन लिखित व साक्षात्कार के माध्यम से किया जायेगा।

### बीएसपी पार्षद का निगम कार्यालय में अनोखा प्रदर्शन

लाइट सही कराने को ढोल नगाड़े बजाए

संवाददाता

**आगरा।** राम की सेना से लड़ने को लंकेश्वर रावण ने ढोल नगाड़े बजबा कर कुंभकर्ण को जगाया था उसी तर्ज पर बी एस पी पार्षद नगर निगम कार्यालय पहुंचे जहा ढोल नगाड़े बाजबा कर क्षेत्र की खराब पड़ी लाइट सही कराने की मांग की है। बीएसपी पार्षद बंटी पिछले उनके क्षेत्र में खराब पड़ी लाइटों को ठीक कराने के लिए नगर आयुक्त से लेकर विभागीय अधिकारियों को अपनी पीड़ा बता चुके हैं लेकिन कुंभ करणीय नीद में सोए अधिकारी विरोधी दल के पार्षद की समस्या का समाधान नहीं कर रहे हैं जिससे दुखी हो कर पार्षद ने अनोखा प्रदर्शन कर क्षेत्र की पीड़ा का समाधान कराने की मांग की है। इधर नगर आयुक्त अंकित खंडेलवाल ने बताया कि बीएसपी पार्षद बंटी क्षेत्रीय नागरिकों की पीड़ा लेकर नगर निगम कार्यालय आया था ज्ञापन के आधार पर कार्यवाही की जा रही है।

### फतेहाबाद में दिनदहाड़े ढाई लाख की लूट

इरादत नगर और शमशावाद पुलिस ने किया पैदल गश्त

पीबीसी न्यूज

**आगरा।** फतेहाबाद पुरानी मंडी के पास पुलिस के भेस में बदमाश कोल्ड स्टोरेज स्वामी के ढाई लाख रुपए दिन दहाड़े लूट कर फरार हो गए। लूट की सूचना पर इलाका पुलिस मौके पर पहुंच गई जहां लूट के आरोपियों की तलास शुरू कर दी है। फतेहाबाद कोल्ड स्टोरेज स्वामी राकेश गुप्ता ने ढाई लाख रुपए अपने ड्राइवर ताज मोहमद को बैंक में जमा करने के लिए भेजे थे इसी बीच रास्ते में चेकिंग के नाम पर ढाई लाख रुपए से भरा बैग ले लिया और मालिक को बुलाने के लिए भेज दिया इसके बाद लुटेरे बैग लूट कर भाग गए।लूट की सूचना पर इलाका पुलिस पहुंच गई। इधर इरादत नगर के थाना प्रभारी निरीक्ष मनोज कुमार सिंह,शमशाबाद पुलिस ने भी पैदल मार्च किया है।

### बुढार पुलिस ने कि आबकारी एक्ट के तहत कि कार्यवाही

संवाददाता

**शहड़ोल।** शहडोल जिले के बुढ़ार थाना क्षेत्र के अंतर्गत दिनांक 27/11/2023 को पुलिस ने अवैध शराब बिक्री करने की खूफिया सूत्रों के द्वारा सूचना पर पुलिस नई चौकी केशवाही क्षेत्र में दबीश देकर आरोपी अजय पिता शिवचरण केवट निवाशी केशवाही के कब्जे से 05 लीटर कच्ची महुआ शराब कीमत 750 रूपये एवं आरोपी सकनू पिता बैजनाथ बैगा निवासी केशवाही के कब्जे से 06 लीटर कच्ची महुआ शराब कीमत 900 रुपये की मौके पर ज़ब्त की गई। पुलिस के द्वारा आरोपी के खिलाफ अबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। उक्त कार्यवाही में सहायक उपनिरीक्षक रामेश्वर पांडे एवं मनबोध सिंह ने अहम भूमिका निभायी है।

## छत्तीसगढ़ में बदला मौसम का मिजाज गिरेगा पारा, बढ़ेगी ठंड

संवाददाता

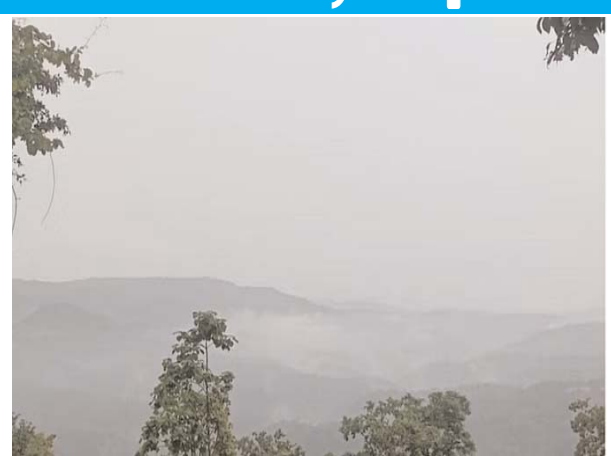

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में मौसम का मिजाज बदल गया है। प्रदेश में बादल छाए रहने के साथ ही मौसम ने करवट ली और कई इलाकों में हल्की मध्यम बारिश हुई। कहीं-कहीं बूंदाबांदी हुई, तो कहीं गरज चमक के साथ बौछारें पड़ी। आज भी मौसम ऐसे ही बने रहने की संभावना है।

छत्तीसगढ़ में मौसम का मिजाज बदल गया है। प्रदेश में बादल छाए रहने के साथ ही मौसम ने करवट ली और कई इलाकों में हल्की मध्यम बारिश हुई। कहीं-कहीं बूंदाबांदी हुई, तो कहीं गरज चमक के साथ बौछारें पड़ी। आज भी मौसम ऐसे ही बने रहने की संभावना है। अब न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की की जाएगी और प्रदेश में ठिठुरन बढ़ने लगेगी। मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से प्रदेश में बारिश की स्थिति बनी हुई है। इससे तापमान गिरेगा और ठंड बढ़ने लगेगी। बीते दिनों मंगलवार को प्रदेश के जांजगीर सबसे ठंडा रहा। यहां न्यूनतम तापमान 11.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम का मिजाज बदलने से प्रदेश के कई जिलों में तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। इससे प्रदेश में सुबह के साथ दोपहर में भी ठंड रहा।

इन दिनों छत्तीसगढ़ में धान की कटाई के साथ ही मिजाई का भी काम चल रहा है। मौसम में बदलाव के कारण किसान भी चिंता में हैं। प्रदेश में धान खरीदी भी शुरू हो गया है। बीते दिनों की बारिश से सभी किसान अस्त व्यस्त हो गए। वहीं धान खरीदी केन्द्रों में धान की सुरक्षा के लिए तुरंत इंतजाम किया गया। बारिश की संभावना से केन्द्रों में इसके लिए पहले से ही तैयारी कर लिया गया था। बीते दिनों मंगलवार को मौसम को देखते हुए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सभी जिला अधिकारीयों को धान की सुरक्षा को लेकर सचेत किया था। वहीं खाद्य मंत्री अमरजीत भगत ने मंदिर हसौद के एक केंद्र में व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने केंद्रों में धान को बारिश से बचने के लिए पर्याप्त प्रबंध करने के निर्देश दिए। आज भी प्रदेश के इलाकों में मौसम का मिजाज ऐसे ही रहने की संभावना है।

### हाईवा और कार में हुई आमने-सामने की टक्कर, तीन लोगों की मौके पर ही हुई मौत

**भिलाई।** भिलाई के जामुल थाना क्षेत्र के दुर्ग धमधा मार्ग पर भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की मौके पर मौत हो गई। मिली जानकारी के मुताबिक, हाईवा और स्विफ्ट कार की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई है। भिलाई के जामुल थाना क्षेत्र के दुर्ग धमधा मार्ग पर भीषण सड़क हादसे में तीन लोगों की मौके पर मौत हो गई। मिली जानकारी के मुताबिक, हाईवा और स्विफ्ट कार की आमने-सामने टक्कर हो गई, जिसमें कार सवार एक पुरुष और दो महिलाओ की मौत हो गई। घटना की सूचना पर जामुल पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने सभी मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और जांच में जुट गई है।

## दबंग के हौसले बुलंद घर में घुसकर की मारपीट

संवाददाता

**आगरा।** शमशाबाद थाना क्षेत्र के गांव कंकरपुरा में दबंगों ने घर में घुसकर मारपीट की हे पीड़ित अग्रसेन पुत्र अतर सिंह ने बताया कि गांव के ही दबंग लोगों ने घर में घुसकर मारपीट पीड़ित की पत्नी के साथ छेड़ा छड़ी कर मारपीट की है पीड़ित ने इलाका थाने में प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाइए जिसमे दबंग राजेंद्र ,अजंटी ,पूर्ण आदि बताये गए हैं दबंग गांव का ही रहने वाले हैं आए दिन परेशान करते रहते हैं खेत को लेकर भी विवाद करते हैं थाना प्रभारी अनिल कुमार शर्मा के मुताबिक मामले को संज्ञान में लेकर उचित कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

## गोहपारू पुलिस ने कि आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई

संवाददाता

**शहडोल।** मध्य प्रदेश के शहडोल जिले के गोहपारू थाना क्षेत्र अंतर्गत दिनांक 27.11.2023 को अवैध शराब बिक्री करने कि मुखबिर के द्वारा सूचना मिलते ही गोहपारू पुलिस ने तत्काल ग्राम मोहतरा में बड़ी ही जिम्मेदारी से दबिश देकर आरोपिया मेही लाल की पत्नी निवासी ग्राम मोहतरा के कब्जे से 05 लीटर कच्ची महुआ शराब कीमत 600 रूपये एवं आरोपी लाल सिंह पिता भरत सिंह निवासी ग्राम मोहतरा के कब्जे से 06 लीटर कच्ची महुआ शराब कीमत 600 रूपये की मौके पर जप्त कर पुलिस द्वारा आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है। उक्त कार्यवाही में सउनिश विपिन बागरी एवं भागचंद्र की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

## आगरा में एक और पुलिस पर हमला

## खंदोली में जांच को पुलिस टीम पथराव दो पुलिस कर्मी घायल

संवाददाता

**आगरा।** जिले में पुलिस टीम पर एक के बाद एक हमले होने से दहशत फेल गई है। पहले लोहा मंडी फिर फतेहाबाद आज खंदोली में जांच को गई पुलिस टीम पर ग्रामीणों ने पथराव कर दिया जिससे दो पुलिस कर्मी घायल हो गए जबकि दरोगा जान बचाकर भाग खड़े हुए। खंदोली थाना क्षेत्र में पुलिस पर पथराव जिसमे दो सिपाही घायल होने की सूचना पाकर एत्मादपुर एसीपी आस पास थानो की पुलिस के साथ घटना स्थल पहुंच गए जहा पुलिस टीम पर हमला करने के दो आरोपियों को दबोच लिया। जबकि अन्य फरार हो गए। इधर डी सी पी ने बताया कि पुलिस गांव में जुआ और मुकदमे बांछित अपराधी को पकड़ने गई थी पुलिस जैसे ही गांव में घुसी वैसे ही छत पर छड़ कर पथराव किया गया था इसकी जानकारी मिलते ही एत्मादपुर, वरहन और एतमद्दौला थानो की पुलिस मौके पर पहुंच गई जहा दो लोगो को गिरफ्तार किया गया है तथा अन्य की गिरफ्तारी को दविश दी जा रही है।

## प्रशासन एवं पुलिस की टीम द्वारा अवैध रेत माफिया पर हो रही लगातार कार्यवाही

संवाददाता

**शहडोल।** कलेक्टर श्रीमती वंदना वैद्य एवं पुलिस अधीक्षक शहडोल के मार्गदर्शन एवम् दिशानिर्देशन में खनिज अमला शहडोल तथा थाना देवलोंद के पुलिस दल द्वारा व्योहारी तहसील अंतर्गत बुड़वा एवम् अन्य क्षेत्रों का निरीक्षण किया गया, साथ ही ज़िला सीधी, सतना का खनिज अमला और रीवा उड़नदस्ता के साथ संयुक्त रूप से सोन एवम् बनास नदी के आस-पास के क्षेत्र का ( जो कि सोन घड़ियाल अभ्यारण्य के सीमान्तगर्त है) जहाँ से रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन एवम् भंडारण की शिकायत वाले स्थलों का निरीक्षण किया गया। मौक़े पर कोई भी व्यक्ति अथवा वाहन उत्खनन/ परिवहन करते नहीं पाया गया। ग्राम जनकपुर में रिंकू सिंह बघेल पिता सुग्रीव सिंह बघेल द्वारा अपने स्वयं के मकान के सामने 75 घन मीटर रेत का भंडारण पाया गया, जिसे मौक़े पर जप्त किया गया। सोन एवम् बनास नदी के किनारे लगभग 15 स्थानों पर निरीक्षण किया गया, जहाँ अवैध रेत के उत्खनन, परिवहन एवम् भंडारण की गतिविधि बंद होना पाया गया। संयुक्त कार्यवाही पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में खनिज अमला एवं पुलिस बल की सराहनीय भूमिका रही।

### मालगाड़ी के इंजन के ऊपर मिला युवक का शव, हाइटेंशन तार की चपेट में आने से मौत

**दुर्ग-भिलाई।** दुर्ग के अंजोरा चौकी क्षेत्र के रसमडा स्टेशन में उस समय हड़कंप मच गया जब भिलाई से डोंगरगढ़ की ओर जा रही कोयले से भरी मालगाड़ी के इंजन पर अज्ञात युवक का शव मिला। आशंका जताई जा रही है कि युवक की हाइटेंशन तार की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। दुर्ग के अंजोरा चौकी क्षेत्र के रसमडा स्टेशन में उस समय हड़कंप मच गया जब भिलाई से डोंगरगढ़ की ओर जा रही कोयले से भरी मालगाड़ी के इंजन पर अज्ञात युवक का शव मिला। आशंका जताई जा रही है कि युवक की हाइटेंशन तार की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही अंजोरा चौकी और राजानांदगांव जीआरपी पुलिस पहुंचकर मामले की जांच में जुटी है। युवक की अब तक शिनाख्त नहीं हो पाई है।

## जल जीवन मिशन पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

संवाददाता

**आगरा।** कलैक्ट्रेट सभागार में राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग, लखनऊ द्वारा नामित संस्था जे0पी0 मेमोरियल रिचर्स एण्ड एजूकेशनल ट्रस्ट द्वारा जनपद स्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन मुख्य अभियन्ता एवं अधीक्षण अभियन्ता, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण) आगरा की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में किया गया। मुख्य अतिथि जिला विकास अधिकारी राकेश रंजन के द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण करके कार्यकम का शुभारम्भ किया गया। जिसमें जिला पंचायत राज अधिकारी मनीष कुमार जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं सहायक विकास अधिकारी पंचायत आदि उपस्थिति रहे। मुख्य अभियन्ता महोदय द्वारा उपस्थित जनों को जल की महत्ता के प्रति जागरूक किया गया। मुख्य प्रशिक्षक योगेश शुक्ला के द्वारा उपस्थित जनों को दूषित पानी से होने वाली बीमारी तथा जल संरक्षण के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी। इसके साथ ही मुख्य अभियन्ता, उ0प्र0 जल निगम ग्रामीण के द्वारा प्रचार वाहन को हरी झण्डी दिखाकर टीम को ग्राम पंचायतों के लिये प्रस्थान कराया गया।

# सुरंग की कैद में मजदूरों ने ऐसे बिताए 16 दिन

❖ खुद को स्वस्थ रखने के लिए किया ये काम।

एजेंसी

**उत्तरकाशी।** सुरंग के भीतर बीते 16 दिन से फंसे मजदूरों को बाहरी दुनिया की मुश्किलों की जानकारी नहीं दी गई थी। उनका हर वक्त हौसला बढ़ाया जाता रहा, जिससे वह परेशानी महसूस न करें। वह मोबाइल पर गाने सुनते थे। बीएसएनएल के लैंडलाइन फोन से परिजनों से बातचीत भी कर पा रहे थे। परिजनों और भीतर फंसे मजदूरों के बीच संवाद कायम रखने के लिए उन्हें कुछ औपचारिकताएं पूरी करके अंदर जाने की आजादी दी गई थी। परिजन सुरंग के भीतर जाकर अंदर फंसे अपने लोगों से बातचीत कर पा रहे थे। सबा अहमद के भाई नैयर अहमद ने बताया कि वह जब भी बात करते थे तो उसे समझाते थे कि सबकुछ ठीक चल रहा है।

**सच हुई बाबा बौखनाग के पश्वा की भविष्यवाणी, मजदूरों के बाहर निकलने को लेकर दिया था ये वचन**

फोन की मदद से सबा की पत्नी व तीन बच्चों के हालचाल भी उसे लगातार बता रहे थे। बिहार में बैठे परिजन भी सबा का हौसला बढ़ा रहे थे। डॉक्टर की टीम सुबह और शाम दो चरणों में पांच घंटे मजदूरों से बातचीत कर रही थी। डॉ. प्रेम पोखरियाल का कहना है कि वह हर मजदूर की स्वास्थ्य संबंधी समस्या सुनते थे। उसी हिसाब से दवाई भीतर भेज रहे थे। उन्होंने बताया कि मजदूरों को भीतर लगातार ओआरएस का घोल पीने की सलाह दी जा रही थी। उन्हें समय से नाश्ता, लंच, डीनर भी भेजा जा रहा था। उन्होंने बताया कि मजदूरों को पहले एनर्जी ड्रिंक भेजी गई थी, लेकिन फिर पूरा भोजन दिया गया। मजदूर खुद को स्वस्थ रखने के लिए भीतर ही योगा कर रहे थे। सुरंग के भीतर सुबह-शाम टहल रहे थे। मजदूरों के लिए सोने की परेशानी हो सकती थी, लेकिन सौभाग्य से भीतर जियो टेक्सटाइल शीट थी, जो मजदूरों के सोने के काम आई। उन्हें वीडियो गेम खेलने के लिए मोबाइल भेजे गए थे।

# बीजे डी सरकार के प्रेम के कारण ओडिशा के किसानों की आय घट रही है

एजेंसी

**ओड़िशा, भुबनेश्वर।** पूरे प्रदेश से किसानों की बदहाली की तस्वीरें सामने आ रही हैं. चाहे नुआपाड़ा हो या कालाहांडी मंडी नहीं खुला है. जहां भी बाजार खुला, टोकन नहीं आ रहा। नतीजतन, किसान कम कीमत पर दलालों को अनाज बेचने को मजबूर हैं।हालांकि नुआपाड़ा जिले में बाजार खुले तीन दिन से भी कम समय हुआ है, लेकिन किसानों की दुर्दशा खत्म नहीं हुई है । नुआपाड़ा सदर ब्लॉक साराबंग के सेवाराम पटेल का घर है। धान बिक्री के लिए टोकन नहीं आया है । सैकड़ों बोरी अनाज का ढेर लगा हुआ है. वेंकट सत्य नारायण रेड्डी की स्थिति भी ऐसी ही है. उन्होंने बारह एकड़ जमीन से तीन सौ क्विंटल से अधिक धान का उत्पादन किया है। उनका टोकन 24 जनवरी को आएगा। सत्यनारायण धान बेचने के बाद मजदूरों की मजदूरी देने का इंतजार कर रहे हैं. सरबंग के सेवाराम और सत्यनारायण जैसे कई किसान 15 दिन पहले ही धान की कटाई कर चुके हैं. देर से मंडी खुलने के बावजूद कोई टोकन नहीं आया। केसिंगा, कालाहांडी में भी मिलर की उपस्थिति। बाजार नहीं खुलने के कारण मिल मालिक किसानों से कम कीमत पर धान खरीदकर मिल का पेट भर रहे हैं। बलांगीर जिले में अभी बाजार नहीं खुला है. और मंडी में कई अव्यवस्थाएं इसीलिए बीजेपी नेता मुकेश महालिंग ने धान खरीदी टोकन की अवधि दो महीने बढ़ाने की मांग की है। धान ओडिशा की मुख्य फसल है। ज्यादातर किसान धान पर निर्भर हैं. लेकिन साल-दर-साल अच्छी फसल पैदा करने के बाद भी किसान अनाज नहीं बेच पाता है। सरकार देर से बाजार खोल रही है. किसान कम कीमत पर धान बेचने को मजबूर हैं. उत्पादित फसलों का सही दाम नहीं मिलने के कारण राज्य में किसानों की आय बढ़ रही है. ओडिशा के किसानों की गरीबी के पीछे राज्य सरकार और मिलर की साजिश है। किसानों के अनाज का पैसा सरकार और मिल मालिक मिलकर खा रहे हैं. यदि केंद्र द्वारा निर्धारित सही मूल्य पर धान खरीदा जाता तो ओडिशा के किसानों की आय 30 प्रतिशत बढ़ जाती। लेकिन सरकार किसान की आय के लिए नहीं बल्कि मिल मालिक के फायदे के लिए साजिश कर रही है।

## गोल्डन बॉय नीरज चोपड़ा के गांव खंडरा को स्टेडियम का इंतजार, मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने की थी घोषणा

एजेंसी

**पानीपत (हरियाणा)।** नीरज चोपड़ा के कॉमनवेल्थ गेम्स में स्वर्ण पदक जीतने के बाद मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने गांव खंडरा में उनके नाम से खेल स्टेडियम बनाने की घोषणा की थी। लेकिन गांव की जमीन पर विवाद के चलते स्टेडियम का निर्माण तो दूर शिलान्यास भी नहीं हो सका है। जेवलिन थ्रो में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम ऊंचा करने वाले गोल्डन बॉय नीरज चोपड़ा के पैतृक गांव खंडरा में सीएम की घोषणा के करीब चार साल बाद भी स्टेडियम नहीं बन पाया है। इससे क्षेत्रवासियों के साथ ही नीरज चोपड़ा भी मायूस हैं। रविवार को जब स्टेडियम के संबंध में नीरज चोपड़ा से बात की गई तो उनका दर्द सामने आ गया। उन्होंने कहा कि वह स्वयं इसके लिए काफी प्रयास कर चुके हैं, मुख्यमंत्री से भी मिल चुके हैं।

## एक नज़र

### स्टेट हाईवे जाम करने पर 66 ग्रामीणों के खिलाफ केस

हादसे में महिला की मौत के बाद हाईवे पर शव रखकर लगाया था जाम

एजेंसी

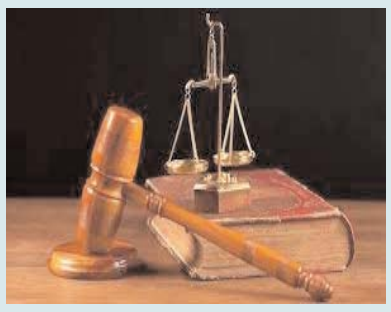

**इंद्री (करनाल)।** सड़क हादसे में महिला की मौत के बाद मुरादगढ़ गांव के ग्रामीणों ने रविवार को करनाल-लाडवा हाईवे पर शव रखकर जाम लगाया था। इस मामले में पुलिस ने करीब 66 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। इंद्री थाना से उप-निरीक्षक चरण सिंह ने शिकायत में बताया कि उन्हें फोन पर सूचना मिली कि मुरादगढ़ गांव के ग्रामीणों ने सड़क हादसे के बाद करनाल-लाडवा हाईवे पर धरना देकर शव को सड़क पर रखकर जाम लगाया है। जिसके बाद वे पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे तो शव को सड़क पर रखकर ग्रामीणों ने जाम लगाया था। उन्होंने ग्रामीणों को काफी समझाया मगर वे नहीं माने। उप-निरीक्षक चरण सिंह ने शिकायत में बताया कि प्रदर्शन में सलिंद्र, राजकुमार, विनोद, प्रमोद, सतीश, पंकज, रविन्द्र डांगी, राजू, सुनील, बलवंत, शीला पंचायत सदस्य, बलवान, रामपाल, जयनारायण, रिंकू व विशाल व अन्य 50 ग्रामीण यानी कुल 66 लोग शामिल थे। जिन्होंने सड़क के बीच में ट्रैक्टर-ट्राली लगाकर आने-जाने वाले वाहनों को रोका। वहीं करीब 50 मिनट तक हाईवे जाम रखा। शनिवार शाम मुरादगढ़ गांव की ममता देवी मजदूरी करके अपने घर लौट रही थी। उसी समय गांव के कुछ युवक कार में आए और महिला को टक्कर मारकर फरार हो गए। इस हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई। जिसके बाद रविवार को ग्रामीणों ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए शव को करनाल-लाडवा हाईवे पर रखकर जाम लगा दिया था। डीएसपी इंद्री के आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने जाम खोला था। उप-निरीक्षक ने ग्रामीणों द्वारा सड़क पर शव रखकर हाईवे जाम करने के खिलाफ थाने में शिकायत दी है। इस पर 16 नामजद सहित 50 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

### काले रंग की स्कोर्पियो में मिली दोनाली बंदूक, हथियार का लाइसेंस नहीं पेश कर पाया आरोपी

एजेंसी

**चरखी दादरी।** सूचना के आधार पर चिड़िया मोड़ पर पुलिस टीम सतर्क हो गई। कुछ देर बाद पुलिस ने एक काले रंग की स्कोर्पियो रुकवाकर संदेह के आधार पर तलाशी ली तो इसमें लोड दोनाली बंदूक बरामद हुई। खोलकर चेक करने पर इसमें दो कारतूस मिले। चरखी दादरी के चिड़िया मोड़ नाका पर पुलिस टीम ने चेकिंग के दौरान काले रंग की स्कोर्पियो से एक दोनाली बंदूक और दो कारतूस बरामद किए है। स्कोर्पियो सवार दोनों युवक पुलिस टीम के समक्ष हथियार का लाइसेंस पेश नहीं कर पाए और इसके चलते पुलिस ने दोनों को काबू कर लिया। वहीं, उनकी स्कोर्पियो और हथियार को भी पुलिस ने कब्जे में ले लिया। पुलिस के अनुसार गुप्त सूचना के आधार पर ये कार्रवाई की गई है। दरअसल, सोमवार देर शाम पुलिस टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि मंदोली की तरफ से एक काले रंग की स्कोर्पियो आ रही है जो दादरी बाईपास होते हुए झज्जर जाएगी। स्कोर्पियो जेवली निवासी गुणपाल चल रहा है और इसमें एक अन्य युवक भी बैठा है। सूचना के आधार पर चिड़िया मोड़ पर पुलिस टीम सतर्क हो गई। कुछ देर बाद पुलिस ने एक काले रंग की स्कोर्पियो रुकवाकर संदेह के आधार पर तलाशी ली तो इसमें लोड दोनाली बंदूक बरामद हुई। खोलकर चेक करने पर इसमें दो कारतूस मिले। पूछताछ के दौरान चालक ने अपनी पहचान जेवली निवासी गुणपाल और साथ बैठे युवक ने अपनी पहचान भिवानी जिले के दमकौरा निवासी सुनील के रूप में बताई। दोनों बंदूक का लाइसेंस पेश नहीं कर पाए। उनके खिलाफ दादरी सिटी थाने में सशस्त्र अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया है।

### पेरिस ओलंपिक में 90 मीटर थ्रो के साथ स्वर्ण पर नजर

**कुरुक्षेत्र।** नीरज चोपड़ा का अगला लक्ष्य पेरिस ओलंपिक में गोल्ड जीतना है, जिसका आयोजन जुलाई-2024 में होगा। इसे लेकर उन्होंने प्रैक्टिस शुरू कर दी है। इस बीच अपने पैतृक गांव खंडरा पहुंचे नीरज चोपड़ा का कहना है कि इस बार उनका लक्ष्य 90 मीटर भाला फेंकना होगा, जिसके लिए उन्हें कठिन परिश्रम करना है। इससे पहले अब तक उनका बेस्ट थ्रो 89.94 मीटर है। उन्होंने यह थ्रो 30 जून 2022 में स्वीडन में आयोजित डायमंड लीग में किया था।

**नीरज चोपड़ा ने बयां किया संघर्ष के दिनों का दर्द**

नीरज चोपड़ा ने बताया कि उन्होंने 2011 में जेवलिन की प्रैक्टिस शुरू की थी। उस समय गांव में स्टेडियम न होने पर उन्हें पानीपत शिवाजी स्टेडियम जाना पड़ता था। गांव से पानीपत शहर तक यातायात के व्यापक प्रबंध भी नहीं थे। उनको कई बार बस या दूसरे वाहन न मिलने पर किसी से लिफ्ट लेकर भी अभ्यास के लिए आना-जाना पड़ता था।

# पहाड़ से मैदान तक बदला मौसम, बदरीनाथ में बर्फबारी, निचले इलाकों में छाया कोहरा

संवाददाता

**देहरादून।** राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों उत्तरकाशी, चमोली और पिथौरागढ़ में कहीं-कहीं हल्की और गर्जन के साथ बारिश होने की संभावना है। 3500 मीटर के अधिक ऊंचाई वाले स्थानों पर बर्फबारी होने की संभावना है। उत्तराखंड में आज मंगलवार को मौसम ने करवट बदली। पहाड़ से मैदान तक ठंड बढ़ गई है। सुबह बदरीनाथ धाम में ताजा बर्फबारी हुई। वहीं, निचले इलाकों में बादल छाए हैं। कुछ इलाकों में दिन की शुरुआत हल्के कोहरे के साथ हुई।

**मसूरी में सात डिग्री लुढ़का तापमान**

पहाड़ो की रानी मसूरी, कैम्पटी और धनोल्टी में बादल छाए हैं। वहीं, शहर में सुबह का अधिकतम तापमान 7 डिग्री तक लुढ़का है। जिससे ठंड में इलाफा हुआ है।

**बारिश बर्फबारी का अलर्ट**

पर्वतीय क्षेत्रों उत्तरकाशी, चमोली व पिथौरागढ़ में कहीं-कहीं हल्की बारिश होने की संभावना है। साथ ही अधिक ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी होने की भी संभावना है। मैदानी क्षेत्रों खासकर हरिद्वार व ऊधमसिंहनगर में कोहरा छा सकता है जबकि दून में बादल छाए रहेंगे। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों उत्तरकाशी, चमोली और पिथौरागढ़ में कहीं-कहीं हल्की और गर्जन के साथ बारिश होने की संभावना है। 3500 मीटर के अधिक ऊंचाई वाले स्थानों पर बर्फबारी होने की संभावना है।

**पहाड़ों की रानी मसूरी से दिखा देहरादून का खूबसूरत नजारा, पर्यटकों ने कैमरे में किया कैद**

हरिद्वार और ऊधमसिंहनगर के कुछ क्षेत्रों में मध्यम कोहरा छा सकता है। शेष जनपदों में मौसम शुष्क रहेगा। दून में कहीं आसमान साफ और कहीं आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दून का अधिकतम और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 12 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है।

# विज्ञान के शिक्षक नहीं, छात्र कैसे बनेंगे वैज्ञानिक

एजेंसी

**अल्मोड़ा।** जिले के ताकुला विकासखंड का जीआईसी दड़मिया में इंटरमीडिएट के विद्यार्थियों को अंग्रेजी, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान विषय पढ़ाने के लिए शिक्षक नहीं है। प्रवक्ताओं के छह पद रिक्त चल रहे हैं। विज्ञान शिक्षक नहीं होने से विद्यार्थियों के वैज्ञानिक, डॉक्टर बनने का सपना पूरा नहीं हो पा रहा है। विज्ञान और तकनीक को जरूरी बताकर विद्यार्थियों को इस क्षेत्र में आगे बढ़ाने के कई कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं लेकिन ये सभी दावे धरातल पर नहीं उतर पा रहे हैं। जीआईसी दड़मिया में आठ से अधिक गांवों के 250 से अधिक विद्यार्थी पढ़ने आते हैं लेकिन उन्हें विज्ञान पढ़ाने के लिए शिक्षक नहीं हैं। विद्यालय में चार साल से भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान प्रवक्ता और दो साल से भी अधिक समय से अंग्रेजी के प्रवक्ता नहीं हैं। हैरानी की बात यह है कि इन पदों पर अतिथि शिक्षकों की भी तैनाती नहीं हुई है। ऐसे में विद्यार्थियों का डॉक्टर, इंजीनियर बनने का सपना टूट रहा है। इसके अलावा संस्कृत, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र विषयों में भी प्रवक्ता नहीं है। इन विषयों में अतिथि शिक्षक तैनात है जिससे थोड़ी राहत मिल रही है।

**तीन साल से नहीं हैं प्रधानाचार्य**

अल्मोड़ा। विद्यालय में प्रधानाचार्य का पद भी तीन साल से रिक्त चल रहा है। विद्यालय के ही वरिष्ठ शिक्षक को प्रधानाचार्य का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। ऐसे में वह कक्षाओं में समय नहीं दे पाते हैं। इससे पढ़ाई पर असर पड़ता है। जीआईसी दड़मिया में शिक्षकों के रिक्त पदों की जानकारी उच्चाधिकारियों को दी गई है। शिक्षकों की नियुक्ति शासन स्तर से संभव है।

# कुमारी सैलजा ने बीजेपी पर कसा तंज

## कहा- नौ साल के कार्यकाल में भाजपा-जजपा सरकार पूरी तरह फेल

एजेंसी

**अंबाला (हरियाणा)।** पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा ने कहा कि चुनावों से पूर्व भाजपा जनता से वोट लेने के लिए लंबे चौड़े दावे व लंबी चौड़ी घोषणाएं करती रही है, मगर चुनाव के बाद उन घोषणाओं को ठंडे बस्ते में डालकर जनता को गुमराह रही है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव व पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा अंबाला में विभिन्न जगहों पर पहुंची। सैलजा ने कहा कि नौ साल के कार्यकाल में भाजपा-जजपा सरकार पूरी तरह से फेल रही है। इस सरकार ने हर वर्ग का जमकर शोषण किया है। इसी वजह से आगामी विधानसभा व लोकसभा चुनाव में इस सरकार का सूपड़ा साफ होना तय है। सैलजा ने शहर के बादशाही बाग गुरुद्वारा में माथा टेका। सैलजा ने कहा कि गुरुनानक देव महाराज ने लोगों को सच की राह पर चलना सिखाया है। हम सभी को उनकी शिक्षाओं पर चलकर समाजसेवा करनी चाहिए। वहीं, सैलजा ने कहा कि देश की जनता के लिए खाद्यान्नों का उत्पादन करने वाले किसानों पर चौतरफा मार पड़ रही है। किसानों को न तो फसलों के भाव मिल रहे हैं और न ही खाद, बीज, स्प्रे आदि की विश्वसनीय क्वालिटी। नकली खाद-बीज व कीटनाशकों के कारण किसानों की फसलें बर्बाद होकर रह गई हैं। ऊपर से सरकार ने फसलों का फसल बीमा करना ही बंद कर दिया है। इतना ही नहीं बैंकों ने फसल बीमा की राशि किसानों के खातों में से काटकर सरकार को भेज दी है। उन्होंने कहा कि चुनावों से पूर्व भाजपा जनता से वोट लेने के लिए लंबे चौड़े दावे व लंबी चौड़ी घोषणाएं करती रही है, मगर चुनाव के बाद उन घोषणाओं को ठंडे बस्ते में डालकर जनता को गुमराह रही है। इस मौके पर मौके पर कालका से विधायक प्रदीप चौधरी, वरिष्ठ नेत्री किरण बाला जैन, प्रदेश कांग्रेस के पूर्व कोषाध्यक्ष एडवोकेट रोहित जैन, परविंद्र परी, तरुण चुघ, वेणु अग्रवाल, रिंकू पुनिया, सुरजीत पंजोखरा, पूर्व डिप्टी मेयर सुधीर जायसवाल व अन्य मौजूद रहे।

## कुरुक्षेत्र में राज्य स्तरीय खेल महाकुंभ का हुआ शुभारंभ, चार खेलों में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

संवाददाता

**कुरुक्षेत्र।** कुरुक्षेत्र में राज्य स्तरीय खेल महाकुंभ प्रतियोगिता का शुभारंभ द्रोणाचार्य स्टेडियम में किया गया है, जिसके मुख्यातिथि थानेसर विधायक सुभाष सुधा रहे। इस राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता में जुडो, हॉकी, साइकिलिंग और फुटबाल के खेलों का आयोजन हुआ हैं। इस तीन दिवसीय खेल महाकुंभ में 1500 खिलाड़ी दमखम दिखाएंगे। वहीं इसमें 744 महिला खिलाड़ी हिस्सा लेंगी तो वहीं 700 के करीब पुरुष खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। इसके साथ खिलाड़ियों के ठहरने का प्रबंध भी शहर में जाट धर्मशाला और गीता धाम में किया गया हैं।

# शवों को जलाने के लिए करते हैं रात का इंतजार

❖ बांग्लादेश सीमा के पास चोरी छिपे होता है अंतिम संस्कार।

संवाददाता

**शिलॉन्ग।** बाघमारा गांव भारत-बांग्लादेश सीम पर बसा हुआ है। यहां पर करीब पांच से छह हजार हिंदू लोग रहते हैं। लेकिन यहां पर आजादी से लेकर आज तक हिंदुओं का कोई श्मशान घाट नहीं है। इसलिए यहां के लोगों को अंतिम संस्कर के लिए रात का इंतजार करना पड़ता है। हमारे देश में एक ऐसा भी गांव है, जहां पर अगर किसी की मौत हो जाती है तो उसे अंतिम संस्कार के लिए रात तक का इंतजार करना पड़ता है। जी, यह बिल्कुल सत्य है। इस गांव का नाम है बाघमारा, जो कि मेघालय राज्य के दक्षिण गारो हिल्स जिले में भारत-बांग्लादेश की सीमा के पास है। यहां पर किसी हिंदु परिवार के किसी प्रियजन की मौत हो जाती है तो उनको अंतिम संस्कार के लिए रात तक इसका इंतजार करना पड़ता है। यहां के लोगों ने हर जगह अपील की, प्रशासन से लेकर सरकार तक और हाईकोर्ट तक, लेकिन आज तक उनको एक छोटा सा जमीन का टुकड़ा मयस्सर नहीं हो पाया है, ताकि वे अपने प्रियजन का अंतिम संस्कार शांति के साथ कर सके।

**रात का इंतजार**

बाघमारा गांव भारत-बांग्लादेश सीम पर बसा हुआ है। यहां पर करीब पांच से छह हजार हिंदू लोग रहते हैं। लेकिन यहां पर आजादी से लेकर आज तक हिंदुओं का कोई श्मशान घाट नहीं है। इसलिए यहां के लोगों को अंतिम संस्कर के लिए रात का इंतजार करना पड़ता है। ताकि वे रात के अंधेरे में चोरी छिपे अपने प्रियजन का अंतिम संस्कार कर सके। गांव के लोग बताते हैं कि पहले जो हिंदुओं का श्मशान घाट था, आजादी के बाद वह बांग्लादेश के हिस्से में चली गई है। फिर भी लोग वहीं जाकर अंतिम संस्कार करते थे लेकिन समस्या 2014 में तब खड़ी हो गई जब उस जगह पर बांग्लादेश ने सड़क का निर्माण कर दिया। इससे वहां पर अब आवा-जाही ज्यादा होने से अब वहां पर अंतिम संस्कार करना मुश्किल हो गया।

**आंखें भर आएंगी आपकी**

जैसे-जैसे शाम रात की आगोश में समाती जाती है, धीरे-धीरे परिजन मृतक देह को नहलाना धुलाना शुरू करते हैं। वैसे तो हिंदुओं में शाम ढलने के बाद दाह संस्कार की मनाही है लेकिन यहां और कोई चारा नहीं है। किसी तरह से तरह से वे लोग नदी के किनारे पहुंचते हैं, देखते हैं कि नदीं उफान पर है। लेकिन जल्दी से जल्दी अंतिम संस्कार का काम को खत्म करना है, कहीं बांग्लादेशी सैनिक देख नहीं लें। उफनती नदी पर पहले केले के बड़े-बड़े थंबों को नीचे लगाया जाता है। जब वह पानी से ऊपर आ जाता है तो उस पर लकडियां लगाई जाती हैं। उसके बाद किसी तरह से अंतिम संस्कार का काम किया जाता है। कोई भी इस दृश्य को देखता है तो उसकी आंखें भर आती हैं।

**हर बार स्थानीय लोगों ने किया विरोध**

वहीं, दूसरे तरफ यहां भारतीय क्षेत्र में हिंदुओं को श्मशान घाट के लिए जमीन कई बार दी गई लेकिन हर बार कोई न कोई परेशानी सामने आई। जैसा कि लोगों ने बताया सरकार ने 2019 में श्मशान के लिए जंगल में जमीन दी, जिसका स्थानीय लोगों ने विरोध किया। इसके बाद 2022 में भारत-बांग्लादेश सीमा पर जमीन दिया गया, लेकिन बांग्लादेश ने इसका विरोध किया। इसके बाद फिर 2022 में ही म्यूनिसिपलटी गारवेज एरिया में जमीन दिया गया, जहां स्थानीय लोगों ने इसका विरोध किया। तबसे लेकर जद्दोजहद चल रही है।

**अगर दफनाओगे तो मिलेगी जीमान, जलाने नहीं देंगे**

इस समस्या को लेकर यहां के हिंदू समाज ने कई बार राज्य प्रशासन और राज्य सरकार को आवेदन किया। प्रशासन ने भूमि भी मुहैया करवाई लेकिन जब श्मशान का निर्माण का समय आया तो यहाँ के स्थानीय ईसाई आदिवासी लोग विरोध में खड़े हो गए। नाम न बताने के शर्त पर कुछ लोगों ने बताया की मुख्यमंत्री ने भी यहाँ के श्मशान बनाने के लिए भूमि और राशी जारी की लेकिन स्थानीय आबादी के विरोध के कारण काम आगे नहीं बढ़ पाया। यहाँ के स्थानीय लोग उन्हें कहते है की अगर शव को दफनाओगे तो हम तुम्हें भूमि देंगे लेकिन हम जलाने नहीं देंगे। क्योंकि इससे प्रदूषण होगा।

**हम भगवान से प्रार्थना करते हैं हमारी मौत यहां नहीं हो**

समस्या का समाधान नहीं होने तक हिंदुओं को बांग्लादेश की सिमसंग नदी के किनारे जो हिस्सा बांग्लादेश में पड़ता है, वहीं चोरी-छिपे रात के अंधेरे में जोखिम उठाकर अंतिम संस्कार कर रहे हैं। अगर बांग्लादेश की बीजीबी को इसकी भनक पड़ी तो वे गोली भी चला सकते हैं। अगर किसी दिन ऐसा हुआ तो एक बड़ा हादसा हो सकता है, क्योंकि अंतिम संस्कार करने काफी संख्या में लोग जाते हैं। इस तरह की परेशानी झेल रहे लोग कहते हैं, हम तो भगवान से प्रार्थना करते हैं कि हमारी मौत यहां नहीं हो, जहां दो गज जमीन का टुकड़ा, अपने ही देश में मयस्सर ना हो।

**अगले हफ्ते बुलाई है बैठक- डीसी**

इस बारे में दक्षिण गारो हिल्सस, बाघमारा के डीसी शिवांश अवस्थी ने कहा है कि उनके ज्वाइन करने के बाद स्थानीय लोग इस संबंध में मिले थे। हिंदु समुदाय के लोगों को अंतिम संस्कार के लिए जमीन मिले, इसके लिए मंगलवार को हमने सभी स्टेकहोल्डर्स की एक बैठक बुलाई है। पहले भी जमीन देने की कोशिश की लेकिन बहुत सी दिक्कतें आई। यहां पर सबसे बड़ी दिक्कत है जमीन की, क्योंकि अंतिम संस्कर के लिए दी जानी है। इसके साथ ही बहुत सी चीजों का ध्यान रखना होता है। जल्द से जल्द लोगों को इस समस्या से निजात मिले, इसकी पूरी कोशिश जिला प्रशासन कर रहा है।

# धोनी के अगले कदम के बारे में बताना आसान नहीं : डिविलियर्स!

# नीलामी में CSK के निशाने पर होंगे शाहरुख खान

एजेंसी

**नई दिल्ली।** आईपीएल 2023 के बाद धोनी के घुटने की सफल सर्जरी हुई और अब वह आगामी सत्र में भी चेन्नई की टीम की अगुआई करते दिखेंगे। एबी डिविलियर्स को उम्मीद है कि सीएसके फ्रेंचाइजी आईपीएल 2024 की नीलामी में विस्फोटक बल्लेबाज शाहरुख खान को खरीदने का लक्ष्य रखेगी।

आईपीएल 2024 के लिए 19 दिसंबर को मिनी ऑक्शन होना है। उससे पहले चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की रिटेंशन लिस्ट में

एमएस धोनी का नाम देखकर एबी डिविलियर्स ने खुशी जाहिर की है। डिविलियर्स ने बताया कि आईपीएल 2023 के दौरान फैंस ने अनुमान लगाया था कि यह माही का आखिरी सीजन होगा, लेकिन धोनी ने सभी को चौंका दिया। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व दिग्गज ने कहा कि धोनी के अगले कदम के बारे में भविष्यवाणी करना कभी आसान नहीं होता।

धोनी की उपलब्धता के बारे में बात करते हुए, डिविलियर्स ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा- मैं उनका नाम रिटेंशन लिस्ट में देखकर काफी खुश हूं। पिछले सीजन में इस बारे में काफी बातें हुई थीं कि क्या यह उनका आखिरी सीजन होने वाला है। वह एक और आईपीएल सीजन खेलने के लिए 2024 की ओर बढ़ रहे हैं। उनके साथ स्थिति हमेशा आश्चर्यचकित करने वाली होती है। शायद वह तीन और सीजन खेल जाएं, कौन जानता है! लेकिन सीएसके के रिटेन होने वाले खिलाड़ियों में उनका नाम देखकर बहुत अच्छा लगता है।

**घुटने की चोट के बावजूद 2023 में सारे मैच खेले धोनी**

एमएस धोनी घुटने की परेशानी के बावजूद 2023 में सीएसके के सभी मैच खेले थे। उनकी अगुवाई में चेन्नई ने फाइनल में गुजरात टाइटंस को पांच विकेट से हराकर पांचवीं बार खिताब जीता था। टूर्नामेंट के बाद धोनी के घुटने की सफल सर्जरी हुई और अब वह आगामी सत्र में भी चेन्नई की टीम की अगुआई करते दिखेंगे। एबी डिविलियर्स को उम्मीद है कि सीएसके फ्रेंचाइजी आईपीएल 2024 की नीलामी में विस्फोटक बल्लेबाज शाहरुख खान को खरीदने का लक्ष्य रखेगी।

**शाहरुख को टारगेट कर सकती है सीएसके की टीम**

तमिलनाडु के बल्लेबाज शाहरुख खान को आईपीएल 2024 की मिनी नीलामी से पहले पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) ने रिलीज कर दिया है। एबी डिविलियर्स का मानना है कि सीएसके इस आक्रामक बल्लेबाज को खरीद सकती है। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ने सुझाव दिया कि कई मौकों पर रिलीज किए गए खिलाड़ियों का करियर सीएसके में जाते ही फिर से ऊपर चढ़ गया है। डिविलियर्स ने कहा, %वह (शाहरुख खान) मजबूत खिलाड़ी हैं और लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। मुझे पूरा भरोसा है कि कुछ टीमें उन्हें खरीदने के लिए उत्सुक होंगी।

**डिविलियर्स ने की शाहरुख की तारीफ**

डिविलियर्स ने शाहरुख की तारीफ करते हुए कहा, %वह गेंद को काफी दूर तक हिट करने की क्षमता रखते हैं। यही वह जगह है जहां सीएसके सबसे अलग है। वे रिलीज किए गए खिलाड़ियों को चुनने में बहुत अच्छे हैं। जिन खिलाड़ियों को भुला दिया जाता है, वे अचानक पीली जर्सी में खेलते हैं और शीर्ष पांच रन बनाने वाले या विकेट लेने वाले खिलाड़ियों की सूची में शामिल हो जाते हैं।% चेन्नई ने ऑक्शन से पहले अपनी टीम से आठ खिलाड़ियों को रिलीज किया और वह 31.4 करोड़ रुपये की शेष राशि के साथ आईपीएल की नीलामी में उतरेगी।

# नवंबर की छुट्टियां में दोस्तों संग सस्ते घूम आए ये छह खूबसूरत जगहें

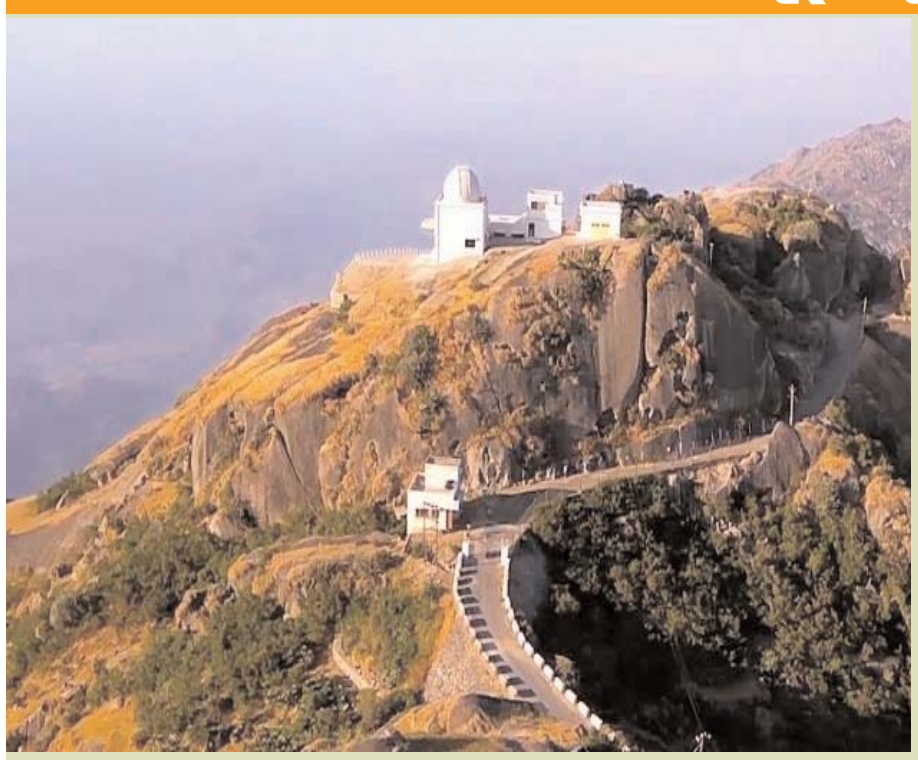

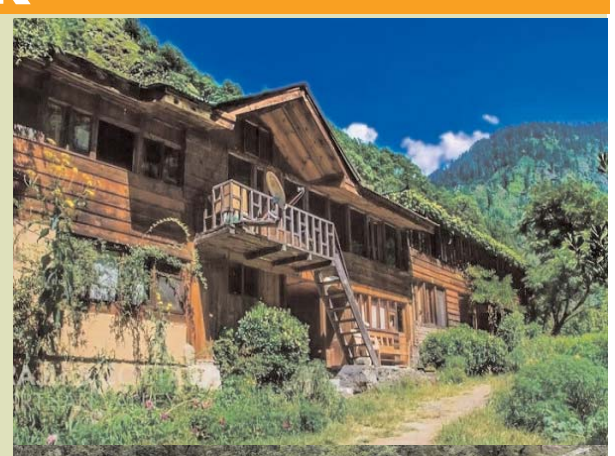

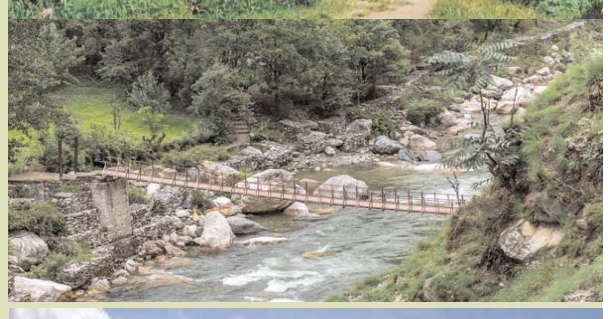

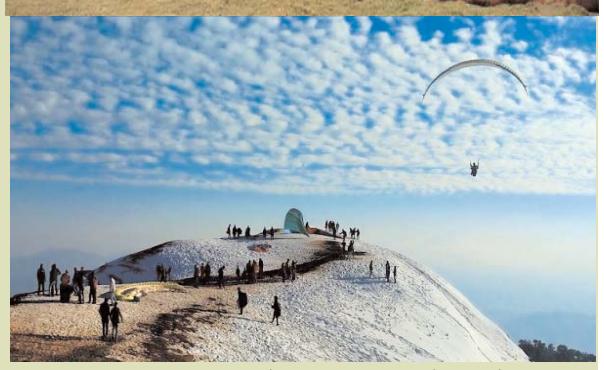

घूमने के शौकीन किसी भी पल सैर के लिए निकल पड़ते हैं। वहीं नवंबर का पहला सप्ताह त्योहारों के साथ छुट्टियों से भरा हुआ होगा। इस दौरान 4 को दिवाली, 5 को गोवर्धन पूजा, 6 नवंबर को भाई दूर तो 7 नवंबर को रविवार की छुट्टी होगी। ऐसे में आप चाहे तो इन 4 दिनों के लिए कहीं घूमने के मिनी ट्रिप प्लान कर सकते हैं। आप इस दौरान दोस्तों व पार्टनर के साथ 10,000 रुपए के बजट में आसानी से घूम सकती है।

## तीर्थन घाटी (हिमाचल प्रदेश)

भारत में बसा हिमाचल प्रदेश खूबसूरती से भरा हुआ है। यहां पर स्थित तीर्थन घाटी धरती पर स्वर्ग का एहसास करवाती है। यह हिमालय नेशनल पार्क से करीब 3 किलोमीटर की दूरी पर है। बता दें, यह खूबसूरत जगह पर्यटकों द्वारा ट्राउट मछली के लिए लोकप्रिय है। आप यहां पर 10,000 में आसानी से घूमकर अपनी छुट्टियां एन्जॉय कर सकते हैं।

बीर बिलिंग (हिमाचल प्रदेश)

आप हिमाचल के बीर बिलिंग में भी घूमने जा सकते हैं। दोस्तों व पार्टनर के साथ घूमने के लिए यह बेस्ट जगह मानी गई है। बीर बिलिंग पैराग्लाइडिंग, ट्रेक या मेडिटेशन के लिए देशभर में मशहूर है। यहां पर आपको तिब्बती संस्कृति की झलक भी देखने को मिलेगी। आप यहां पर 10,000 रुपए के बजट में मिनी ट्रिप आसानी से प्लान कर सकते हैं।

## मुक्तेश्वर (उत्तराखंड)

देव भूमि उत्तराखंड में स्थित मुक्तेश्वर प्राकृतिक नजारों से भरा गांव है। यहां पर लोग खासतौर पर ट्रेकिंग, पैराग्लाइडिंग, बाइकिंग, राफ्टिंग का मजा लेने आते हैं। ऐसे में अगर आप भी एडवेंचर के शौकीन है तो यहां घूमने का जा सकते हैं।

## रानीखेत (उत्तराखंड)

घूमने के लिए उत्तराखंड बसा रानीखेत भी टूरिस्ट द्वारा बेहद लोकप्रिय है। नेचर लवर्स के लिए रानीखेत बेस्ट प्लेस मानी जाती है। आप नवंबर में यहां पर छुट्टियां बिता सकते हैं। रानीखेत में आप पैराग्लाइडिंग, बाइक राइडिंग, राफ्टिंग का मजा ले सकते हैं। इसके साथ ही यहां पर स्थित झूला देवी मंदिर के दर्शन भी कर सकते हैं।

## माउंट आबू (राजस्थान)

अगर आप राजस्थान या इसके आसपास रहते हैं तो माउंड आबू घूमने जा सकते हैं। यह राजस्थान का इकलौता व बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन है। सालभर यहां पर देश-विदेश से घूमने के लिए लोग आते हैं। माउंट आबू में आपको शांति व सुकून का एहसास होगा। यहां की नाक्की झील आकर्षण का मुख्य केंद्र है। इसे देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं।

## औली (उत्तराखंड)

अगर आप ठंडी जगह पर घूमना चाहते हैं तो आपके लिए उत्तराखंड में औली एकदम परफेक्ट रहेगा। यहां आप दोस्तों व पार्टनर के साथ घूमने का प्लान कर सकते हैं। औली में चारों ओर हरियाली व सूरज की किरणों का नजारा किसी का भी मन आसानी से जीतने का काम करता है। आप यहां पर ट्रेकिंग का भी लुत्फ उठा सकते हैं। इसके अलावा इस खूबसूरत जगह पर की यादें अपने कैमरे में कैद करना ना भूलें।

# पार्टनर के साथ क्वालिटी टाइम बिताने के लिए बेस्ट रहेंगी ये जगह

घूमने का तो लगभग हर किसी को शौक होता है। मगर अक्सर लोग बजट हिल ना जाने के कारण परेशान रहते है। ऐसे में आज हम आपको भारत की 3 खूबसूरत व रोमांटिक जगहों के बारे में बताते हैं जो पार्टनर के साथ क्वालिटी टाइम बिताने के लिए एकदम परफेक्ट रहेगी। यहां पर आप पार्टनर के साथ रोमांटिक पलों को एन्जॉय कर सकते हैं। साथ ही ये ट्रिप बजट में भी रहेंगे। पार्टनर के साथ घूमने के लिए हिमाचल प्रदेश का कसोल एकदम परफेक्ट रहेगा। यह एक छोटा सा मगर खूबसूरत हिल स्टेशन है। मगर आपको यहां पर हर तरह की सुविधा आसानी से मिल जाएगी। आबादी कम होने से आप यहां पर शांति से पार्टनर के साथ रोमांटिक पलों एन्जॉय कर सकते हैं। ऐसे में आप अपने इस रोमांटिक ट्रिप को बजट में प्लान कर सकती है। मुंबई में रहने वाले लोग पार्टनर के साथ रोमांटिक शाम बीताने के लिए जुहू बीच का प्लान कर सकते हैं। यहां पर आप पार्टनर के साथ क्वालिटी टाइम बीताने के साथ खूबसूरत शाम का मजा ले सकते हैं। यहां शाम के समय आप पार्टनर के साथ समुद्र के किनारे घूमने का लुत्फ उठा सकते हैं। यकीन मानिए यहां पर सनसैट का नजारा आपको बेहद ही पसंद आएगा। इसके अलावा अगर आप मुंबई के आसपास रहते हैं तो भी यहां घूमने जा सकते हैं। इसके लिए आपको ज्यादा खर्च करने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी। पार्टनर के साथ घूमने के लिए आप दक्षिण भारत का प्लान कर सकती है। आप केरल में पार्टनर के साथ क्वालिटी टाइम बीता सकते हैं। यहां पर आप चारों ओर हरियाली व नारियल के पेड़ को देखने और यहां तस्वीरें खींचवाने का मजा ले सकते हैं। यहां पर ट्री हाउस व हाउस बोट पर पार्टनर के साथ टाइम स्पेंड करने की बेस्ट जगह रहेगी। ऐसे में आप बजट में आपनी छुट्टियों का मजा ले सकते हैं।

# अचानक से कम हो जाए बीपी तो आजमाएं ये घरेलू नुस्खे, जल्द मिलेगी राहत

यदि लो ब्लड प्रेशर की समस्या है तो आहार में सोडियम युक्त खाद्य पदार्थों को शामिल करें। ऐसे भोजन जिनमें सोडियम होता है, ब्लड प्रेशर को सामान्य बनाए रखने में मदद करते हैं। अगर अचानक से बीपी लो हो जाए तो नमकीन चीज़ें, पनीर, चिकन, सूप या ब्रेड खाएं। इन सभी में सोडियम की पर्याप्त मात्रा होती है। आजकल बुजुर्गों से लेकर बच्चों तक में लो ब्लड प्रेशर की समस्या आम है। लो ब्लड प्रेशर या हाइपोटेंशन तब होता है जब शरीर का ब्लड प्रेशर सामान्य सीमा से नीचे चला जाता है। ब्लड प्रेशर कई कारणों से नीचे जा सकता है जैसे- शरीर में पानी की कमी, एलर्जी, एनीमिया, इंफेक्शन, पोषक तत्वों की कमी, दिल की बीमारी या अधिक परिश्रम वाली शारीरिक गतिविधियाँ आदि। नियमित रूप से ब्लड प्रेशर कम रहना या बार-बार लो बीपी होना गंभीर हो सकता है। इसलिए बेहतर है कि आप लो बीपी के लक्षणों को पहचान कर डॉक्टर की सलाह लें और इसका इलाज करें। हालाँकि, अगर अचानक से ब्लड प्रेशर लो हो जाए तो आप कुछ घरेलू उपाय भी कर सकते हैं। आप आज के इस लेख में हम आपको लो ब्लड प्रेशर के लक्षण और इसके घरेलू उपचार के बारे में जानकारी देंगे। यदि लो ब्लड प्रेशर की समस्या है तो आहार में सोडियम युक्त खाद्य पदार्थों को शामिल करें। ऐसे भोजन जिनमें सोडियम होता है, ब्लड प्रेशर को सामान्य बनाए रखने में मदद करते हैं। अगर अचानक से बीपी लो हो जाए तो नमकीन चीज़ें, पनीर, चिकन, सूप या ब्रेड खाएं। इन सभी में सोडियम की पर्याप्त मात्रा होती है। चाहे बड़े-बूढ़े हों या छोटे बच्चे, लो ब्लड प्रेशर की समस्या से बचाव के लिए संतुलित आहार लेना बहुत आवश्यक है। अपने आहार में ताज़ी हरी सब्जियां, फल और नट्स आदि जरूर शामिल करें। लो बीपी से बचने के लिए खाने में फोलिक एसिड और विटामिन बी 12 से भरपूर खाद्य पदार्थों को शामिल करना चाहिए।लो बीपी होने पर कॉफी का सेवन भी कर सकते हैं। कॉफी से ब्लड प्रेशर को सामान्य करने में मदद मिलती है। यदि घर में कॉफी ना हो तो आप घर में मौजूद कोई भी मीठी या नमकीन चीज़ खा सकते है। लो बीपी की समस्या में चुकुंदर का जूस बहुत फायदेमंद माना जाता है। नियमित रूप से चुकुंदर का जूस पीने से लो ब्लड प्रेशर को सामान्य करने में मदद मिलती है। शरीर में पानी की कमी की

स्वामी, प्रकाषक, मुद्रक विवेक श्रीवास्तव द्वारा ओम साई क्रियेषन्स, आषा काम्पलक्े स, इन्दिरा नगर लखनऊ से मुद्रित एवं पहला तल, निधि काम्पलेक्स, विकास नगर लखनऊ (उ0प्र0) से प्रकाषित।
RNI No.UPHIN/2015/6090 सम्पादक- विवेक श्रीवास्तव, फोन नं0- 8004949556, 7570901365 Email. info@theachievertimes.com किसी भी वाद विवाद का निस्तारण लखनऊ न्यायालय ही मान्य होगा।

समाचार-पत्र का मुख्य उद्देय ग्रामीण भारत का सत प्रतिशत मीडिया कवरेज कर समाज में फैला भ्रष्टचार समाजिक बुराइयों एवं कुरीतियों को अपने स्तर पड़ताल करके सम्बन्धित उच्चअधिकारियों को ध्यानकर्षण कर उन्हें समाप्त कराना है।